THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 306 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ पूर्णिमा, 2082 रविवार, 1 फरवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ◦ पृष्ठ : 16+32, मूल्य : 8 रुपये

चांदी की दीवार टूटी

1.10 लाख गिरकर 2.91 लाख पर, सोना 20 हजार रुपए सस्ता, 1.49 लाख रुपए पर आया

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। गोल्ड और सिल्वर मार्केट 30 जनवरी को क्रैश हो गया। प्रॉफिट बुकिंग के कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी 1.10 लाख रुपए (27%) गिर गई। अब 1 किलो चांदी 2.91 लाख रुपए में मिल रही है। एक दिन पहले यानी 29 जनवरी को चांदी 4.01 लाख रुपए प्रति किलो में मिल रही थी।

आज छुट्टी कैंसिल !

बजट के साथ खुलेगा शेयर बाजार

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। 1 फरवरी को देश का आम बजट पेश होने जा रहा है। आमतौर पर शेयर बाजार में शनिवार और रविवार को छुट्टी होती है, लेकिन आज रविवार निवेशकों के लिए सामान्य छुट्टी के दिनों से अलग है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट भाषण को देखते हुए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने एलान किया है कि इस दौरान शेयर बाजार खुले रहेंगे और सामान्य दिनों की तरह कारोबार होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की बजट भाषण के दौरान ट्रेडिंग करने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है।

एनएसई और बीएसई की ओर से जारी सर्कुलर के मुताबिक, बजट की अहमियत को देखते हुए 1 फरवरी को 'विशेष लाइव ट्रेडिंग सत्र' आयोजित किया जा रहा है। एक्सचेंजों का कहना है कि बजट में होने वाली बड़ी नीतिगत घोषणाओं पर बाजार को तत्काल प्रतिक्रिया देने का मौका मिलना चाहिए, इसलिए रविवार होने के बावजूद बाजार बंद नहीं रहेगा। आजाद भारत के इतिहास में इससे पहले केवल एक बार रविवार को भी शेयर बाजार में कारोबार हुआ था। 28 फरवरी 1999 को जब देश के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे, उस समय रविवार के दिन भी घरेलू शेयर बाजार में कारोबार हुआ था।

कल बाजार की समय सारिणी सामान्य कारोबारी दिनों जैसी ही रहेगी:

प्री-ओपन मार्केट : सुबह 9:00 बजे शुरू हो कर 3. 30 बजे तक चलेगा।

नॉर्मल मार्केट : सुबह 9:15 बजे से शुरू होकर दोपहर 3:30 बजे तक नियमित कारोबार होगा।

इसका मतलब है कि आपको बजट भाषण के दौरान और उसके बाद अपनी रणनीति बनाने और सौदे करने का पूरा वक्त मिलेगा।

क्यों लिया गया यह फैसला?

बाजार के जानकारों का मानना है कि बजट के दिन बाजार का खुला रहना बेहद जरूरी है।

1. **तत्काल फैसला :** निवेशक बजट के ऐलानों का असर तुरंत कीमतों पर देख सकेंगे और फैसला ले सकेंगे।
2. **जोखिम प्रबंधन :** अगर बाजार बंद रहता, तो निवेशकों को प्रतिक्रिया के लिए सोमवार तक का इंतजार करना पड़ता, जिससे अनिश्चितता बढ़ती। कल बाजार खुलने से निवेशक उसी दिन अपनी पोजीशन को मैनेज कर पाएंगे।
3. **पारदर्शिता :** छुट्टी के दिन बजट आने पर ऑफ-मार्केट सट्टेबाजी का डर रहता है, लाइव ट्रेडिंग से इसे नियंत्रित किया जा सकेगा।

सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम

> राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने दिलाई शपथ

मुंबई, 31 जनवरी (एजेंसियां)। दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बन गई हैं। यहां लोक भवन (पूर्व में राजभवन) ने राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सुनेत्रा पवार को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इससे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की विधायक दल की बैठक में सुनेत्रा पवार को नेता चुना गया। महाराष्ट्र लोकभवन में शाम 5 बजे आयोजित सादे समारोह में सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री की शपथ दिलाई गई। इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और एनसीपी नेता सुनीत तटकरे, प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, धनंजय मुंडे समेत पार्टी के विधायक मौजूद रहे। हालांकि इस दौरान शरद पवार मौजूद नहीं रहे। सुनेत्रा पवार 2024 के लोकसभा चुनाव तक सुर्खियों से दूर रहीं। उसी साल हुए आम चुनाव में उन्होंने अपने पति की पार्टी की उम्मीदवार के रूप में बारामती लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा। हालांकि प्रतिष्ठा की लड़ाई में अपनी ननद और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) उम्मीदवार सुप्रिया सुले से हार गईं।

पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। सुनेत्रा पवार के महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप शपथ लेने पर पीएम मोदी ने उन्हें बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल शुरू करने वाली सुनेत्रा पवार को हार्दिक शुभकामनाएं। वह इस पद को संभालने वाली पहली महिला हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि वह राज्य की जनता के कल्याण के लिए अथक परिश्रम करेंगी और दिवंगत अजीतदादा पवार के सपनों को साकार करेंगी।

'घी में मिलावट की रिपोर्ट पिछली सरकार ने दबाई'

अमरावती, 31 जनवरी (एजेंसियां)। तिरुमाला घी और लड्डू विवाद को लेकर आंध्र प्रदेश के मंत्री पय्यावुला केशव ने दावा है कि 2019 में वाईएसआरसीपी सरकार ने निविदा की शर्तों में बदलाव किया था। मंत्री पय्यावुला केशव का दावा है कि लड्डू में मिलावट 2019 के बाद शुरू हुई, इसके सबूत मौजूद हैं। बता दें कि, 2022 में मैसूरु स्थित सीएफटीआरआई की तरफ से विश्लेषण किए गए घी के नमूनों में मिलावट पाई गई। मंत्री का कहना है कि पिछली सरकार ने इसे दबा दिया था। उन्होंने आगे कहा कि वाईएसआरसीपी को भगवान वेंकटेश्वर स्वामी में आस्था नहीं है। उन्होंने घी की खरीद को एक व्यावसायिक लेन-देन की तरह लिया। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में भगवान के प्रति विश्वास को नजरअंदाज किया गया।

सीएम नायडू ने एनडीडीबी की रिपोर्ट का दिया था हवाला

वित्त मंत्री के मुताबिक, घी के जो सैंपल राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) को भेजे गए थे, उनकी रिपोर्ट में साफ कहा गया था कि घी में पशु वसा होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इसी रिपोर्ट का हवाला दिया था।

मंत्री केशव ने आगे कहा कि घी के सैंपल केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई), मैसूरु को भी भेजे गए थे। वहां की रिपोर्ट में साफ लिखा था कि घी मिलावटी है। आरोप है कि तत्कालीन वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार ने इस रिपोर्ट को दबाकर रखा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछली सरकार द्वारा नियुक्त टीटीडी बोर्ड ने घी की खरीद के लिए टेंडर की शर्तों में बदलाव किया। इससे कम टर्नओवर वाली छोटी कंपनियों को ठेका मिलने का रास्ता खुल गया।

शाह बोले-बंगाल में एसआईआर से घुसपैठिए बाहर होंगे

कोलकाता, 31 जनवरी (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना में कहा कि, ममता सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है। बंगाल के लोग टीएमसी को उखाड़ फेकेंगे। इनकी विदाई का समय आ गया है। ममता जी को एसआईआर का जितना विरोध करना हैं कर लें। मतदाता सूची से घुसपैठियों को निकालना ही पड़ेगा। जो बचे घुसपैठिये रह जाएंगे वो भाजपा का सीएम आकर निकाल देगा। साल 2026 टीएमसी को 'टाटा, बाय-बाय' कहने का साल है।

साल 2026 टीएमसी को 'टाटा, बाय-बाय' कहने का साल है। टीएमसी तो कम्युनिस्टों से भी आगे निकल गई है। जब मैं पहले आया था, तो मैंने कहा था कि पश्चिम बंगाल में भारी बहुमत से बीजेपी की सरकार बनेगी। उस समय ममता बनर्जी मेरा मजाक उड़ा रही थीं। लेकिन जब भगवान राम ने राम सेतु बनाया था, तो रावण ने भी इसी तरह उनका मजाक उड़ाया था। 2024 में तीन दशक के बाद पहली बार मोदी लगातार तीसरी बार इस देश के प्रधानमंत्री बने हैं। 24 में ही हमने आंध्र प्रदेश में सरकार बनाई। हमने ओडिशा में सरकार बनाई। अरुणाचल में तीसरी बार सरकार बनाई। 2025 में हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में 30 साल के बाद सरकार बनाई और 25 का अंत आते-आते बिहार में भी प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा और एनडीए की सरकार बनी। जितने भी लोग आजादी के संघर्ष में शहीद हुए, जिन्हें फांसी के फंदे पर लटकाया गया उनका आखिरी शब्द भी वंदे मातरम ही था। मोदी सरकार ने वंदे मातरम के 150 साल पूरे देश में मनाने का निर्णय लिया है।

पूर्व सीएम केसीआर के घर रात में चिपकाया नोटिस

भड़के बेटे केटीआर, रेवंत रेड्डी पर जमकर बरसे

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राजनीति इन दिनों कथित फोन टैपिंग के मामले को लेकर उबाल पर है। पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) को जांच एजेंसी एसआईटी की ओर से नोटिस जारी किया गया। इसके बाद अब देर रात को घर के गेट पर नोटिस चिपकाने को लेकर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव भड़के हुए नजर आए हैं। उन्होंने एक्स पर चस्पा का एक वीडियो पोस्ट करते हुए रेवंत रेड्डी को जमकर घेरा। अपने पोस्ट में केटीआर काफी आक्रामक नजर। उन्होंने सीएम रेवंत रेड्डी से सवाल पूछते हुए कहा कि 'तेलंगाना के निर्माता, विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के प्रति यह घटिया रवैया क्या है, रेवंत रेड्डी जी? जब केसीआर जी ने खुद आपकी पुलिस को अपने घर का पूरा पता बता दिया था, उसके बाद भी रात में ऐसे घर पर जाना जहां वह मौजूद नहीं थे, गेट पर नोटिस चिपकाना और उससे अजीब सी खुशी महसूस करना शर्मनाक है। अगर यह घमंड नहीं है, तो और क्या है?'

'जब समय आएगा, तब...', केटीआर की चुनौती

केटी रामा राव ने आगे कहा, 'पुलिस तो उस नियम का भी उल्लंघन कर रही है कि 65 साल से अधिक उम्र के लोगों से उनके घर पर ही पूछताछ की जानी चाहिए। क्या आपकी पुलिस को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की कोई समझ है? या उनका एकमात्र काम आपके हाथों की कठपुतली बनकर विपक्षी नेताओं को परेशान करना है?

हो सकता है आपको कानून, न्याय या सच्चाई के लिए कोई सम्मान न हो, लेकिन हमें उन पर पूरा भरोसा है। हम इन सभी गैर-कानूनी मामलों का पर्दाफाश करेंगे। हम आपकी हर गलत हरकत को तेलंगाना के लोगों के सामने लाएंगे। लोग देख रहे हैं कि आप कितनी दादागिरी कर रहे हैं।

बंगाल एसआईआर : चुनाव आयोग की चेतावनी

> दस्तावेजों को गलत तरीके से अपलोड करना गंभीर अपराध

कोलकाता, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने चेतावनी दी है कि पश्चिम बंगाल में ड्राफ्ट मतदाता सूची पर दावों और आपत्तियों की सुनवाई के दौरान बिना लिस्ट वाले पहचान दस्तावेजों को लिस्टेड दस्तावेजों के तौर पर क्लियर करने और अपलोड करने को इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) और असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (एईआरओ) की 'गंभीर और जानबूझकर की गई' गलती माना जाएगा।

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के ऑफिस के सूत्रों ने बताया कि आयोग की ओर से सुनवाई सेशन की निगरानी के लिए नियुक्त माइक्रो-ऑब्जर्वर पहले ही 'गंभीर और जानबूझकर की गई' गलतियों के कुछ मामलों को सामने लाया है। सूत्रों के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि ऐसे मामलों में आयोग सबसे पहले संबंधित ईआरओ और एईआरओ से लिखित स्पष्टीकरण मांगेगा कि उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए? अगर कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो आयोग संबंधित ईआरओ या एईआरओ के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगा, जिसमें सेवा से सस्पेंशन और एफआईआर दर्ज करना शामिल हो सकता है। अधिकारी ने कोलकाता के एक मामले का हवाला देते हुए अपराध की प्रकृति को समझाया। उन्होंने कहा, एक खास वोटर के मामले में संबंधित ईआरओ ने मतदाता की ओर से पेश किए गए सहायक पहचान दस्तावेज के रूप में पासपोर्ट का उल्लेख किया।

'मेरी एक ही पार्टी है कांग्रेस'

शशि थरूर बोले-केरल चुनाव में पूरी ताकत से करूंगा प्रचार

तिरुवनंतपुरम, 31 जनवरी (एजेंसियां)। अपनी पार्टी से नाराजगी व मतभेद की खबरों के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर साफ-साफ कह दिया कि वे पार्टी छोड़कर कहीं नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी केरल विधानसभा चुनाव में सिर्फ अपनी पार्टी कांग्रेस और यूडीएफ की जीत चाहते हैं और खुद भी इसके लिए प्रचार करेंगे।

जीत के लिए करूंगा प्रचार

तिरुवनंतपुरम में शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए थरूर ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी एकमात्र इच्छा केरल में होने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी और यूडीएफ गठबंधन की जीत देखना है। उन्होंने यह भी कहा कि वह पार्टी और गठबंधन की जीत के लिए प्रचार करेंगे।

थरूर ने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी केवल एक ही पार्टी है, और वह है कांग्रेस। यह सवाल बार-बार न पूछा जाए। इससे पहले शुक्रवार को भी उन्होंने साफ किया था कि वह कांग्रेस में ही रहेंगे और कहीं नहीं जा रहे हैं। गुरुवार को शशि थरूर ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात की थी। इस बैठक का उद्देश्य उनके उन गिले-शिकवों को दूर करना था, जो पिछले कुछ समय से केरल कांग्रेस के भीतर उन्हें दरकिनार किए जाने की खबरों के बाद उपजे थे। कोच्चि में एक कार्यक्रम के दौरान उनके साथ हुए व्यवहार से थरूर आहत थे, लेकिन आलाकमान से बातचीत के बाद उन्होंने कहा कि सब कुछ ठीक है और हम सभी एक साथ हैं।

कांग्रेस के लिए अहम है चुनाव

केरल विधानसभा चुनाव कांग्रेस के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। पार्टी 10 साल से विपक्ष में है और इस बार सत्ता में वापसी की पूरी कोशिश कर रही है। ऐसे में थरूर जैसे बड़े नेता का चुनाव प्रचार में सक्रिय रहना पार्टी के लिए काफी अहमियत रखता है।

केरल हाईकोर्ट का अहम फैसला

मेडिकल तरीके से गिराया जा सकेगा 31 हफ्ते का भ्रूण, अदालत ने इन आधारों पर दी अनुमति

कोच्चि, 31 जनवरी (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने एक दंपती राहत दी है। कोर्ट ने उनके 31 हफ्ते से अधिक समय के भ्रूण का चिकित्सकीय गर्भपात कराने की अनुमति दी। यह भ्रूण दिमाग और सिर से जुड़ी जन्मजात गंभीर विकृतियों से पीड़ित है।

मेडिकल बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में क्या कहा?

जस्टिस शोभा अन्नम्मा ईप्पन ने मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर गर्भपात की इजाजत दी। बोर्ड ने राय दी थी कि अगर बच्चे का जन्म होता है तो वह गंभीर शारीरिक विकृतियों से ग्रस्त होगा। मेडिकल बोर्ड ने यह भी कहा कि गर्भावस्था को आगे बढ़ाना महिला के मानसिक स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है। कोर्ट ने मामले के तथ्यों, रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री, इस विषय से जुड़े स्थापित कानूनी सिद्धांतों और मेडिकल बोर्ड की सिफारिशों पर विचार किया। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी गई, तो इससे केवल नतीजे में देरी होगी और परिवार की तकलीफ और बढ़ेगी। कोर्ट ने कोट्टायम मेडिकल कॉलेज को गर्भपात कराने का निर्देश दिया। कोर्ट ने मेडिकल कॉलेज को तुरंत एक मेडिकल टीम गठित करने और प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा। कोर्ट ने कहा, मेडिकल टीम अपने विवेक और सर्वोत्तम निर्णय के अनुसार चिकित्सा विज्ञान में सुझाई गई सबसे उचित प्रक्रिया अपनाएगी, ताकि गर्भपात किया जा सके और पहली याचिकाकर्ता (महिला) की जान बचाई जा सके।

पहले मानवरहित 'गगनयान' मिशन की तैयारी तेज

> इसरो चीफ ने दिया बड़ा अपडेट

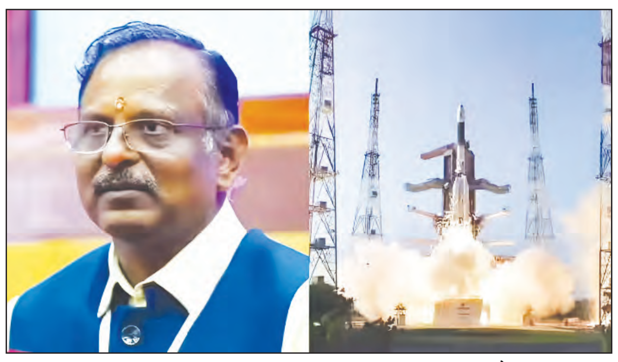

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा है कि इसरो 2027 में निर्धारित अपने महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन के पहले मानवरहित मिशन की दिशा में काम कर रहा है।

गगनयान मिशन भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम है जिस पर वर्तमान में कार्य जारी है। इसका उद्देश्य तीन सदस्यीय दल को तीन दिवसीय अंतरिक्ष मिशन पर भेजना और उन्हें सुरक्षित रूप से धरती पर वापस लाना है।

कब शुरू होगा गगनयान कार्यक्रम

उन्होंने शुक्रवार देर रात पत्रकारों से कहा कि गगनयान कार्यक्रम 2027 में शुरू करने की योजना है। इससे पहले तीन मानवरहित मिशन की योजना बनाई गई है। हम पहले मानवरहित मिशन की दिशा में काम कर रहे हैं। नारायणन ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि वर्तमान में वैज्ञानिक इस मिशन की सफलता के लिए कई परीक्षण करने में लगे हुए हैं।

गगनयान मिशन के लिए परीक्षण जारी

इसरो अध्यक्ष ने कहा कि कई परीक्षण जारी हैं। आप जानते हैं कि गगनयात्रा की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए हमें बहुत सावधानी बरतनी होगी। हमें हर प्रणाली की गुणवत्ता की जांच करनी होगी। रॉकेट प्रणाली में हमें शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे। उन्होंने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य (गगनयान की सफलता) है। हमें इसे बेहतरीन तरीके से करना है। हम उसी दिशा में काम कर रहे हैं।

हर चीज का कर रहे हैं अध्ययन

पीएसएलवी-सी62 मिशन के बारे में उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक मिशन में हर चीज का अध्ययन कर रहे हैं ताकि सबकुछ ठीक तरीके से किया जा सके।

12 जनवरी को प्रक्षेपण के बाद रॉकेट के तीसरे चरण में एक गड़बड़ी आ गई थी जिसके बाद वैज्ञानिकों ने मिशन का विस्तृत विश्लेषण शुरू कर दिया है।

ऑनलाइन गेमिंग ऐप की आड़ में साइबर फ्रॉड, सरकार ने ब्लॉक कर दिया विंजो ऐप

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। गेमिंग ऐप की आड़ में लोगों के साथ साइबर फ्रॉड करने के आरोप में सरकार ने विंजो ऐप को ब्लॉक कर दिया है। इस ऐप के माध्यम से यूजर के फोन से लोगों को फर्जी एसएमएस भेजकर उनसे पैसा वसूला जा रहा था। जब इसकी जानकारी केंद्रीय गृह मंत्रालय तक भी पहुंची। इसके बाद इस ऐप को ब्लॉक कर दिया गया।

गृह मंत्रालय ने क्यों उठाया ये कदम

अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने एंड्रॉइड ऐप के खिलाफ कई शिकायतें मिलने के बाद यह कार्रवाई की। साइबर फ्रॉड के इस केस में ऐप यूजर अनजाने में साइबर अपराधियों द्वारा चलाए जा रहे एसएमएस धोखाधड़ी नेटवर्क का हिस्सा बन शिकार हो रहे थे।

ऐप का प्रचार करने वाले यूट्यूब वीडियो ब्लॉक

सरकार ने ऐप के नियंत्रण केंद्र को 'ब्लॉक' कर दिया। मामले में 1.53 लाख यूजर वाले चार टेलीग्राम चैनल और ऐप का प्रचार करने वाले 50 से अधिक यूट्यूब वीडियो भी ब्लॉक कर दिए गए हैं।अधिकारियों ने बताया कि एक बार यूजर द्वारा इस ऐप को डाउनलोड कर लिया जाता था। उसके बाद यह साइबर अपराध करने के लिए उपयोगकर्ता के फोन के माध्यम से एसएमएस भेजना शुरू कर देता था। जो की प्रतिदिन 1.53 करोड़ लोगों तक पहुंचते थे। ऐप से मिलने वाले छोटे-छोटे दैनिक भुगतानों के लालच में आकर 1.53 लाख से अधिक उपयोगकर्ता अनजाने में इन साइबर अपराधों का हिस्सा बन गए।

पंजाब में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमराई है : अनिल सरीन

चंडीगढ़, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के मोहाली में एसएसपी ऑफिस के बाहर युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद से पंजाब की भगवंत मान सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। भाजपा नेता अनिल सरीन ने कहा कि पंजाब में लोग सुरक्षित नहीं हैं और हालात बहुत चिंताजनक हैं। कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और पुलिस का डर खत्म हो गया है, जो एक गंभीर चिंता का विषय है। पंजाब पुलिस का जिक्र करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि बहादुर पंजाब पुलिस जिसने कभी आतंकवाद से लड़ाई लड़ी और उसे राज्य से खत्म किया था, अब भगवंत मान की सरकार में बेबस नजर आ रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि एसएसपी ऑफिस के बाहर दिनदहाड़े हत्या की जा रही है। रोजाना पंजाब के किसी न किसी हिस्से में हत्याएं हो रही हैं, रंगदारी की कॉल आ रही है, नहीं दिए जाने पर गोलियां चलाई जाती हैं। भाजपा नेता ने दावा किया कि पंजाब में अंधेरा होने के बाद लोग सुरक्षित नहीं हैं।

कश्मीर के डोलगाम में एनकाउंडर, सुरक्षाबलों का आतंकियों के खिलाफ बड़ा एक्शन

जम्मू, 31 जनवरी (एजेंसियां)। कश्मीर एक बार फिर आतंकवाद विरोधी कार्रवाई के केंद्र में है। जनवरी 2026 में शुरू किया गया ऑपरेशन त्राशी-आई जम्मू क्षेत्र में आतंकियों के खिलाफ सुरक्षा बलों का एक बड़ा और सुनियोजित अभियान माना जा रहा है। इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य किश्तवाड़ जिले और आसपास के पहाड़ी इलाकों में सक्रिय आतंकियों को खत्म करना और उनके नेटवर्क को पूरी तरह कमजोर करना है। वहीं जम्मू कश्मीर जिला के सीमावर्ती गांव चालियारी में शनिवार (31 जनवरी 2026) की सुबह पाकिस्तानी ड्रोन ने भारतीय सीमा में घुसपैठ की बीएसएफ ने 4 राउंड फायर किया। इसके बाद वापस पाक सीमा में लौट गया। वहीं घटना के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।

रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार (31 जनवरी 2026) की सुबह किश्तवाड़ के डोलगाम और चत्रू इलाकों में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुआ। यह इस बात का संकेत है कि खुफिया एजेंसियों की सूचनाओं के आधार पर जमीन पर लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां लंबे समय से इस क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी को लेकर सतर्क थीं।

ऑपरेशन त्राशी-आई की पृष्ठभूमि और शुरुआत

ऑपरेशन त्राशी-आई एक संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभियान है, जिसे भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल मिलकर चला रहे हैं। इस अभियान की शुरुआत जनवरी 2026 में किश्तवाड़ जिले के चत्रू क्षेत्र से हुई थी। यह इलाका पहले भी आतंकी गतिविधियों के लिए संवेदनशील माना जाता रहा है, क्योंकि यहां घने जंगल और ऊंचे पहाड़ आतंकियों को छिपने में मदद करते हैं। खुफिया एजेंसियों को लगातार इनपुट मिल रहे थे कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन, खासतौर पर जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकी, इस इलाके में ठिकाने बनाकर सक्रिय हैं। इन सूचनाओं की पुष्टि के बाद ही ऑपरेशन त्राशी-आई को औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया।

डोलगाम और चत्रू में मुठभेड़ की स्थिति

31 जनवरी 2026 को तड़के डोलगाम क्षेत्र में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच संपर्क हुआ। सेना की ओर से बताया गया कि ऑपरेशन से पहले सभी खुफिया सूचनाओं का गहन विश्लेषण किया गया था। इसके बाद इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की पुष्टि होने पर घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया। मुठभेड़ के बाद पूरे क्षेत्र को सील कर दिया गया है और सर्च ऑपरेशन लगातार जारी है। अभी तक किसी आतंकी के मारे जाने या सुरक्षा बलों को हुए नुकसान को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। व्हाइट नाइट कोर ने साफ किया है कि ऑपरेशन त्राशी-आई अभी जारी है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

ऑपरेशन त्राशी-आई के मकसद

ऑपरेशन त्राशी-आई केवल एक मुठभेड़ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद के खिलाफ एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। इस अभियान का मकसद जंगलों और दुर्गम पहाड़ी इलाकों में छिपे आतंकियों की पहचान कर उन्हें निष्क्रिय करना है। इसके साथ ही आतंकियों को मिलने वाली हथियार सप्लाई, रसद नेटवर्क और स्थानीय सहयोग तंत्र को खत्म करना भी इस ऑपरेशन का अहम लक्ष्य है। सुरक्षा बल उन रास्तों पर भी विशेष ध्यान दे रहे हैं, जिनका इस्तेमाल आतंकी जम्मू क्षेत्र से कश्मीर घाटी में आने-जाने के लिए करते रहे हैं।

कठिन परिस्थितियों में सुरक्षा बलों की रणनीति

किश्तवाड़ का डोलगाम और चत्रू क्षेत्र भौगोलिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण माना जाता है। यहां घने जंगल, ऊंचे पहाड़, सीमित सड़क संपर्क और बदलता मौसम सुरक्षा बलों के लिए बड़ी कठिनाई पैदा करता है। इसके बावजूद ऑपरेशन त्राशी-आई को प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक तकनीक और संसाधनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ड्रोन के जरिए हवाई निगरानी की जा रही है और जमीन पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। सभी यूनिट्स के बीच रियल टाइम कम्युनिकेशन के जरिए तालमेल बनाए रखा जा रहा है, ताकि आतंकियों को किसी भी तरह से बच निकलने का मौका न मिले।

जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद के खिलाफ सख्त संदेश

ऑपरेशन त्राशी-आई को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ एक सख्त और स्पष्ट संदेश के रूप में देखा जा रहा है। हाल के वर्षों में आतंकियों ने दक्षिण कश्मीर के बजाय जम्मू के पहाड़ी जिलों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश की है। इस अभियान के जरिए सुरक्षा बल यह संदेश देना चाहते हैं कि चाहे इलाका कितना ही दुर्गम क्यों न हो, आतंकवाद के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं है।

खाद्य सुरक्षा विभाग का बड़ा एक्शन, दूध पैकेजिंग मशीन सीज, 75 पैकेट दूध जब्त

सतना, 31 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की। बिना वैध लाइसेंस और जरूरी अनुमति के दूध की पैकेजिंग कर रही एक डेयरी पर छापा मारकर विभाग ने मशीन सीज कर दी। पैक किया हुआ दूध भी जब्त कर लिया। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में चलाए जा रहे मिलावट और अवैध खाद्य कारोबार विरोधी अभियान के तहत की गई।

कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से 75 पैकेट पैक दूध जब्त किया साथ ही दूध पैकेजिंग में इस्तेमाल की जा रही मशीन को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया। विभाग ने डेयरी संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए जवाब तलब किया है। उचित दस्तावेज भी मंगवाए गए हैं। सतना खाद्य सुरक्षा टीम ने मौके से दूध, पनीर, खोया और घी सहित कुल छह खाद्य पदार्थों के नमूने भी एकत्र किए।

मनोज तिवारी के नाम से चल रही फर्जी फेसबुक आईडी, बीजेपी सांसद ने दर्ज कराई एफआईआर

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर पूर्वी दिल्ली से सांसद और भोजपुरी सिंगर मनोज तिवारी ने बताया कि उनके नाम और पहचान का इस्तेमाल करके फर्जी फेसबुक आईडी चलाई जा रही है। उन्होंने इस मामले में दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और इसे एक सोची समझी साजिश करार दिया है। उन्होंने नई दिल्ली जिला अंतर्गत साइबर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया है। बीजेपी सांसद ने शनिवार (31 जनवरी) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपने प्रशंसकों और जनता को सचेत किया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका आधिकारिक फेसबुक अकाउंट 'ब्लू टिक' है। फर्जी अकाउंट के जरिए भ्रामक जानकारी फैलाई जा सकती है, जो उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास है। मनोज तिवारी के नाम से चल रहे फर्जी अकाउंट का नाम मनोज तिवारी बीजेपी बताया गया है।

मनोज तिवारी के नाम और फोटो का इस्तेमाल

मनोज तिवारी की तरफ से दर्ज कराई गई शिकायत में फर्जी अकाउंट पर सांसद के नाम, फोटो और वीडियो के अनधिकृत इस्तेमाल की बात सामने आई है। फर्जी फेसबुक आईडी के जरिए जनता को भ्रामक संदेश फैलाए जा रहे थे। बीजेपी सांसद ने कहा कि सोशल मीडिया पर फर्जी पहचान के माध्यम से गतिविधियां कर उनकी सार्वजनिक छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है।

दिल्ली में एक और मर्डर से सनसनी

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर पूर्वी दिल्ली में एक बार फिर दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। शास्त्री पार्क इलाके में शनिवार सुबह एक युवक की हत्या कर दी गई। युवक का शव डीडीए पार्क में मिला है। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया है। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि शनिवार सुबह पुलिस को पार्क में एक शव पड़े होने की जानकारी मिली। मौके पर पुलिस को 25 साल के युवक का लहूलुहान शव मिला।

उसके पास से कोई दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके। क्राइम और फोरेंसिक टीम ने मौके पर जांच कर कुछ साक्ष्य हासिल किए हैं। पुलिस मृत युवक की पहचान के साथ साथ आस पास के सीसीटीवी कैमरे की भी जांच कर आरोपियों की भी पहचान करने में जुट गई है।

एमसीडी ने गिराया कुख्यात लेडी ड्रग माफिया अल्का का अवैध निर्माण, उसके पूरे परिवार पर दर्ज हैं 57 केस

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के द्वारका में ड्रग माफिया के अवैध निर्माण पर पुलिस और एमसीडी ने बड़ी कार्रवाई की है। द्वारका के डाबड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस और नगर निगम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ड्रग माफिया से जुड़े अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई द्वारका के पुलिस डिप्टी कमिश्नर अंकित सिंह के निर्देश पर की गई। बता दें कि नव नियुक्त थाना प्रभारी इंस्पेक्टर गंगा राम मीणा ने पदभार संभालते ही अवैध गतिविधियों पर सख्ती दिखाते हुए ड्रग माफिया से जुड़े अवैध निर्माण की सूचना एमसीडी को दी। इसके बाद मकान संख्या बी-101, पॉकेट-4, जेजे कॉलोनी, उत्तम नगर (बिंदापुर, डाबड़ी) में एमसीडी ने तोड़फोड़ की कार्रवाई की, जिसमें डाबड़ी थाना पुलिस ने सहयोग किया। यह संपत्ति मनोज नागिया की पत्नी अल्का की बताई जा रही है, जो एक कुख्यात अपराधी है।

उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम व एनडीपीएस एक्ट के तहत 28 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसके पति मनोज नागिया का नाम भी 15 से ज्यादा आपराधिक मामलों में जुड़ा हुआ है। उनके परिवार के अन्य सदस्य भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए गए हैं। इसमें मनोज नागिया का दो बेटे और एक बेटी भी शामिल है। उनके बेटे करण पर आबकारी व एनडीपीएस एक्ट के 7 मामले हैं। वहीं, उनके पुत्र गौरव उर्फ गोलू के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट व आर्म्स एक्ट के 4 केस हैं। वहीं, मनोज की बेटी मनीषा पर आबकारी एक्ट के 3 मामले दर्ज हैं। ये सब जोड़ लें तो पूरे परिवार पर कुल 57 केस दर्ज हैं।

गाड़ी पर पुलिस का स्टिकर, हाथ में वॉकी-टॉकी; खुद को आईबी का अधिकारी बताने वाला फर्जी आईपीएस गिरफ्तार

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने एक बेहद शातिर जालसाज को गिरफ्तार किया है। ये खुद को इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) का आईपीएस अधिकारी बताकर लोगों को ठगता था और उन पर रौब झाड़ता था। आरोपी की पहचान विमल भट्ट उर्फ सोनू के रूप में हुई है, जिसे कोर्ट ने काफी समय पहले भगोड़ा घोषित कर दिया था।

डीसीपी (क्राइम ब्रांच) विक्रम सिंह ने बताया कि उनकी टीम को एक गुप्त सूचना मिली थी कि द्वारका साउथ थाने के केस में वांछित अपराधी विमल भट्ट, पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया में आने वाला है। सूचना के आधार पर एसआई मोहित असिवाल और उनकी टीम ने इलाके की घेराबंदी की और दोपहर करीब 3:25 बजे घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया।

भाजपा मंत्रियों की सीट नहीं बदलेगी, कट सकता है टिकट, पार्टी आंकेगी लोकप्रियता

देहरादून, 31 जनवरी (एजेंसियां)। आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा अपने मंत्रियों को उनकी विधानसभा में छवि और काम की कसौटी पर परखेगी। केंद्रीय नेतृत्व उत्तराखंड समेत विभिन्न राज्यों में मंत्रियों की लोकप्रियता आंकेगा। साथ ही ये भी स्पष्ट है कि मंत्रियों को अपनी सीट के अलावा दूसरी सीट पर टिकट नहीं मिलेगा। प्रदेश में ऐसे कई उदाहरण हैं जब विधानसभा चुनाव जीतकर विधायक, मंत्री अगले चुनाव में उस सीट को छोड़कर दूसरी पर लड़ने पहुंच गए। राज्य में कई मंत्री आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इस कवायद में जुट भी गए हैं लेकिन इसकी भनक पार्टी संगठन को भी है। चूंकि जिस सीट को मंत्री छोड़ेंगे, वहां मतदाताओं के सामने गलत संदेश जाता है। वहां नए प्रत्याशी के लिए जीत की राह चुनौतीपूर्ण होती है। जिस नई सीट पर मंत्री चुनाव मैदान में उतरेंगे, वहां पहले से तैयारी कर रहे प्रत्याशियों के बीच रोष पनपने से नुकसान हो सता है। लिहाजा, पार्टी इसको दोहरे नुकसान के तौर पर ले रही है। जानकारी के मुताबिक, संगठन ने स्पष्ट किया है कि जो मंत्री, जिस सीट से जीतकर आया था, अगले चुनाव में भी उसी के बारे में सोचे। साफ है सरकार के मंत्रियों को उनकी विधानसभा क्षेत्र में छवि या उनके मंत्री होने से उस विधानसभा को हुए लाभ की कसौटी पर परखा जाएगा। केंद्रीय नेतृत्व जल्द ही आंतरिक सर्वे शुरू कराने जा रहा है। इसमें ये भी देखा जाएगा कि उन मंत्रियों की लोकप्रियता कितनी है। संगठन के सामने लगातार तीसरी बार सत्ता में कायम रहने की चुनौती है। लिहाजा, पैमाने भी कड़े बनाए जा रहे हैं।

मंत्रियों को अपनी सीट के इतर दूसरी सीट पर पार्टी टिकट नहीं देगी। न केवल मंत्री बल्कि विधायकों के लिए भी अगले विधानसभा चुनाव के रण में उतरने की बड़ी चुनौती है। नए पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन ने वरिष्ठ नेताओं को संदेश दे दिया है कि किसी भी स्तर पर सुस्ती नहीं चलेगी। सालभर के भीतर विधायकों को भी अपना प्रदर्शन सुधारना होगा।

मनीषा मौत मामला: भिवानी के ढाणी लक्ष्मण में हुई पंचायत, गठित की कमेटी

भिवानी (हरियाणा), 31 जनवरी (एजेंसियां)। मनीषा मौत मामले को लेकर शनिवार को गांव ढाणी लक्ष्मण में पंचायत हुई। पंचायत में मौजूद ग्रामीणों ने मनीषा मौत मामले में सीबीआई की अब तक की जांच पर मंथन किया गया और खुलासा नहीं किए जाने पर रोष जताया।

इस मौके पर एक कमेटी का गठन किया गया, जो जल्द ही मुख्यमंत्री से मिलकर इस मामले में खुलासा की मांग करेगी। कमेटी में गांव ढाणी लक्ष्मण के 11 सदस्यों के अलावा आसपास के आठ गांवों से भी दो-दो प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं। पंचायत में मनीषा के पिता संजय ने कहा कि पिछले चार माह से सीबीआई बेटी की मौत की गुत्थी को सुलझाने की जांच कर रही है। सभी रिपोर्ट आने के बाद भी सीबीआई ने अभी तक मनीषा की मौत से पर्दा नहीं उठाया है। जबकि सीबीआई अधिकारी केवल आश्वासन देते आ रहे हैं।

हॉस्टल में पढ़ने वाली आठवीं क्लास की छात्रा बनी मां, दिया बच्ची को जन्म, मच गया हड़कंप

बालाघाट, 31 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बालाघाट से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। यहां हॉस्टल में पढ़ने वाली आठवीं क्लास की छात्रा मां बन गई और उसने बच्ची को जन्म दिया। इस मामले के सामने आने के बाद हॉस्टल में हड़कंप मच गया और लापरवाही बरतने के आरोप में हॉस्टल अधीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। बालाघाट जिला अस्पताल में भर्ती एक साढ़े 13 साल की नाबालिग छात्रा ने बालिका को जन्म दिया है।

छात्रा जिले के गढ़ी थाना अंतर्गत ग्राम परसामऊ रहवासी छात्रावास में पढ़ाई कर रही थी। छात्रावास की एक साढ़े तेरह वर्षीय नाबालिग छात्रा द्वारा एक बच्ची को जन्म देने से हॉस्टल वार्डन और एएनएम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं कि हॉस्टल में रहने वाली बच्ची के प्रेग्नेंट होने की जानकारी दोनों को कैसे नहीं लगी? मिली जानकारी के मुताबिक, यह रहवासी छात्रावास जिला शिक्षा केंद्र के अधीन संचालित होता है। डीपीसी जीपी बर्मन ने इस मामले में हॉस्टल वार्डन और एएनएम की लापरवाही स्वीकार करते हुए बताया कि उन्हें जानकारी में वार्डन ने अवगत कराया कि आठवीं कक्षा में पढ़ रही पीड़ित छात्रा की तबीयत ठीक नहीं रहती थी और वह ज्यादातर समय अपने घर पर ही रहती थी। विगत 13 मार्च को अपने घर गई थी और जुलाई में आई थी।

वह कुछ दिन ही रहती और अपने घर चली जाती थी। उसने परिजनों के साथ पुलिस में जो बयान दिया है उसके मुताबिक, पीड़ित छात्रा के उसी गांव के नाबालिग युवक से संबंध थे। अब उसने बालिका को जन्म दिया है। महिला थाना प्रभारी किरण वरकड़े ने भी डीपीसी के बयान की पुष्टि दूरभाष पर की है। फिलहाल पीड़ित छात्रा और नवजात बच्ची स्वस्थ हैं और जिला चिकित्सालय के ट्रामा सेंटर में भर्ती हैं।

युवक ने बिना किसी जान-पहचान के 3 युवतियों को अलग-अलग जगहों पर मारा चाकू

भोपाल, 31 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोपाल से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने 3 अलग-अलग जगहों पर 3 युवतियों पर चाकू से हमला किया है। हैरानी की बात ये है कि तीनों ही युवतियां,हमलावर युवक को पहले से नहीं जानती हैं। पुलिस भी इस घटना के सामने आने के बाद हैरान है कि आखिर बिना किसी पूर्व जान-पहचान के तो किसी विवाद की भी गुंजाइश नहीं है। फिर भी युवक ने 3 युवतियों पर चाकू से हमला क्यों किया? ये एक बड़ा सवाल है। भोपाल में सनसनीखेज वारदात हुई है।

एक अज्ञात युवक ने तीन अलग-अलग युवतियों को चाकू मारा है। देर रात नकाब बांधे आए बदमाश ने युवतियों को चाकू मारे हैं। दो युवतियों को पिपलानी में और एक युवती को अयोध्या नगर में चाकू मारा गया है। तीनों युवतियां 19 से 21 साल की बताई जा रही हैं। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

एनएससीबी मेडिकल कॉलेज में रैगिंग पर बड़ा एक्शन, एमबीबीएस के 8 छात्र निलंबित

जबलपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने रैगिंग के एक गंभीर मामले में बड़ी और सख्त कार्रवाई की है। इसके चलते एमबीबीएस के आठ छात्रों को दंडित किया गया है। यह कार्रवाई मेडिकल कॉलेज की एंटी-रैगिंग समिति की अनुशंसा पर की गई है। सभी दंडित छात्र एमबीबीएस बैच 2023 के हैं और कॉलेज हॉस्टल में रैगिंग गतिविधियों में संलिप्त पाए गए। इसके बाद यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। मामला तब सामने आया जब एमबीबीएस 2024 बैच के प्रथम वर्ष के एक छात्र ने कॉलेज प्रबंधन से शिकायत की। शिकायत में छात्र ने आरोप लगाया कि हॉस्टल में उसके साथ मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना की गई। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कॉलेज प्रशासन ने तुरंत एंटी-रैगिंग कमेटी को सूचित किया और जांच के निर्देश दिए। जांच के दौरान संबंधित छात्रों को समिति के समक्ष उपस्थित किया गया। जांच में यह तथ्य सामने आया कि कॉलेज हॉस्टल में रैगिंग की घटना वास्तव में हुई है और आठ छात्र इसमें दोषी पाए गए।

राफेल फाइटर जेट से भी बड़ी डिफेंस डील

ऐसा ब्रह्मास्त्र जो दुश्मन को नजर नहीं आएगा, पर पानी में लगा देगा आग

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और जर्मनी के बीच करीब 8 अरब डॉलर (लगभग 70,000 से 72,000 करोड़ रुपये) के प्रोजेक्ट-75(आई) पनडुब्बी निर्माण समझौते पर मार्च के अंत तक हस्ताक्षर होने की संभावना है। यह सबमरीन डील अब तक का भारत का सबसे बड़ा रक्षा सौदा बन सकता है और दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। बातचीत अंतिम चरण में पहुंच चुकी है।

सूत्रों के मुताबिक इसे हाल ही में जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की जनवरी में भारत यात्रा के दौरान निर्णायक गति मिली। प्रोजेक्ट-75 इंडिया (पी-75आई) का उद्देश्य इंडियन नेवी के पुराने हो चुके पारंपरिक पनडुब्बी बेड़े को आधुनिक बनाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा एवं डेटरेंस कैपेबिलिटी (प्रतिरोध की क्षमता) को मजबूत करना है। ऐसे समय में जब चीन और पाकिस्तान हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी नौसैनिक मौजूदगी बढ़ा रहे हैं, भारत के लिए अल्ट्रा मॉडर्न

सबमरीन की तैनाती रणनीतिक रूप से बेहद अहम मानी जा रही है। पी-75आई प्रोजेक्ट के तहत छह उन्नत पारंपरिक डीजल-इलेक्ट्रिक अटैक सबमरीन का निर्माण किया जाएगा। शॉर्टलिस्ट किए गए टाइप-214 नेक्स्ट जेनरेशन सबमरीन फ्यूल सेल आधारित एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) तकनीक से लैस होंगी, जिससे वे कई हफ्तों तक बिना सतह पर आए समुद्र के भीतर रह सकती हैं।

इससे उनकी पहचान और ट्रैकिंग का जोखिम काफी कम हो जाता है और नौसेना की सीक्रेट ऑपरेशन क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होती है। चीन और पाकिस्तान ने खासतौर पर अरब सागर के साथ ही हिन्द महासागर क्षेत्र में अपनी गतिविधियों को काफी बढ़ावा दिया है। इससे भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए नई चुनौतियां पेश होने लगी हैं। यही वजह है कि भारत सबमरीन फ्लीट को अपग्रेड करने के साथ ही उसे बढ़ा भी रहा है।

इस परियोजना में जर्मनी की थाइसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स (टीकेएमएस) के साथ साझेदारी में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) देश में ही इन पनडुब्बियों का निर्माण करेगी। 'रिपोर्ट के अनुसार, रणनीतिक साझेदारी मॉडल के तहत 45 से 60 प्रतिशत तक स्वदेशीकरण का लक्ष्य रखा गया है, जिससे 'मेक इन इंडिया' पहल को मजबूती मिलेगी। प्रस्तावित समझौते में पनडुब्बी निर्माण से जुड़ी अहम टेक्नोलॉजिकल ट्रांसफर का भी प्रावधान होने की संभावना है, जो भारत की लॉन्ग टर्म रक्षा आत्मनिर्भरता के लिए अहम माना जा रहा है। भारतीय नौसेना के पास फिलहाल करीब एक दर्जन रूसी मूल की पनडुब्बियां और छह फ्रांसीसी निर्मित स्कॉर्पीन श्रेणी की आधुनिक पनडुब्बियां हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि तेजी से बदलते सामरिक हालात और क्षेत्रीय चुनौतियों के मद्देनजर भारत को अपनी पनडुब्बी क्षमता में और विस्तार की जरूरत है।

इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अक्टूबर 2014 में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने प्रोजेक्ट-75(आई) के तहत 6 नई पनडुब्बियों की खरीद को मंजूरी दी थी, जबकि जुलाई 2021 में औपचारिक अनुरोध प्रस्ताव (आरपीएफ) जारी किया गया।

हिमाचल से पंजाब में नशे की खेप पहुंचाने जा रहे पति-पत्नी गिरफ्तार

बिलासपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने हाईवे पर नशे की बड़ी खेप पकड़ी है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान पति-पत्नी से चार किलोग्राम चरस बरामद की है। पति और पत्नी की नशे के कारोबार में संलिप्त थे। घुमारवीं थाना पुलिस ने कीरतपुर-नेरचौक फोरलेन में बलोह टोल प्लाजा के समीप 4.053 किलोग्राम चरस की खेप बरामद की है। पुलिस ने आरोपित पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। जागरण को मिली जानकारी के अनुसार घुमारवीं पुलिस की टीम ने मंडी की ओर से आ रही एक स्विफ्ट डिजायर कार नंबर एचपी-01के-9160 को जांच के लिए रोका। कार पंजाब की ओर जा रही थी। क्यास लगाए जा रहे हैं कि ये लोग पंजाब में नशे की खेप ठिकाने लगाने जा रहे थे। वाहन चालक ने अपना नाम 32 वर्षीय टेक सिंह निवासी गांव रोपा, डाकघर मंगलौर, तहसील बंजार, जिला कुल्लू बताया, जबकि उसके साथ उसकी पत्नी प्रेमलता भी थी। पुलिस द्वारा जब वाहन की गहन तलाशी ली गई तो डिग्गी में रखे एक भूरे रंग के बैग से 4.053 किलो चरस बरामद हुई। इतनी भारी मात्रा में चरस की बरामदगी से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ थाना घुमारवीं में केस दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपितों को हिरासत में लेकर नशा तस्करी के नेटवर्क को लेकर पूछताछ की जा रही है। एसपी बिलासपुर संदीप धवल ने बताया कि पति-पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है

वि चा र

अगर आप अपनी गलतियों से सीख लेते है तो गलतियां आपके लिए सीढी है

अमेरिका से वर्चुअल बैठक की सीएम ने नगर निकाय चुनावों की बनाई रणनीति

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को अमेरिका से ज़ूम के माध्यम से बैठक कर तेलंगाना में होने वाले नगरपालिका चुनावों की रणनीति पर चर्चा की। इस बैठक में टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्रीगण, संसद प्रभारियों, डीसीसी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि बी-फॉर्म केवल उन्हीं उम्मीदवारों को दिए जाएं जो जीतने की क्षमता रखते हों। उन्होंने दो टूक कहा कि व्यक्तिगत जान-पहचान के आधार पर टिकट नहीं दिए जाने चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कैंटोनमेंट और जुबली हिल्स उपचुनावों का उल्लेख करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से सफलता संभव है। उन्होंने सभी नेताओं को एकजुट होकर कार्य करने और नगरपालिका चुनावों में जीत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उम्मीदवारों के चयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने पर उन्होंने जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को ऐसे उम्मीदवार उतारने चाहिए जो बीआरएस और भाजपा प्रत्याशियों को कड़ी टक्कर दे सकें। उन्होंने कहा कि हर वार्ड और हर डिवीजन महत्वपूर्ण है। बागी उम्मीदवारों पर नियंत्रण रखने और समन्वय के साथ काम करने की भी उन्होंने सलाह दी। रेवंत रेड्डी ने फिलहाल चेयरपर्सन और मेयर पदों की घोषणा न करने का निर्देश देते हुए कहा कि इन पदों का चयन सामाजिक समीकरणों के आधार पर किया जाएगा। बैठक के दौरान टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने नगर निकाय चुनावों से संबंधित सर्वे रिपोर्ट मुख्यमंत्री को प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के लिए 90 प्रतिशत सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया। साथ ही बागी उम्मीदवारों की संभावना को कम करने के लिए आवश्यक उपायों पर भी मार्गदर्शन दिया। मुख्यमंत्री 3 फरवरी से चुनाव प्रचार में हिस्सा लेंगे।

हार्वर्ड दौरा संपन्न, मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय प्रतिनिधिमंडलों से की मुलाकात

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अमेरिका के मैसाचुसेट्स राज्य के कैम्ब्रिज–बोस्टन स्थित हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में अपने कार्यक्रमों के अंतिम दिन विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों, छात्र समूहों और पूर्व छात्रों (एलुमनाई) से मुलाकात की। इस दौरान हार्वर्ड के विभिन्न स्कूलों के छात्रों के अलावा एमआईटी और कोलंबिया विश्वविद्यालय के छात्र एवं पूर्व छात्र भी शामिल हुए। छात्रों और एलुमनाई ने मुख्यमंत्री से नेतृत्व, सफलता, आर्थिक विकास मॉडल, सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण तथा किसानों, महिलाओं और युवाओं के केंद्रित कल्याण जैसे विषयों पर संवाद किया। मुख्यमंत्री ने अपनी दूरदृष्टि 'तेलंगाना राइजिंग–2047, इससे जुड़ी चुनौतियों और अवसरों के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि यह विजन सभी वर्गों के सशक्तिकरण के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। जब कुछ छात्रों ने उनसे नेतृत्व और विजन सिखाने का अनुरोध किया, तो मुख्यमंत्री ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि हार्वर्ड के प्रतिष्ठित प्रोफेसर ही यह काम बेहतर ढंग से कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वे प्रोफेसर बनने का ढोंग नहीं करना चाहते, बल्कि आपसी संवाद और सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को अधिक महत्व देते हैं। भारत के भविष्य को लेकर आशावादी दृष्टिकोण साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना और हैदराबाद देश के लिए उदाहरण बनकर उभर रहे हैं। उन्होंने छात्रों से भारत से जुड़े रहने और तेलंगाना राइजिंग के ब्रांड एंबेसडर बनने का आह्वान किया। कई छात्रों ने तेलंगाना के विकास में योगदान देने का आश्वासन भी दिया।

चंद्रशेखर राव ने पुलिस के दोहरे मापदंडों का लगाया आरोप

नोटिस को बताया अवैध

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को पुलिस के दोहरे मापदंडों का पर्दाफाश किया और कहा कि फोन टैपिंग मामले के संबंध में उन्हें जारी नोटिस अवैध और अधिकार क्षेत्र से बाहर था। उन्होंने यह भी कहा कि नोटिस तामील करने का तरीका दंड प्रक्रिया संहिता, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

सहायक पुलिस आयुक्त (जुबली हिल्स डिवीजन) को लिखे पत्र में राव ने बताया कि उनकी उम्र 65 वर्ष से अधिक है और वे सिद्दिपेट जिले के एर्रावल्ली में रहते हैं, इसलिए उनका बयान केवल उनके निवास स्थान पर दर्ज किया जा सकता है।

उन्होंने पुलिस पर नियमों का चयनात्मक अनुप्रयोग करने और पूर्व मंत्री टी हरीश राव के मामले में अलग व्यवहार करने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि 30 जनवरी का नोटिस अवैध था और इसे नजरअंदाज किया जा सकता है, लेकिन जिम्मेदार नागरिक होने के नाते उन्होंने रविवार को नंदी नगर स्थित आवास पर पूछताछ के लिए उपस्थित होने का निर्णय लिया।

युवा नेता राष्ट्र निर्माण की नींव : राज्यपाल

आई-विजन यूथ पार्लियामेंट–2025 का ग्रैंड फिनाले आयोजित

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स स्थित बीजेआर भवन में आई-विजन यूथ पार्लियामेंट–2025 का ग्रैंड फिनाले आयोजित किया गया। यह अभिनव नागरिक शिक्षा कार्यक्रम जिला प्रशासन, हैदराबाद के मार्गदर्शन में जिला शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा मुख्य अतिथि तथा परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें युवा परिवर्तनकर्ता, भावी नेता और राजनयिक बताया।

उन्होंने कहा कि संसद और विधानसभाएं लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्थाएं हैं, जो देश और राज्य की दिशा तय करती हैं। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप अनुभवात्मक शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए छात्रों द्वारा तैयार किए गए व्हाइट पेपर की सराहना की और इसे भविष्य के प्रति वर्तमान की अपेक्षाओं को दर्शाने वाला महत्वाकांक्षी दस्तावेज बताया।

राज्यपाल ने छात्राओं की मजबूत भागीदारी की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण भारत में एक शांत लेकिन परिवर्तनकारी लोकतांत्रिक क्रांति बन चुका है। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किए। परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने और राजनीति की गुणवत्ता सुधारने में युवाओं की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है उन्होंने छात्र राजनीति से सार्वजनिक जीवन तक की अपनी यात्रा को याद करते हुए कहा कि शिक्षित और जागरूक युवाओं को लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़ना चाहिए। उन्होंने यूथ पार्लियामेंट, मॉक असेंबली और मॉडल यूनाइटेड नेशंस जैसे कार्यक्रमों को भविष्य के जिम्मेदार नेतृत्व के निर्माण में सहायक बताया। कार्यक्रम का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी रोहिणी के नेतृत्व में किया गया। इसमें इक्षाना समूह की ओर से अंजलि गुप्ता और अंकुर गुप्ता तथा रोटरी लेक डिस्ट्रिक्ट की ओर से रोटेरियन सुनील सराफ और राजशेखर ने सहयोग किया।

भारत पर्व में आंध्र प्रदेश की शानदार प्रस्तुति, कुचिपुड़ी नृत्य ने मोहा मन

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में आयोजित भारत पर्व–2026 में आंध्र प्रदेश दिवस को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राज्य की समृद्ध कला, संस्कृति और पर्यटन विरासत को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा गणतंत्र दिवस समारोहों के तहत आयोजित भारत पर्व, एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना के अनुरूप राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की संस्कृति, पर्यटन, व्यंजन, हथकरघा और विरासत को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करता है। भारत पर्व में आंध्र प्रदेश पवेलियन प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा। यहां थीम आधारित पर्यटन प्रदर्शनी, पारंपरिक व्यंजनों का फूड कोर्ट और उत्कृष्ट हथकरघा प्रदर्शनी लगाई गई। आगंतुकों को राज्य की ऐतिहासिक विरासत, कलात्मक परंपराओं और रचनात्मक उत्कृष्टता की झलक देखने को मिली। आंध्र प्रदेश दिवस का मुख्य आकर्षण 46 प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भव्य कुचिपुड़ी शास्त्रीय नृत्य रहा। इस प्रस्तुति ने आंध्र प्रदेश की शास्त्रीय नृत्य परंपरा की गरिमा, सौंदर्य और आध्यात्मिक गहराई को जीवंत कर दिया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

फलकनुमा में जुआघर पर छापा, 6 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फलकनुमा पुलिस ने जुआ खेलने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक जुआघर पर छापा मारकर छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 9,960 रुपये नकद, ताश के पत्ते और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, फातिमानगर इलाके में एक घर में जुआ खेले जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा, जहां मोहम्मद बाबा, मोहम्मद चंद, खादर अली, मोहम्मद महबूब, चंद पाशा और शेख रशीद को ताश के पत्तों पर जुआ खेलते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ टीएस गेमिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच जारी है।

नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने कहा कि 11 फरवरी को होने वाले नगरपालिका चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करना चाहिए।

शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने चुनाव पर्यवेक्षक मयंक मित्तल के साथ शादनगर नगरपालिका कार्यालय का दौरा कर नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नामांकन जांच की प्रक्रिया के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली और किसी भी प्रकार की त्रुटि से बचने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। कलेक्टर ने नगर आयुक्त सुनीता रेड्डी को नगर चुनावों से संबंधित व्यवस्थाओं, चुनाव सामग्री, फर्नीचर और स्टेशनरी की जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वयं नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा स्ट्रांग रूम और मतगणना कक्ष का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को चुनाव प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश देते हुए कड़ी मेहनत और सतर्कता के साथ कार्य करने को कहा। अधिकारियों ने कलेक्टर को 13 फरवरी को होने वाली मतगणना और परिणाम वितरण की तैयारियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। इस अवसर पर शादनगर की आरडीओ सरिता, तहसीलदार नागैया, विशेष अधिकारी रामा राव, एस. हरीश सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अवकाश प्राप्त पुलिसकर्मियों को पेंशन पेपर सौंपे गए

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस कमिश्नर डॉ. एम. रमेश, एडमिन डीसीपी टी. अन्नपूर्णा ने चार रिटायर्ड पुलिस कर्मियों को माला और शॉल पहनाकर सम्मानित किया और उन्हें विदाई दी। बाद में, रिटायर्ड कर्मियों को पेंशन पेपर सौंपे गए। आज रिटायर होने वालों में राजेंद्रनगर ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के एसआई विट्ठल जाधव, केपीएचबी पुलिस स्टेशन के एसआई सैयद नजीर मिया, चंदननगर पुलिस स्टेशन के एसआई एन. किश्तैया, मैलारदेवपल्ली पुलिस स्टेशन के एएसआई मोहम्मद अयूब खान शामिल हैं। रिटायर्ड अधिकारियों के परिवार के सदस्यों और सहकर्मियों ने इसमें हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को एक आध्यात्मिक उत्सव बना दिया। रिटायर्ड कर्मियों ने डिपार्टमेंट के साथ अपने कीमती अनुभव शेयर किए। इस मौके पर बोलते हुए, साइबराबाद सीपी ने रिटायर हो रहे अधिकारियों को अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ खुशी से समय बिताने की सलाह दी। उन्होंने खास तौर पर पुलिस परिवार के सदस्यों के त्याग की सराहना की जो अपनी ड्यूटी निभाते समय उनके साथ खड़े रहे। उन्होंने रिटायर हो रहे सभी अधिकारियों को पुलिस डिपार्टमेंट में लंबे समय तक सेवा करने और कई लोगों के साथ न्याय करने की संतुष्टि की शुभकामनाएं दीं। सीपी ने उनसे रिटायरमेंट के बाद भी कम्युनिटी सर्विस में शामिल रहने और जब भी पुलिस डिपार्टमेंट को उनकी ज़रूरत हो, अपने कीमती अनुभव शेयर करने को कहा। इस अवसर पर एडमिन डीसीपी टी. अन्नपूर्णा, कार हेडक्वार्टर डीसीपी संजीव, कार हेडक्वार्टर एडीसीपी शमीर, एओ एडमिन ज्योति मणि, एएओ अकाउंट्स श्रीनिवास राव, एस्टेट ऑफिसर आरआई हिमाकर, साइबराबाद पुलिस कोऑपरेटिव सोसाइटी इंचार्ज जी. मल्लेशम और अन्य उपस्थित रहे।

बीआरएस ने केसीआर को नोटिस पर प्रदर्शन और रैलियों का किया ऐलान

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने रविवार को राज्य भर में प्रदर्शन और रैलियां आयोजित करने का निर्णय लिया है, जो चंद्रशेखर राव को कथित फोन टैपिंग मामले में भेजे गए नोटिस के विरोध में किया जाएगा। बीआरएस ने शुक्रवार रात नंदी नगर स्थित राव के आवास पर एसआईटी द्वारा नोटिस चिपकाए जाने पर गंभीर आपत्ति जताई थी। बीआरएस उपसभापति तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना आंदोलन का नेतृत्व किया और राज्य के गठन के लिए आमरण अनशन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार राजनीतिक उद्देश्यों से पूर्व मुख्यमंत्री को परेशान कर रही है। उन्होंने बताया कि राव ने जांच में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया था, लेकिन एसआईटी अधिकारियों ने जानबूझकर नोटिस नंदी नगर स्थित आवास पर चिपकाया।

CLASSIFIEDS

PASSPORT LOST

I, PUNIT PALIWAL, S/o. Sri. Hari Kumar Paliwal, R/o. Flat No. P51, Ved Vihar AWHO Colony, Subash Nagar, M D F Road, Trimulgherry, Hyd-500015, TG., I Lost my expired old Passport (bearing No. A9468458) on 05-01-2025 in my home while cleaning. if any found call me on 9963392929.

वधू चहिए

हैदराबाद, लंगर हाउस के 37 वर्षीय उच्च शिक्षित, सुन्दर, सुशील व सम्पन्न परिवार के लड़के कोहिन्दी भाषी, शुद्ध शाकाहारी, मध्यम वर्गीय परिवार की (तलाकशुदा भी चलेगी) वधू की आवश्यकता है। संपर्क करें - 9618518007, 7799578717.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

तेलंगाना में बंदरों का बढ़ा आतंक

निर्मल का पुनर्वास केंद्र संसाधनों की कमी से जूझ रहा

आदिलाबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के शहरी और ग्रामीण इलाकों में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है।

इस समस्या से निपटने के लिए निर्मल जिले में स्थापित राज्य का पहला और एकमात्र बंदर पुनर्वास केंद्र (एमआरसी) अहम भूमिका निभा रहा है, लेकिन यह केंद्र धन की कमी और भारी कार्यभार जैसी कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह पुनर्वास केंद्र निर्मल कस्बे के बाहरी इलाके चिंचोली गांव में स्थित शहरी वन पार्क परिसर में बनाया गया है।

इसकी स्थापना वर्ष 2020 में करीब 2.25 करोड़ रुपये की लागत से की गई थी। हिमाचल प्रदेश के बाद यह देश का दूसरा ऐसा केंद्र है, जिसका संचालन वन विभाग करता है।

केंद्र में एक पशु चिकित्सक, एक सहायक, चार सहयोगी कर्मचारी और एक डाटा एंट्री ऑपरेटर कार्यरत हैं। यहां हर महीने औसतन 100 से 150 बंदरों की नसबंदी की जा रही है। वन अधिकारियों के अनुसार, शहरी वन पार्क से होने वाली सालाना लगभग 15 लाख रुपये की आय इस केंद्र के संचालन के लिए आवंटित की जाती है। सारंगापुर मंडल के पशु चिकित्सालय में कार्यरत एक पशु चिकित्सक और जगतियाल जिले से एक सहायक को यहां बंदरों की गर्भनिरोधक सर्जरी के लिए तैनात किया गया है। वहीं, नेल्लोर और आंध्र प्रदेश के अन्य हिस्सों से पेशेवर बंदर पकड़ने वालों की मदद से कस्बों और गांवों से बंदरों को पकड़ा जा रहा है।

वन अधिकारियों का कहना है कि केंद्र बंदरों की सफलतापूर्वक सर्जरी कर समस्या को नियंत्रित करने में योगदान दे रहा है, लेकिन इसे पूरी तरह काबू में करने के लिए पर्याप्त धन की जरूरत है। नसबंदी, इलाज, देखभाल, भोजन, परिवहन और बंदरों को जंगल में छोड़ने जैसे कार्यों पर भारी खर्च आता है।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि यह तेलंगाना का एकमात्र ऐसा केंद्र होने के कारण यहां काम का दबाव काफी अधिक है। निर्मल के अलावा जगतियाल, आदिलाबाद, निजामाबाद, मंचेरियल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों से पकड़े गए बंदरों को भी इसी केंद्र में लाया जा रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि वर्ष 2022 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची-दो से बंदरों को हटाए जाने के बाद प्रत्येक जिला मुख्यालय में ऐसे ही बचाव और पुनर्वास केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं। इसके साथ ही स्वयं सहायता समूहों, स्वयंसेवी संगठनों और युवाओं की मदद लेकर राज्य भर में बंदरों की समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

मंदिर से हुंडिया चोरी का प्रयास, आरोपी फरार

आदिलाबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले के जैनथ मंडल मुख्यालय स्थित प्राचीन श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी देवस्थानम और एक उप-मंदिर में शुक्रवार देर रात अज्ञात व्यक्तियों ने हुंडिया चोरी करने का प्रयास किया। हालांकि, वे अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सके और मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, रात करीब 1:30 से 2 बजे के बीच आरोपियों ने शिवालय और प्रसिद्ध श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए प्रसाद से भरी हुंडिया को उठाने की कोशिश की। किसी कारणवश हुंडिया को ले जाने में असफल रहने पर उपद्रवियों ने उसे मंदिर परिसर में ही फेंक दिया और भाग निकले। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय निवासियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की हैं और मंदिर परिसर व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

किसानों का धरना, मध्य मनैर नहर से तत्काल पानी की मांग

करीमनगर, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर जिले के सैदापुर मंडल अंतर्गत दुद्देनापल्ली गांव में शनिवार को किसानों ने खड़ी फसलों को पानी उपलब्ध कराने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया। किसानों ने मध्य मनैर नहर से तुरंत जल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। बीआरएस के तत्वावधान में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में किसानों ने नहर में जमा गाद हटाने और पानी छोड़ने की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ नारे लगाए। किसानों ने बताया कि आमतौर पर दुद्देनापल्ली से गुज्जुलापल्ली तक एमएमडी की दाहिनी नहर के माध्यम से पानी पहुंचाया जाता है, जिससे एकलासपुर, वेंकेपल्ली और सैदापुर गांवों की फसलों को लाभ मिलता है।

उन्होंने कहा कि यासांगी मौसम में किसान सिंचाई के लिए पूरी तरह नहर पर निर्भर रहते हैं। एमएमडी द्वारा नहर में पानी छोड़ा गया था, लेकिन किनारों पर जमा गाद और कचरे के कारण पानी उनके गांवों तक नहीं पहुंच सका। किसानों का आरोप है कि हर साल दिसंबर महीने में नहर की सफाई की जाती थी, ताकि जल आपूर्ति बाधित न हो, लेकिन इस बार जनवरी समाप्त होने के बावजूद न तो सफाई हुई और न ही मरम्मत का कोई कार्य शुरू किया गया।

किसानों ने बताया कि अधिकांश खेतों में फसल की बुवाई हो चुकी है, जबकि कुछ किसान अभी भी पानी का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर पानी की आपूर्ति नहीं की गई तो 30 से 40 एकड़ में फैली फसलें सूख जाएंगी। किसानों ने साफ कहा कि अगर सरकार ने अगले एक सप्ताह में नहर की सफाई कर पानी नहीं छोड़ा तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

धरने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और किसानों को समझाकर प्रदर्शन समाप्त कराया। धरने में बीआरएस मंडल अध्यक्ष सोमरपुर राजैया, पूर्व सरपंच थातिपल्ली युगेंद्र रेड्डी सहित अन्य किसान और पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए।

3000 खाने के बिल के लिए दो दोस्तों का मर्डर

गाजियाबाद, 31 जनवरी (एजेंसियां)। गाजियाबाद में ढाबे पर दो दोस्तों की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। ढाबे के कर्मचारियों ने वारदात को अंजाम दिया। दोनों युवक अपने तीन और दोस्त के साथ दो बाइकों से ढाबे पर पहुंचे। खाना खाया। आरोप है कि ढाबे के कर्मचारियों ने उनसे 3 हजार का बिल मांगा। इतना बिल सुनते ही युवक भड़क गए। उनकी कर्मचारियों से कहासुनी हो गई। गुस्से में ढाबे के कर्मचारियों ने दोनों युवकों पर चाकू से हमला कर दिया। मारपीट देखकर दोनों युवकों के साथी भाग गए। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। उन्हें देखकर आरोपी भाग गए। लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। घटना खोड़ा इलाके के वैष्णो ढाबे पर देर रात हुई। मृतकों की पहचान सत्यम (25) और श्रीपाल (26) के रूप में हुई है।

नीट छात्रा मौत मामला: सीएम नीतीश कुमार ने की सीबीआई जांच की सिफारिश

पटना, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पटना के शंभू गर्ल्स हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की मौत अब आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या मानी गई है। बिहार सरकार और गृह विभाग के मंत्री सम्राट चौधरी ने 31 जनवरी (शनिवार) की सुबह यह जानकारी दी। राज्य सरकार ने इस मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश केंद्र सरकार से की है। गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि कांड संख्या 14/26 के तहत दर्ज मामले की निष्पक्ष जांच के लिए केंद्र से सीबीआई जांच का आग्रह किया गया है।

सम्राट चौधरी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारत सरकार से पटना में हुए नीट छात्रा की हत्या के मामले (कांड संख्या- 14/26) को सीबीआई से जांच का आग्रह किया है। घटना का पारदर्शी और न्यायपूर्ण तरीके से उद्भेदन निश्चित किया जाए।

'गलत करने वाला पाताल से भी खोजकर निकाला जाएगा'

इस पर बीजेपी के प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने कहा, जहानाबाद की हमारी बेटी के केस को बिहार की सरकार ने सीबीआई को सपना का फैसला कर लिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने और गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने परिजन और समाज के अन्य वर्गों की मांग पर सीबीआई से यह रिक्वेस्ट किया है कि कैसे की जांच जल्द से जल्द करें, जिससे सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने आगे कहा, बिहार की पुलिस और पटना एसआईटी ने जो भी सबूत अभी तक इकट्ठा किए हैं वह सब कुछ केंद्रीय एजेंसी को सौंप दी जाएगी। अगर केंद्रीय एजेंसी चाहेगी तो हम पूरा का पूरा सहयोग करेंगे। हमारा लक्ष्य सिर्फ एक है हमारी बेटी को इंसाफ मिलना चाहिए और इसके लिए हम कृत संकल्प हैं। यह बीजेपी और नीतीश कुमार की सरकार है, यहां गलत करने वाला पाताल से भी खोजकर निकल जाएगा।

जेडीयू प्रवक्ता अभिषेक झा की प्रतिक्रिया

इस पर जेडीयू के प्रवक्ता अभिषेक झा ने कहा, पटना में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की जिस तरह से सभ्यता स्थिति में मौत हुई है वह अति दुखद है दुर्भाग्यपूर्ण है। पीड़ित परिवारजनों का दर्द हम समझ सकते हैं। हम मजबूती से उनके साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस पूरे घटना की सीबीआई जांच की मांग केंद्र सरकार से की है। इस बात की जानकारी उप मुख्यमंत्री बिहार के गृहमंत्री सम्राट चौधरी जी ने ट्वीट करके दी है। नीतीश कुमार की शुरू से नीति रही है क्राइम और क्रिमिनल्स के साथ नो कॉम्प्रोमाइज।।। ना किसी को फंसाना ना किसी को बचाना।

इस मामले का भी पूरा उद्भेदन होगा और इसके पीछे जो कोई भी हो निश्चित रूप से उसे पर कठोरता कार्रवाई होगी। विपक्ष इसे राजनीतिक मुद्दा बना रहे हैं, यदि याद ही करना है तो अपना अतीत याद कीजिए, शिल्पी गौतम हत्याकांड याद कीजिए जिसमें आज तक इंसाफ नहीं मिला है।

टीचर को ढूंढ़ रही सीबीआई, दस लाख के इनाम का ऐलान, महिला दरोगा अंजली को क्यों किया अरेस्ट?

भोजपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के भोजपुर में एक सरकारी टीचर दो साल से ज्यादा समय से लापता है। उसे ढूंढ़ने जुटी सीबीआई की जांच में चौंकाने वाला मोड़ आ गया। शहर भर में जगह-जगह लातपा शख्स के पोस्टर चिपकाए गए और पता बताने वाले को 10 लाख का इनाम देने का ऐलान किया गया। साथ ही उनकी मोटर साइकिल का पता बताने पर भी 1 लाख का इनाम रखा गया। मामले में लखीसराय जिले में तैनात 2019 बैच की दरोगा अंजली कुमारी को भी गिरफ्तार किया गया है। भोजपुर अंतर्गत बड़हरा थाना क्षेत्र के कोल्ह रामपुर गांव के रहने वाले शिक्षक कमलेश राय के अपहरण का मामला अब तक सुलझ नहीं पाया है।

13 जुलाई 2023 से लापता कमलेश राय की तलाश में अब केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) पूरी तरह जुट गई है। परिजनों द्वारा लगातार न्याय की गुहार और कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के बाद इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। जांच के दौरान इस मामले में एक चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। सीबीआई ने लखीसराय जिले में पदस्थापित भोजपुर जिले की महिला दरोगा अंजली कुमारी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद यह मामला और भी संवेदनशील हो गया है।

हालांकि, सीबीआई की ओर से अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि दरोगा अंजली कुमारी की भूमिका किस स्तर तक इस कांड में रही है, लेकिन उनकी गिरफ्तारी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

रिटायर्ड एयरफोर्स अधिकारी को बदमाशों ने गोली मारी रेस्टोरेंट में घुसकर दिया वारदात को अंजाम

लखनऊ, 31 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के लखनऊ से एक बड़ी खबर सामने आई है। लखनऊ में रिटायर्ड एयरफोर्स अधिकारी अवधेश कुमार पाठक को बदमाशों ने गोली मारी है। इस घटना को बदमाशों ने रेस्टोरेंट में घुसकर अंजाम दिया है। रिटायर्ड एयर फोर्स अधिकारी अवधेश कुमार पाठक, पत्नी के साथ शॉपिंग स्क्वायर में रेस्टोरेंट का संचालन कर रहे थे। रेस्टोरेंट में घुसकर बेखौफ बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी। गोली लगने से गंभीर अवस्था में घायल हुए रिटायर्ड एयरफोर्स अधिकारी को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। मामला सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र का है। पवन पटेल ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया था कि रात 1 बजे वो समिट बिल्डिंग के एक क्लब से वापस आ रहे थे। जब वो पार्किंग से गाड़ी निकाल रहे थे तभी एक थार में आकाश यादव, मोहित मेवाड़ी अपने दोस्त के साथ थे। पवन के मुताबिक, थार सवार लोगों ने उनके दोस्त प्रशांत की चेन खींचने की कोशिश की।

जाली नोटों के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

इंडो नेपाल सीमा पर एसएसबी और एसटीएफ के जाल में जानें कैसे फंसे आरोपी?

मधुबनी, 31 जनवरी (एजेंसियां)। नेपाल सीमा पर एसएसबी, एसटीएफ और मधुबनी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में जाली नोट तस्करी का खुलासा हुआ है। टीम ने दो तस्करों को जाली नोटों के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भोगी महतो के पुत्र मुकेश महतो, निवासी गोपालपुर, थाना हरलाखी, जिला मधुबनी तथा चौधरी पंडित के पुत्र सिकिल पंडित के रूप में हुई है। संयुक्त छापेमारी टीम ने आरोपियों के पास से 200 रुपये के 173 जाली नोट, दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है।

इस संबंध में एसपी योगेंद्र कुमार ने बताया कि एसएसबी और एसटीएफ, सीतामढ़ी को गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल से भारत में पिपरौन बॉर्डर के रास्ते जाली नोट लेकर एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से आने वाला है। सूचना के आधार पर हरलाखी थाना पुलिस, एसएसबी और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भारत-नेपाल सीमा पर पिलर संख्या 284/20 से लगभग 200 मीटर भारत की ओर चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान नीले रंग की मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति नेपाल की ओर से ग्राम पिपरौन के रास्ते भारत में प्रवेश करते दिखे। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे, लेकिन टीम ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपनी पहचान मुकेश महतो और सिकिल पंडित के रूप में बताई।

बरामद सभी नोटों का सत्यापन पीएनबी बैंक से कराया गया, जिसमें सभी नोट जाली पाए गए। पुलिस ने मामले में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर दोनों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

नोएडा एयरपोर्ट के 10 किलोमीटर दायरे में मांस की बिक्री पर बैन: उल्लंघन करने पर 1 करोड़ का जुर्माना

नोएडा, 31 जनवरी (एजेंसियां)। जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ानों के सफल संचालन और विमानन सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने एक बेहद महत्वपूर्ण और सख्त फैसला लिया है। एयरपोर्ट के चारों ओर 10 किलोमीटर के दायरे में मांस-मछली की बिक्री, पशु वध और खुले में कूड़ा फेंकने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। भारतीय विमानन कानून और एयरड्रोम सुरक्षा मानकों के अनुसार, एयरपोर्ट के नजदीकी इलाकों में मांस की दुकानें या खुले में कचरा होने से पक्षियों के जमा होने का खतरा रहता है। पक्षियों का विमानों से टकराना एक गंभीर खतरा है, जिससे बड़े विमान हादसे हो सकते हैं। इसी जोखिम को शून्य करने के लिए यह कदम उठाया गया है। द्य सुरक्षा अधिकारी रवींद्र नाथ ने स्पष्ट किया है कि यह प्रतिबंध केवल अवैध दुकानों पर ही नहीं, बल्कि लाइसेंस धारी दुकानों पर भी लागू होगा। 10 किलोमीटर की परिधि में आने वाली कोई भी दुकान अब मांस या मछली का विक्रय नहीं कर सकेगी।

30 अप्रैल तक राम मंदिर का निर्माण होगा पूरा मार्च में श्रद्धालुओं के लिए खुलेंगे सप्त मंदिर

अयोध्या, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राम मंदिर के निर्माण को लेकर अयोध्या से एक बड़ी खबर सामने आई है। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने दो दिवसीय बैठक के दौरान साफ किया कि 30 अप्रैल तक राम मंदिर से जुड़े सभी निर्माण कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि तय समय-सीमा के भीतर काम पूरा करना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में तेजी से काम चल रहा है। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि जैसे ही निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा, निर्माण में लगी प्रमुख एजेंसियां एलएंडटी और टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज अपने इंजीनियरों और श्रमिकों को दूसरी परियोजनाओं में शिफ्ट कर देंगी। इसके साथ ही उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि 30 अप्रैल तक सभी जरूरी कागजात और भुगतान से जुड़े बिलों की प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाए।

3 साल की गारंटी, परिसर में रहेगी तकनीकी टीम

मंदिर निर्माण की गुणवत्ता को लेकर नृपेंद्र मिश्र ने भरोसा दिलाया कि एलएंडटी और टाटा कंसलटेंसी ने तीन साल की गारंटी दी है। इसी वजह से भविष्य में किसी भी तकनीकी समस्या से निपटने के लिए दोनों संस्थाओं की एक छोटी यूनिट मंदिर परिसर में तैनात रहेगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि अगर कहीं कोई दिक्कत आती है, तो उसका तुरंत समाधान किया जा सके।

ऑडिटोरियम ही बचा, लक्ष्य 30 अप्रैल

उन्होंने बताया कि फिलहाल मंदिर परिसर में केवल ऑडिटोरियम का काम शेष है। इसे भी 30 अप्रैल तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। एलएंडटी और टाटा कंसलटेंसी का राज्य निर्माण निगम के साथ जो एग्रीमेंट है, उसे भी जल्द राम मंदिर ट्रस्ट अपने अधीन ले लेगा। खर्च को लेकर जानकारी देते हुए नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि अब तक मंदिर निर्माण पर करीब 1900 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। इनमें से लगभग 1600 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है, जिसमें जीएसटी भी शामिल है। शेष राशि का भुगतान भी तय प्रक्रिया के तहत किया जाएगा।

सऊदी में फंसे अंबेडकरनगर के 161 भारतीय मजदूरों ने वीडियो जारी कर मांगी मदद; भूखे-प्यासे तड़प रहे

अंबेडकरनगर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। सऊदी अरब के अबहा शहर में उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान के 161 मजदूर गंभीर संकट में फंसे हुए हैं। इनमें अंबेडकरनगर जिले के भी नौ मजदूर शामिल हैं। पिछले तीन महीनों से इन मजदूरों को न तो वेतन दिया गया है और न ही पर्याप्त भोजन। दाने-दाने को तरस रहे इन मजदूरों ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर भारत सरकार से वतन वापसी की गुहार लगाई है।

इन मजदूरों में बसखारी ब्लॉक के अमिया वामनपुर गांव के संतोष कुमार, हृदेश कुमार के अलावा फूलबदन निवासी नैपुरा आलापुर, अजय चौहान निवासी जैती जहांगीरगंज, वीरेंद्र कुमार निवासी औरंगाबाद इल्तिफातगंज, विजयपाल निवासी दुर्गापुर करमपुर, विजय बहादुर निवासी खुज्जीपुर जहांगीरगंज, सुरेश निवासी सहिजना हमजापुर आलापुर, सूरजभान निवासी बनगांव आंशिक अकबरपुर शामिल हैं।

बीजेपी विधायक से हुई बहस के सवाल पर मंत्री स्वतंत्र देव सिंह बोले- 'उस पर कोई जवाब नहीं दूंगा'

लखनऊ, 31 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जल जीवन मिशन की समीक्षा करने झांसी पहुंचे, यहां जब पत्रकारों ने उनसे महोबा में हुई घटना को लेकर सवाल पूछे तो वे बिफर अपदे और बोले- "महोबा वाला कोई उत्तर नहीं देना, मेरे साथ कोई घटना नहीं हुई।" स्वतंत्र देव सिंह ने अखिलेश यादव के बयान पर भी प्रतिक्रिया देने से इंकार कर दिया। इस दौरान वे मीडिया के सवालों से बचते नजर आए।

यही नहीं जब उनसे चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत के 20 दिन के सवाल पर पूछा गया, तो वे काफी झल्ला गए। उन्होंने कहा, एक दिन का समय दिया हूं। जबरदस्ती न करें। मंत्री ने जोर देकर कहा कि उनका मुख्य काम जल जीवन मिशन है और वे झांसी के 36 गांवों में जा रहे हैं। कल भी वे इसी मिशन के तहत गए थे। महोबा में जल जीवन मिशन के कार्यों पर उठ रहे सवालों से इनकार करते हुए स्वतंत्र देव सिंह

बोले कि जिलाधिकारी का बयान आ चुका है। मुझे अब कुछ नहीं कहना, उसे देख लें।

बता दें कि युवा उद्घोष कार्यक्रम के बाद कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के काफिले को चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत ने अपने समर्थकों के साथ रोक लिया। उनके साथ 100 से अधिक ग्राम प्रधान भी थे। इस दौरान दोनों में तीखी नोकझोंक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। विधायक ने आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन के तहत खोदी गयीं सड़कें खस्ताहाल हैं। अधिकारियों से शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिस पर 20 दिन में समस्या का निदान करने की आश्वासन दिया गया। सत्ता के मंत्री और विधायक में नोकझोंक का वीडियो पर विपक्ष के साथ लोग सवाल उठा रहे हैं। झांसी पहुंचने पर पत्रकारों ने यही सब सवाल किए तो स्वतंत्र देव सिंह बोले मेरा काम जल जीवन मिशन में काम करना है। वे गांवों का लगातार दौरा कर रहे हैं। अखिलेश यादव की टिपण्णी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

अपने विभाग की उपलब्धि पर बात करते हुए स्वतंत्र देव सिंह बोले- "आज वर्षो के पीड़ा का अंत हुआ है, हर नल में प्रयाप्त पानी और सुरक्षित पानी का सप्लाई होगा। ये योजना बहोत ही महत्वपूर्ण है। जब महिलाये सर पर मटके रख कर पानी का इंतज़ार करती थी, इसलिए इस परियोजना का शुभारम्भ हुआ था।" अंत में सफाई देते हुए कहा कल मैं महोबा गया था। आज झांसी में 36 गांवों को जल सेवा समर्पित करेंगे। यह भूजल का दोहन नहीं है, ये सतही जल है।

महोबा में लोगों से पूछा कि कोई समस्या तो नहीं है, सभी ने बताया कि पानी की नियमित सप्लाई मिल रही है। 37 गांव के लोगो से पूछा था, महोबा में सभी काम हुए है। आगे बोले कि सभी लोगों ने मिलकर एक रिपोर्ट तैयार किया था की ये काम नहीं हुआ। कोई कठिनाई नहीं थी, जनता का काम था विधायक जी जनता का काम लेकर आए थे। ये रोड की जगह कही सर्किट हाउस में मिल लेते जितना शोर मचा था उतना कुछ नहीं है, विधायक मेरे पास नहीं आएंगे तो कुछ नहीं होगा।

भोला की 5.77 करोड़ की संपत्ति जब्त 34.50 करोड़ पर पुलिस का शिकंजा

सोनभद्र, 31 जनवरी (एजेंसियां)। कोडीन युक्त कफ सिरप की तस्करी में संलिप्त भोला प्रसाद जायसवाल के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई जारी है। पूर्व में 28.50 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त किए जाने के बाद अब सोनभद्र पुलिस ने करीब 5.77 करोड़ रुपये की और संपत्ति कुर्क कर ली है। इस तरह अब तक तस्कर की कुल 34.27 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति जब्त की जा चुकी है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। थाना रॉबर्ट्सगंज में दर्ज एफआईआर के तहत आरोपी प्रहलाद घाट के कायस्थ टोला निवासी भोला प्रसाद के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 23 जनवरी को पहले ही 28.50 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति जब्त की जा चुकी थी। इसके बाद धारा 68-एफ एनडीपीएस एक्ट के तहत वाराणसी जनपद में अभियुक्त और उसके परिजनों की संपत्तियों पर कुर्की की गई। शनिवार को पुलिस ने मड़ौली, भरलाई और जगदीशपुर क्षेत्र में स्थित कुल सात अचल संपत्तियों को कुर्क किया है, जिनकी कीमत करीब 4.55 करोड़ रुपये बताई गई है। इसके अलावा चार लग्जरी व अन्य वाहन भी जब्त किए गए हैं, जिनकी कीमत लगभग 51 लाख रुपये है। वहीं, बैंक खातों में जमा 70.99 लाख रुपये की राशि भी अभिग्रहित की गई है। इस तरह कुल 5.77 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई। कुर्क किए गए वाहनों में फॉर्च्यूनर लेजेंडर, हुंडई आई-20, एक्टिवा और वेस्पा स्कूटर शामिल हैं। फॉर्च्यूनर की कीमत ही करीब 40 लाख रुपये बताई गई है।

कुर्की की कार्रवाई में एसआईटी निरीक्षक प्रणय प्रसून श्रीवास्तव, थानाध्यक्ष हाथीनाला नागेश सिंह, चौकी प्रभारी डाला घनश्याम तिवारी सहित पुलिस टीम शामिल रही। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने कहा कि नशीली दवाओं की तस्करी और उससे अर्जित अवैध संपत्तियों के खिलाफ कठोर और निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी। ऐसे अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

अजित पवार विमान हादसे को लेकर सियासत तेज

अखिलेश ने उठाए सुरक्षा पर बड़े सवाल, बोले - वीआईपी को मिले सिर्फ सुरक्षित और बेहतर विमान

लखनऊ, 31 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार से जुड़े कथित विमान हादसे की खबर के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। इस घटना को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है और पूरे मामले की गहन व निष्पक्ष जांच की मांग की है। अखिलेश यादव ने कहा कि वीआईपी और जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों की यात्रा के लिए सुरक्षित और बेहतर विमानों की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में स्पष्ट नियम और सख्त व्यवस्था बनाई जानी जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे रोके जा सकें।

सपा प्रमुख ने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर जिस विमान से यात्रा की जा रही थी वह तकनीकी रूप से पूरी तरह सुरक्षित था, तो फिर दुर्घटना कैसे हुई यह जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं में पारदर्शिता बहुत जरूरी है, ताकि सच्चाई देश के सामने आ सके। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा उठाए गए सवालों का भी समर्थन किया। ममता बनर्जी ने भी हादसे की जांच की मांग की थी। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने भी कहा कि ऐसी घटनाओं पर सवाल उठना स्वाभाविक है और सच्चाई सामने आनी चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि देश पहले भी विमान हादसों में कई बड़े नेताओं को खो चुका है। हर बार हादसे के बाद चर्चा होती है, लेकिन जांच के नतीजे आम लोगों के सामने पूरी तरह नहीं आ पाते। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों से सबक लेकर भविष्य की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जानी चाहिए।

दुष्कर्म पीड़िता की मौत परिजनों का हंगामा

मेरठ, 31 जनवरी (एजेंसियां)। मेरठ में सरधना क्षेत्र के गांव महमदपुर सिखेड़ा में दुष्कर्म पीड़िता की उपचार के दौरान मौत के बाद हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं। किशोरी तीन दिनों तक वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत से जूझती रही, लेकिन शाम उसने दम तोड़ दिया। स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने गांव के सभी मुख्य मार्गों को बंद कर दिया है। किसी भी बाहरी व्यक्ति के गांव में प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। तनावपूर्ण हालात के मद्देनज़र मीडिया को भी गांव में जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। देर रात शव गांव पहुंचते ही पुलिस ने गांव में डेरा डाल दिया। दोनों ओर से आवाजाही रोक दी गई है और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

'मां के लाडले बेटे घर नहीं बसा पाते'

पावर स्टार पवन सिंह पर इशारों में ज्योति सिंह का वार, तीसरी शादी की चर्चा तेज

पटना, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह हाल के दिनों में एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। पार्टी में एक 'मिस्ट्री गर्ल' के साथ उनकी मौजूदगी और खुले मंच से "तुम मेरी जान हो" कहने का वीडियो वायरल होने के बाद तीसरी शादी की चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसी बीच उनकी पत्नी ज्योति सिंह का सोशल मीडिया पोस्ट सामने आया है, जिसने पूरे मामले को नया एंगल दे दिया है। ज्योति सिंह ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, "अपनी बेटी की शादी उस शख्स से करना, जिसमें फैसले लेने की काबिलियत हो। वरना अक्सर मां के लाडले बेटे घर नहीं बसा पाते और इल्जाम लड़की पर लगाते हैं।" इस लाइन को सीधे तौर पर पवन सिंह से जोड़कर देखा जा रहा है, खासकर तब, जब उनके रिश्ते पहले से कोर्ट में हैं।'शादी या तलाक, औरत ही घर खोती है' दूसरी स्टोरी में ज्योति ने और भी तीखा दर्द बयां किया। उन्होंने लिखा, "शादी करो या तलाक दो, दोनों ही हालात में औरत ही अपना घर खोती है। एक आदमी कभी बेघर नहीं होता।"

यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और महिलाओं के हक और सामाजिक सोच पर बहस छेड़ रहा है। यह पहला मौका नहीं है जब ज्योति सिंह ने प्रतीकात्मक अंदाज में अपनी पीड़ा रखी हो। इससे पहले भी उन्होंने एक पोस्ट में लिखा था, "सीता वनवास में भी साथ थीं, राम अयोध्या में भी साथ नहीं दे सके।" इसके साथ 'शिव का अपनाया हुआ अक्सर दुनिया से ठुकराया हुआ होता है' लिखा पोस्टर भी शेयर किया गया था। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान पवन सिंह ने मंच से एक्ट्रेस महिमा सिंह को इशारा करते हुए कहा था, "आओ मेरी जान।"

इस वीडियो के वायरल होते ही फैंस और मीडिया में उनके रिश्ते को लेकर कयास लगने लगे। महिमा सिंह यूपी के बांदा की रहने वाली हैं और पवन सिंह के साथ फिल्म व गाने में काम कर रही हैं। ज्योति सिंह पवन सिंह की दूसरी पत्नी हैं। पहली पत्नी नीलम सिंह ने 2015 में आत्महत्या की थी। 2018 में पवन और ज्योति की शादी हुई,

4 दिन झमाझम बारिश, दिल्ली एनसीआर में फिर लौटेगी बारिश

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। आज से 4 दिन झमाझम बारिश, दिल्ली एनसीआर में फिर लौटेगी बारिश, हिमालय में उठा नया बवंडर भिगोएगा दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद समेत पूरे एनसीआर क्षेत्र में बारिश होने का अनुमान है। पंजाब, हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश समेत पूरे उत्तर भारत में ये बरसात देखने को मिलेगी। दिल्ली एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में आज से 4 दिनों तक बारिश होने के आसार हैं।

हिमालय में पश्चिमी विक्षोभ की शक्ल में उठे नए बवंडर के कारण मौसम फिर करवट लेने वाला है। पिछले 10 दिनों में यह तीसरा मौका है, जब बारिश दिल्ली और आसपास के राज्यों में दस्तक देगी। दिल्ली में तो 2 दिन का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

हिमालय क्षेत्र में सक्रिय एक और पश्चिमी विक्षोभ के कारण आज से बारिश का नया दौर शुरू होने की संभावना है। दिल्ली एनसीआर, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा समेत उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में इन चार दिनों में बारिश हो सकती है।

यूपी, उत्तराखंड से हरियाणा तक अलर्ट

उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, राजस्थान में भी इस दौरान बारिश देखने को मिलेगी। मौसम विभाग का अनुमान है कि सुबह से दोपहर तक एक-दो बार बारिश आ सकती है। थोड़ा कोहरा भी सुबह के वक्त दिल्ली के इलाकों में रहेगा। बिजली चमकने, बादल गरजने के साथ 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी इस दौरान चलेंगी।

दिल्ली में 3 दिन बारिश होगी

1 फरवरी को भी दिल्ली एनसीआर के आकाश में बादल छाए रहेंगे। सुबह के वक्त फिर से हल्की से मध्यम स्तर की बारिश देखने को मिलेगी। साथ ही गरज चमक के साथ तेज हवाएं भी चलेंगी। शाम के वक्त भी बादलों की गड़गड़ाहट और बिजली गिरने की चेतावनी के साथ बारिश आ सकती है। सुबह के वक्त हल्का कोहरा भी परेशान कर सकता है।

दिल्ली में 31 और दिल्ली में 2 फरवरी को भी बादल छाए रहेंगे। बिजली चमकने, बादल गरजने के साथ बारिश आने का अनुमान है। सुबह के वक्त कोहरा भी दिल्ली में बढ़ेगी। उत्तर प्रदेश और पंजाब में आज घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। यूपी में आगरा, बरेली, गाजियाबाद में हिंडन क्षेत्र और मध्य प्रदेश में ग्वालियर क्षेत्र में घने कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब में अंबाला में रेड अलर्ट है, जबकि आदमपुर, बठिंडा, हलवारा और बिहार के गयाजी में भी कोहरे की वजह से कम दृश्यता की चेतावनी दी गई है।

दिल्ली में सर्दी थोड़ी कम होगी

दिल्ली समेत उत्तर भारत में भले ही बारिश आने का अलर्ट हो, लेकिन तापमान में बढ़ोतरी का भी संकेत है। यानी सर्दी का अहसास थोड़ा कम होगा। दिल्ली में 1 फरवरी से 4 फरवरी तक न्यूनतम तापमान 11 से 12 डिग्री तक पहुंच जाएगा, जो अभी 6 से 8 डिग्री के आसपास है। जबकि अधिकतम तापमान 17 से 19 डिग्री के आसपास स्थिर रहने का संकेत है।

सौंफ के बीज पर सीमेंट और केमिकल लगाकर बनाया जीरा

ग्वालियर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक कोल्ड स्टोरेज से 46 बोरी नकली जीरा पकड़ा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि यहां सौंफ के बीजों पर सीमेंट और केमिकल लगाकर उन्हें जीरे जैसा बनाकर बाजार में बेचा जा रहा है, जिससे लोगों की सेहत को नुकसान हो सकता था। जांच में सामने आया कि नकली जीरा ब्रांडेड पैकेट में भरकर बेचा जा रहा था। इस मामले में पुलिस ने कोल्ड स्टोरेज के मैनेजर सहित तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। साथ ही कॉपीराइट एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है।

श्री हरमंदिर साहिब सरोवर में कुल्ला करने का आरोपी कोर्ट में पेश, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

अमृतसर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। श्री हरमंदिर साहिब के सरोवर में कुल्ला करने के मामले में गिरफ्तार आरोपी को शनिवार को अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के बाद अदालत ने आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान दिल्ली निवासी सुब्हान रंगीज के रूप में हुई है। इससे पहले 28 जनवरी को उसे तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया था। रिमांड अवधि समाप्त होने पर शनिवार को आरोपी को दोबारा अदालत में पेश किया गया। मामला 13 जनवरी का है, पावन सरोवर में बैठकर कुल्ला किया। आरोप है कि उसने इस पूरी घटना का वीडियो बनवाया।

मवेशी तस्करी के खिलाफ जम्मू पुलिस की बड़ी सफलता

56 जानवर बरामद, ट्राले का मालिक चिन्हित करने में जुटी पुलिस

जम्मू, 31 जनवरी (एजेंसियां)। नरवाल कुंजवानी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सैनिक कालोनी के पास बीते शुक्रवार देर रात पकड़े गए मवेशियों से भरे ट्राले के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस ने ट्राले को जब्त कर लिया है और अब उसके मालिक तथा फरार चालक का पता लगाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस पोस्ट सैनिक कालोनी द्वारा स्थानीय लोगों की सूचना पर इस संदिग्ध ट्राले को रोका गया था। तलाशी लेने पर ट्राले के भीतर करीब 56 मवेशी बेहद क्रूरता के साथ रस्सियों से बंधे पाए गए, जिन्हें बाद में सुरक्षित बाहर निकाला गया। कार्रवाई के दौरान ट्राला चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया था। पुलिस ने बरामद सभी मवेशियों को पशु चिकित्सकीय जांच के बाद ही उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया है। कई मवेशियों को स्थानीय लोगों को देखभाल के लिए सौंप दिया गया है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि मवेशियों को अवैध तरीके से जम्मू से कश्मीर घाटी की ओर ले जाया जा रहा था। इसी आधार पर पुलिस ने पशु क्रूरता अधिनियम समेत अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। स्थानीय लोगों ने जैसे ही ट्राले में क्रूरता के साथ मवेशियों के बंधे होने का वीडियो इंटरनेट मीडिया में पोस्ट किया तो वहां कई संगठन पहुंच गए थे और देर रात तक सैनिक कालोनी पुलिस पोस्ट के बाहर मवेशी तस्करी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पकड़े गए ट्राले को नुकसान भी पहुंचाया। हालांकि बाद में सभी प्रदर्शनकारी शांतिपूर्वक वहां से चले गए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अब ट्राले के रजिस्ट्रेशन के आधार पर उसके वास्तविक मालिक की पहचान की जा रही है।

साथ ही फरार चालक की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि वाहन की मूवमेंट और उससे जुड़े अन्य लोगों की जानकारी मिल सके। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और यदि इसके पीछे किसी संगठित गिरोह की संलिप्तता पाई जाती है तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म रातभर बंधक बनाकर रखा

कटनी, 31 जनवरी (एजेंसियां)। शहर सीमा से लगे अमकुही पहाड़ी क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक किशोरी के साथ दो आरोपितों ने सामूहिक दुष्कर्म किया और उसे रातभर बंधक बनाकर रखा। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है और उनकी तलाश में टीमें लगा दी गई हैं। आरोप है कि वहां आरोपितों ने किशोरी को रातभर बंधक बनाकर रखा और उसके साथ गलत काम किया।

सुबह करीब पांच बजे पीड़िता किसी तरह आरोपितों के चंगुल से बचकर निकली और पुलिस के पास पहुंची। घटना के बाद रंगनाथनगर पुलिस और माधवनगर पुलिस ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अज्ञात आरोपितों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बांग्लादेशी घुसपैठिये की जमानत रद्द करने से साकेत कोर्ट का इनकार, दिल्ली पुलिस की अर्जी खारिज की

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। साकेत कोर्ट ने अवैध बांग्लादेशी अप्रवासी को दी गई जमानत रद करने की अर्जी खारिज कर दी है। एडिशनल सेशन जज गौरव गुप्ता दिल्ली पुलिस द्वारा दायर एक अर्जी पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें बांग्लादेशी नागरिक बिलाल होसेन की जमानत रद्द करने की मांग की गई थी, जो अवैध रूप से भारत में घुसा था। होसेन पर आरोप है कि वह बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से भारत में लाने और उनके लिए भारतीय पहचान पत्र बनवाने में शामिल था। पुलिस ने बताया कि उसके पास से कई लोगों के नाम के आधार कार्ड और पैन कार्ड मिले थे। जांच अधिकारी के अनुसार बरामद किए गए आधार कार्ड का अभी वेरिफिकेशन होना बाकी है क्योंकि वे यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया से जवाब का इंतजार कर रहे हैं। कोर्ट ने 28 जनवरी के एक आदेश में कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे यह पता चले कि आरोपित ने आजादी का किसी भी तरह से गलत इस्तेमाल किया है या उसने जमानत की किसी भी शर्त का उल्लंघन किया है। सिर्फ इसलिए कि आरोपी एक अवैध अप्रवासी है, उसे अनिश्चित काल के लिए हिरासत में रखने का एकमात्र आधार नहीं हो सकता। कोर्ट ने कहा कि हालांकि भविष्य में यदि कोई नए तथ्य सामने आते हैं या जांच एजेंसी द्वारा कोई नया सबूत इकट्ठा किया जाता है जो आरोपित की हिरासत को जरूरी बनाता है, तो अभियोजन पक्ष इस संबंध में एक नई अर्जी दायर करने के लिए स्वतंत्र होगा।

24 नवंबर 2025 को चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट मृदुल गुप्ता ने होसेन को जमानत दी थी, यह देखते हुए कि सभी जरूरी चीजें बरामद कर ली गई हैं। चार्जशीट पहले ही दायर की जा चुकी है, इसलिए होसेन को सिर्फ इस वजह से जमानत देने से इनकार नहीं किया जा सकता कि अन्य वांछित लोगों को अभी गिरफ्तार किया जाना बाकी है।

दबंगों ने चाय की दुकान पर किया हमला पुलिस ने सिर मुडवाकर बाजार में घुमाया

सूरत, 31 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के लिंबायत क्षेत्र में चाय की दुकान पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था, जिसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया। वहीं चारों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद इलाके में उनका जुलूस निकाला गया। लोगो में बदमाशों की दहशत कम करने के लिए पुलिस ने चारों बदमाशों का सिर मुडवाकर पूरे इलाके में घुमाया ओर हाथ जोड़कर माफी मंगवाई। लोगों ने भी पुलिस के इस का की सराहना करते हुए उनपर फूल बरसाए।

चाय की दुकान पर की थी मारपीट

दरअसल, मारपीट का मामला कुछ दिन पहले का बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक आरोपी इमरान उर्फ पप्पू शेख, रिजवान शेख, मोहम्मद मोहसिन शेख और फुरकान ने सूरत के लिंबायत इलाके में मारपीट की इस घटना को अंजाम दिया था। यहां लिंबायत इलाके में मौजूद गरीब दरबार टी स्टॉल पर आरोपियों ने जमकर उत्पात मचाया था। वहीं आरोपियों ने स्टॉल के मालिक और उनके भाई पर लात घुसे, लकड़ी के डंडे और लोहे की रॉड से हमला किया। उन्होंने दुकान में तोड़फोड़ भी की थी। इस पूरी घटना में दो लोगों को गंभीर चोट लगी थी। वहीं ये पूरी घटना सीसीटीवी में कैद कैद हो गई थी।

पुलिस ने बाजार में घुमाकर मंगवाई माफी

मारपीट की घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस से इसकी शिकायत की थी। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू की थी। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इन सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

पुलिस ने चारो आरोपियों को घटनास्थल ले जाकर पूरी घटना का रिकंस्ट्रक्शन किया। इसके बाद आम लोगों में गुंडों का खौफ कम हो इसलिए उन्हें पूरे इलाके में सिर मुडवाकर घुमाया। पुलिस की इस कार्रवाई पर इलाके के लोगों ने भी खुशी जाहिर की और पुलिस का फूलों की बारिश कर स्वागत किया।

फ्लाईओवर बनने में देरी पर एक्शन, एसीबी ने दर्ज की एफआईआर; कैसे हुआ गड़बड़ घोटाला?

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में एसीबी ने बारापुला फ्लाईओवर के फेज-3 के निर्माण में देरी और लागत की बढ़ोतरी को लेकर एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7ए और 13 के तहत कार्रवाई की गई। एसीबी की प्रारंभिक जांच के बाद एफआईआर दर्ज हुई है। ये एफआईआर अज्ञात सरकारी अधिकारियों और एक निजी ठेकेदार के खिलाफ हुई है। इस आर्टिकल में जानें पूरा मामला।

एलजी के आदेश के बाद दर्ज हुई एफआईआर

बता दें कि जांच में फ्लाईओवर निर्माण में असामान्य और अनुचित देरी के बारे में जिक्र है। परियोजना से जुड़े दस्तावेजों की जांच एसीबी ने शुरू कर दी है। एलजी ने अक्टूबर 2025 में इस मामले की जांच के आदेश दिए थे। फ्लाईओवर के निर्माण में हुई देरी के कारण सरकारी खजाने को करोड़ों का नुकसान हुआ है।

पीडब्ल्यूडी को मिला सभी रिकॉर्ड सौंपने का निर्देश

जान लें कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सिफारिश पर दिल्ली के एलजी ने संज्ञान लिया था। 28 जुलाई 2025 को व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की बैठक में ये मामला उठा था। ईएफसी ने गैर-सक्षम अधिकारियों की तरफ से मध्यस्थता स्वीकार करने और देरी पर गहन जांच की सिफारिश की है। पीडब्ल्यूडी को एसीबी को सभी रिकॉर्ड सौंपने के निर्देश दिए हैं।

15 साल पहले इस प्रोजेक्ट को मिली थी मंजूरी

गौरतलब है कि यहां साढ़े 3 किलोमीटर लंबा, चार लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर, सराय काले खां में बारापुल्ला फ्लाईओवर से जुड़ना है। इस परियोजना को 2011 में मंजूरी मिली थी। दिसंबर 2014 में 1 260.63 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत हुई थी। फिर अप्रैल 2015 में एल एंड टी को निर्माण कार्य का जिम्मा दिया गया था। इसके बाद अक्तूबर, 2017 तक इस प्रोजेक्ट को पूरा होना था।

प्रोजेक्ट पूरा होने में क्यों हुई देरी?

बताया जा रहा है कि भूमि अधिग्रहण, पेड़ कटाई अनुमति और विभागीय लापरवाही से परियोजना में देरी हो रही है। अब जून, 2026 तक इसके पूरा होने की उम्मीद है। अब तक 1,238.68 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। नई अनुमानित लागत 1,330 करोड़ रुपये हैं।

पीएम मोदी के जालंधर दौरे से पहले तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

जालंधर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे से ठीक एक दिन पहले सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हड़कंप मच गया। शनिवार को शहर के तीन स्कूलों पुलिस डीएवी स्कूल, कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल और एमजीएम स्कूल को ई-मेल के जरिए बम धमाके की धमकी मिली। मेल में प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान डेरा बल्लां क्षेत्र में धमाके की चेतावनी दी गई है। धमकी भरे मेल में लिखा गया कि खालिस्तानियों का डेरे से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन प्रधानमंत्री उनके दुश्मन हैं। जैसे ही स्कूल प्रशासन को मेल की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत पुलिस विभागों को सूचित किया। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और हालात पर नजर रखी जा रही है। हालांकि, इस मामले में पुलिस के किसी पुलिस अधिकारी ने आधिकारिक तौर पर कोई बयान नहीं दिया है। प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए शहर में पहले से ही कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और पुलिस हर गतिविधि पर नजर रख रही है।

1 दिन की नवजात को बहन के घर छोड़ा

फिर बड़ी बेटी की सगाई में हो गई बिजी, तड़प कर मासूम ने दम तोडा

तुमकुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया में मां के प्यार को सबसे ऊपर रखा गया है, लेकिन कर्नाटक के तुमकुर जिले से एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने ममता को कलंकित कर दिया है। यहां एक मां ने अपनी बड़ी बेटी की सगाई के जश्न में शामिल होने के लिए अपनी एक दिन की नवजात बच्ची को बेसहारा छोड़ दिया। देखभाल और मां के दूध के अभाव में मासूम की तबीयत बिगड़ी और उसने दुनिया देखने से पहले ही अपनी आंखें हमेशा के लिए बंद कर लीं।

घटना तुमकुर शहर की है। 40 वर्षीय एक महिला, जिसके पहले से ही दो बच्चे हैं, उसने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। विडंबना देखिए कि जिस समय इस नन्ही जान ने घर में कदम रखा, उसी समय परिवार में बड़ी बेटी की सगाई की तैयारियां चल रही थीं। बच्ची के जन्म के ठीक अगले दिन सगाई का कार्यक्रम तय था। एक दिन की प्रसूता मां ने आराम करने और बच्चे की देखभाल करने के बजाय 'जश्न' को चुना। वह अपनी एक दिन की बच्ची को अपनी बहन (मासी) के घर छोड़कर खुद सगाई के कार्यक्रमों में व्यस्त हो गई।

तुमकुर महिला पुलिस ने इस दर्दनाक मौत के मामले में मृत नवजात के माता-पिता और दो अन्य रिश्तेदारों सहित कुल चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने किशोर न्याय अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब उन परिस्थितियों की कड़ाई से जांच कर रही है जिनके चलते एक नवजात को इस तरह उपेक्षित किया गया।

कंटेनर ने दो ऑटो को मारी टक्कर पांच लोगों की मौत

आगरा, 31 जनवरी (एजेंसियां)। आगरा के थाना खंदौली क्षेत्र में शनिवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कंटेनर ने दो ऑटो को रौंद दिया। हादसे में पांच लोगों के मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल बताए गए हैं। ये सभी जगन्नाथ यात्रा पर गए थे। ये सभी वापस ऑटो से आ रहे थे। ये लोग सहपऊ के रहने वाले हैं। आगरा कैंट स्टेशन पर उतरने के बाद ऑटो से ये सभी लोग घर जा रहे थे। रास्ते में ये हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों ऑटो एक ही दिशा में जा रहे थे। तभी पीछे से आए तेज रफ्तार कंटेनर ने पहले एक ऑटो को टक्कर मारी और फिर दूसरे ऑटो को अपनी चपेट में ले लिया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही थाना खंदौली पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद आरोपी चालक को लोगों ने दबोच लिया। उसके साथ मारपीट की गई।

सीबीआई ने ओडिशा में अपने ही एएसआई पर दर्ज की एफआईआर, जांच से बचाने के लिए रिश्वत लेने का आरोप

भुवनेश्वर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआइ) ने अपने ही एक अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दिल्ली सीबीआई इकाई ने भुवनेश्वर शाखा में तैनात एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के परिसरों में दिल्ली सीबीआइ द्वारा की गई छापेमारी के बाद सामने आए नए तथ्यों के आधार पर की गई है। आरोपी की पहचान प्रशांत कुमार पलेई के रूप में हुई है, जो सीबीआइ भुवनेश्वर शाखा में सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) के पद पर कार्यरत हैं।

उन पर सुंदरगढ़ के बसुंधरा क्षेत्र स्थित एमसीएल के गर्जनबहाल ओपन-कास्ट प्रोजेक्ट के डिस्पैच अधिकारी सारदा प्रसाद सेठी से पैसे वसूलने का संदेह है। आरोप है कि सारदा प्रसाद सेठी ने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करते हुए विभिन्न कोयला उत्खननकर्ताओं से अवैध रूप से धन की वसूली की। यह भी आरोप लगाया गया है कि पलेई ने सेठी को सीबीआइ और अन्य जांच एजेंसियों से बचाने के लिए रिश्वत ली। इन आरोपों के आधार पर सीबीआइ ने एएसआई प्रशांत कुमार पलेई, सारदा प्रसाद सेठी और अन्य कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू की है।

मामले के सिलसिले में दिल्ली सीबीआइ की तीन सदस्यीय टीम सुंदरगढ़ में एमसीएल के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। जांच एजेंसी का यह भी आरोप है कि पलेई ने रिश्वत की रकम अपने बेटे, पत्नी और उनसे जुड़े अन्य लोगों के बैंक खातों के माध्यम से ली है। रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली सीबीआइ द्वारा दर्ज एफआईआर में कहा गया है कि पलेई ने वर्षों तक एमसीएल, परिवहन एजेंसियों और अन्य कंपनियों से रिश्वत ली। यह भी आरोप लगाया गया है कि पलेई एक सीबीआइ के उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) के माध्यम से काम करता था। बताया गया है कि सारदा सेठी, जो एमसीएल में सेटलमेंट अधिकारी के रूप में भी कार्यरत था, पलेई के करीबी संपर्क में था।

आरोप है कि जब सेठी से जुड़े कामों में बाधा आती थी तो पलेई वरिष्ठ अधिकारियों को धमकाता था और उसने पहले एक एमसीएल अधिकारी को फंसाया था, जिसके बाद उसकी सीबीआइ द्वारा गिरफ्तारी हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पहला मामला है जब दिल्ली सीबीआइ ने भुवनेश्वर सीबीआइ शाखा के अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जांच के तहत बरहमपुर, भुवनेश्वर और राउरकेला सहित कई स्थानों पर छापेमारी की गई, जहां से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए।

'प्रमोशन के लिए हो रहे एनकाउंटर', मुठभेड़ मामलों में यूपी पुलिस पर भड़का हाई कोर्ट

प्रयागराज, 31 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी पुलिस की कार्रवाई पर हाई कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। यूपी पुलिस की हॉफ एनकाउंटर की कार्रवाई पर कोर्ट ने सवाल उठाया। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा कि भारत लोकतांत्रिक राज्य है जो कानून के शासन द्वारा शासित है इसलिए कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के कार्य स्पष्ट व सुस्पष्ट हैं पुलिस द्वारा न्यायिक क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं है। दरअसल, यूपी में पिछले कुछ सालों में एनकाउंटर की संख्या काफी बढ़ी है। एनकाउंटर के एक मामले पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि ऐसा आचरण पूरी तरह अस्वीकार्य है क्योंकि दंड देने का अधिकार केवल कोर्ट के पास है। यूपी पुलिस के पास नहीं। सख्त टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि पुलिस प्रमोशन के लिए एनकाउंटर कर रही है। मिर्जापुर के राजू उर्फ राजकुमार व दो अन्य की जमानत अर्जियों पर सुनवाई करते हुए जज अरुण कुमार सिंह देशवाल ने यह टिप्पणी की। जज अण कुमार सिंह देशवाल ने एक आदेश के माध्यम से राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

तबीयत खराब हुई तो 6 महीने की गर्भवती निकली 17 साल की लड़की, 7 लड़कों ने किया था गैंगरेप, सुनाई आपबीती

चैन्नई, 31 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तंजौर जिले के अय्यमपेट्टई इलाके की 17 साल की एक लड़की के साथ गैंगरेप करने के आरोप में पुलिस ने 7 लोगों को पोक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। तंजौर जिले के अय्यमपेट्टई के पास एक गांव की रहने वाली लड़की की दोस्ती 2022 में उसी इलाके के अप्पू (उर्फ) एस। सुरेंद्रन पांडियन से हुई थी। दावा किया जा रहा है कि दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। इसके बाद सुरेंद्रन पांडियन ने लड़की के साथ गैंगरेप किया। हालांकि बाद में दोनों अलग हो गए। इसके बाद साल 2025 से लड़की पुन्नियानल्लूर गांव के रहने वाले विनायकमुर्ती के 20 साल के बेटे मणिमारन के संपर्क में आई। साथ ही उसने पशुपति कोविल के रहने वाले कुमार के 24 साल के बेटे सुधन उर्फ जयसुधन से भी दोस्ती की। ऐसा कहा जाता है कि लड़की एक-दूसरे को जाने बिना एक-दूसरे के साथ रहती थी। इस बीच, पिछले कुछ दिनों से लड़की की तबीयत खराब चल रही थी, जिसके बाद लड़की के माता-पिता ने उसे इलाज के लिए कुंभकोणम सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

2026 में नहीं होगा तीसरा विश्वयुद्ध

अमेरिका हो या चीन नहीं करेंगे जंग, एक्सपर्ट की भविष्यवाणी

वॉशिंगटन, 31 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के कई एक्सपर्ट इस साल तीसरा विश्वयुद्ध शुरू होने की आशंका जता रहे हैं। यूक्रेन युद्ध को लेकर ही दर्जनों बार आशंका जताई गई है कि ये अमेरिका और रूस के बीच युद्ध करवा सकता है। इसके अलावा दावे होते रहते हैं कि अगर ताइवान पर चीन का हमला होगा तो दुनिया के कई देशों के बीच भयावह युद्ध छिड़ सकता है। अमेरिका के रूस के साथ या अमेरिका और चीन के बीच युद्ध होने का कई बार खतरा बताया गया है। लेकिन अमेरिका की जियोपॉलिटिकल एक्सपर्ट वेलिना चकारोवा ने कहा है कि दुनिया में इस साल कोई भी तीसरा विश्व नहीं होने जा रहा है। उन्होंने लिखा है कि वैश्विक शक्तियां, जैसे अमेरिका, चीन या रूस किसी भी तरह के युद्ध में शामिल नहीं होना चाहते हैं।

अमेरिका की जियो पॉलिटिकल एक्सपर्ट वेलिना चकारोवा ने इस साल 2026 में तीसरे विश्वयुद्ध की किसी भी संभावना को खारिज किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अनुमान लगाया है कि इस साल ऐसे हालात बनते

नहीं दिख रहे हैं, जो दुनिया के तीन शक्तिशाली देशों को युद्ध के मैदान में घसीट लाए। उन्होंने भविष्यवाणी की है कि चीन, अमेरिका और रूस के बीच कोई 'हॉट वॉर' नहीं होने वाला है।

अमेरिका, चीन और रूस के बीच कोई गर्म युद्ध नहीं होगा, जबकि कई विश्लेषकों के तीसरे विश्वयुद्ध के बारे में तबाही और निराशा फैलाने की भविष्यवाणी की है। चीन इस साल ताइवान पर सैन्य हमला नहीं करेगा। हालांकि हिंद महासागर में चीन का सैन्यीकरण हो सकता है, जिससे तनाव बढ़ता दिख सकता है।

रूस और यूरोप (यूरोपीय नाटो) के बीच कोई परमाणु युद्ध नहीं होगा या फिर पारंपरिक टकराव भी नहीं होगा।

अमेरिका और रूस के बीच राजनीतिक समझौता और रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम/स्थगित संघर्ष हो सकता है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में और सैन्यीकरण हो सकता है। ताइवान जलडमरूमध्य, दक्षिण चीन सागर और दक्षिण और उत्तर कोरिया के बीच तनाव बढ़ सकता है। युद्धविराम या अस्थायी समझौतों के माध्यम से तीन प्रमुख आपस में जुड़े भू-राजनीतिक हॉटस्पॉट का स्थिरीकरण (यूक्रेन, गाजा, ताइवान) हो सकता है। लेकिन पश्चिमी परिधि (मुनरो सिद्धांत), आर्कटिक (ग्रीनलैंड), अफ्रीका (हॉर्न ऑफ अफ्रीका, साहेल क्षेत्र) से लेकर पश्चिम-मध्य-दक्षिण-दक्षिण पूर्व एशिया तक प्रॉक्सी युद्धों और सैन्य संघर्षों की बढ़ती अस्थिरता बढ़ने का खतरा है।

वेलिना चकारोवा ने अनुमान लगाया है कि अमेरिका, चीन और रूस के बीच प्रतिद्वंदिता अगले स्टेज में पहुंच सकती है। लेकिन इन वैश्विक शक्तियों ने अपने तनाव को 'मैनेज' किया है। लेकिन आपूर्ति लाइनों, चोकप्वाइंट्स पर खतरा बढ़ने की संभावना बन सकती है। नये सुरक्षा गठबंधन बन सकते हैं। इसके अलावा साइबर और अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा के साथ पारंपरिक और परमाणु हथियारों की दौड़ का नया युग शुरू हो सकता है। उन्होंने अनुमान लगाया है कि चौथी औद्योगिक क्रांति एआई गेमचेंजर है। जबकि ऊर्जा मिश्रण, कच्चे माल के मिश्रण के साथ-साथ सेमिकंडक्टर चिप्स, आपूर्ति श्रृंखलाओं और चोक पॉइंट्स के वैकल्पिक और विविधीकरण की प्रमुख मांग बन सकती है।

गाजा में इजराइल के हमले में 2 परिवारों के 12 लोगों की मौत, 6 बच्चे शामिल

यरूशलम, 31 जनवरी (एजेंसियां)। गाजा में शनिवार को इजराइल ने हमला किया। इसमें 12 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, जिसमें 6 बच्चे भी शामिल हैं। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा पट्टी के अस्पतालों ने बताया कि हमले में 2 परिवारों के लोग मारे गए हैं।

हमले उत्तरी और दक्षिणी गाजा में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग और रिलीफ कैंप पर हुए। हमले की वजह से कैंप में आग लग गई। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने रिकॉर्ड किया है कि 10 अक्टूबर से सीजफायर शुरू होने के बाद इजराइली फायरिंग से 500 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

यह हमला ऐसे समय हुए जब रविवार को मिस्र बॉर्डर पर रफाह क्रॉसिंग खुलने वाली है, जो अमेरिका की मध्यस्थता वाले सीजफायर के दूसरे स्टेज का हिस्सा है।

पाकिस्तानी पीएम बोले- कर्ज मांगने में अब शर्म आती है

दूसरे देशों के सामने हमारा सिर झुका रहता है, उनकी शर्तें मानना हमारी मजबूरी

इस्लामाबाद, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज ने विदेशी कर्ज पर देश की बढ़ती निर्भरता को लेकर नाराजगी जताई है। शहबाज ने शुक्रवार को माना कि देश की बदहाल आर्थिक स्थिति के कारण उन्हें बार-बार विदेशी दौरों पर जाकर कर्ज मांगना पड़ा।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री राजधानी इस्लामाबाद में कारोबारी नेताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैं आपको बताना चाहता हूं कि जब फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और मैं दुनियाभर में पैसे मांगने जाते हैं तो हमें शर्म आती है।' शहबाज ने कहा- कर्ज लेना हमारे आत्मसम्मान पर बहुत बड़ा बोझ है। कई बार हमें कॉम्प्रोमाइज करना पड़ता है। कई बार हम उनकी शर्तों को 'ना' भी नहीं कह पाते। शहबाज ने यह भी कहा कि कर्ज का बोझ देश की इज्जत पर भारी पड़ रहा है और अब वैकल्पिक आर्थिक रास्ते तलाशने की जरूरत है। उनका बयान ऐसे समय आया है जब पाकिस्तान आईएमएफ से मदद और पुराने

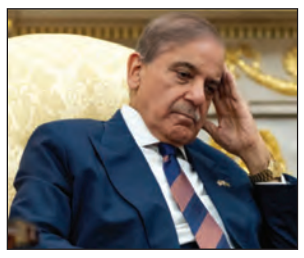

कर्ज को रोलओवर (आगे बढ़ाने) की कोशिश कर रहा है।

पीएम शहबाज के बयान से जाहिर है कि पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है और अंतरराष्ट्रीय मदद पर बहुत ज्यादा निर्भर हो चुका है। शहबाज ने चीन को "हर मौसम का दोस्त" बताया और कहा कि सऊदी अरब, यूएई और कतर ने भी अच्छे-बुरे हर वक्त में पाकिस्तान का साथ दिया है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इन्हीं देशों के सहारे टिकी हुई है। यही देश विदेशी मुद्रा भंडार को संभालने और भुगतान संतुलन संकट से बचाने में मदद कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने देश में बढ़ती गरीबी और बेरोजगारी पर भी चिंता जताई। उन्होंने माना कि रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन पर पर्याप्त काम नहीं हुआ।

पाकिस्तान में गरीबी बढ़कर आबादी के करीब 45% तक पहुंच गई है। इसकी वजह महंगाई, बाढ़ और आर्थिक अस्थिरता है। बेरोजगारी दर करीब 7.1% हो चुकी है और 80 लाख से ज्यादा लोग बेरोजगार हैं।

2018 में जहां 21.9% लोग गरीबी रेखा से नीचे थे, अब यह आंकड़ा करीब 45% बताया जा रहा है। अत्यधिक गरीबी 4.9% से बढ़कर 16.5% तक पहुंच गई है। पाकिस्तान का निर्यात अब भी कपड़ा उद्योग पर निर्भर है। सॉफ्टवेयर, कृषि और पशुपालन में संभावना है, लेकिन ढांचागत कमजोरियां और कम उत्पादकता विकास में बाधा हैं।

देश पर कुल सरकारी कर्ज मार्च 2025 तक 76,000 अरब रुपये से ज्यादा हो चुका है, जो चार साल में लगभग दोगुना हो गया। पाकिस्तान कर्ज चुकाने और डिफॉल्ट से बचने के लिए बार-बार आईएमएफ और चीन पर निर्भर है।

हॉलीवुड एक्ट्रेस ने मुगल बेगम नूरजहां का ताज-महल नेकलेस पहना

कैलिफोर्निया, 31 जनवरी (एजेंसियां)। हॉलीवुड एक्ट्रेस मार्गोट रॉबी ने बेगम नूरजहां का 400 साल पुराना नेकलेस (हार) पहना जिसकी चर्चा दुनियाभर में हो रही है। वह अपनी आगामी फिल्म 'वुथरिंग हाइट्स' के प्रचार के लिए बुधवार को रेड कार्पेट पर ग्लैमरस लुक में दिखीं।

रॉबी ने लॉस एंजिल्स में फिल्म के वर्ल्ड प्रीमियर पर एक शानदार गाउन पहना था। यह लुक बेहद खूबसूरत और विंटेज स्टाइल का था, लेकिन असली सुर्खियां बटोरीं उनके नेकलेस ने। यह 69.42 कैरेट का हार्ट शेप का टेबल-कट डायमंड है और इसे गोल्ड और रूबी से बनी कार्टियर चेन में सेट किया गया है। इस नेकलेस की कीमत लगभग 8 मिलियन डॉलर बताई जा रही है। यह नेकलेस 54 साल पहले, 1972 में अमेरिकी एक्ट्रेस एलिजाबेथ टेलर के पांचवें पति रिचर्ड बर्टन ने उनके 40वीं जन्मदिन पर गिफ्ट किया था।

ताज महल डायमंड की असली कहानी और भी रोचक है। इसे मुगल सम्राट शाह जहांगीर ने अपनी पत्नी नूरजहां को गिफ्ट किया था। यह दिल के आकार का डायमंड 17वीं सदी का है, जिस पर फारसी भाषा में 'प्यार हमेशा बना रहता है' लिखा है। इस पर नूरजहां का नाम भी उकेरा गया है।

बाद में यह उनके बेटे शाहजहां के पास पहुंचा, जिन्होंने इसे अपनी पत्नी मुमताज महल को दिया।

मुमताज की मौत के बाद शाहजहां ने ताजमहल बनवाया, जिसके कारण इस डायमंड को ताज महल डायमंड कहा जाने लगा। नूरजहां मुगल साम्राज्य की सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली बेगम थीं।

अफगानिस्तान जाएगा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा

भारत का विरोध दरकिनार, पाकिस्तानी एक्सपर्ट ने चेताया

इस्लामाबाद, 31 जनवरी (एजेंसियां)। चीन और पाकिस्तान जल्दी ही सीपीईसी को अफगानिस्तान तक बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। इस मुद्दे पर गुरुवार को पाकिस्तान सीनेट की विदेश मामलों की समिति की बैठक हुई है। इस बैठक में कथित तौर पर गलियारे के विस्तार पर चीजें तकरीबन तय हो गई हैं। सीपीईसी यानी चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (CPEC) अफगानिस्तान तक पहुंचता है तो यह इस्लामाबाद और बीजिंग के लिए कामयाबी होगी। वहीं अफगानिस्तान में तेजी से पैर जमा रहे भारत की चिंता इससे बढ़ जाएगी। भारत ने कई कारणों से इस प्रोजेक्ट का विरोध किया है

पाकिस्तानी मीडिया ने विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से मिली जानकारी के हवाले से दावा किया है कि सीपीईसी को अफगानिस्तान तक ले जाने के लिए जरूरी कदम उठाए गए हैं। इसका मकसद चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान का त्रिपक्षीय ढांचा

स्थापित करना है। इन रिपोर्ट पर पाकिस्तानी पत्रकार और सुरक्षा विश्लेषक इम्तियाज गुल ने सवाल उठाए हैं। गुल ने कहा है कि सीपीईसी से पहले पाक-अफगान बॉर्डर पर व्यापार शुरू किया जाए, जिससे लाखों लोगों की जिंदगी प्रभावित हो रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तानी अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया है कि सीपीईसी क्षेत्रीय संबंधों को बेहतर बनाने और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। चीन और पाकिस्तान लगातार इस मुद्दे पर तत्परता दिखा रहे हैं। हालांकि अफगानिस्तान के तालिबान शासन ने अभी तक इस मामले पर औपचारिक रूप से अपना रुख साफ नहीं किया है।

सीपीईसी विस्तार के मुद्दे पर एक्सप्रेस ट्रिब्यून में लिखे लेख में इम्तियाज गुल ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार से सीधा सवाल किया है कि सीपीईसी से पहले 11 अक्टूबर, 2025 से बंद पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा को खोला जाना चाहिए। सीमा पर व्यापार रुकना खासतौर से खैबर-पख्तूनख्वा के लिए बड़े आर्थिक संकट में बदल गया है। गुल का कहना है कि सीपीईसी को अफगानिस्तान तक बढ़ाना फायदेमंद हो सकता है लेकिन जमीनी हकीकत को देखना बहुत जरूरी है।

बीते साल अक्टूबर से पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। इससे पाकिस्तान के रास्ते चीन को अफगानिस्तान से जोड़ने की सीपीईसी जैसी योजनाओं पर भरोसा कम हो जाता है।

पाकिस्तान के पहले से अफगानिस्तान के साथ ट्रेड को लेकर कई समझौते हैं लेकिन बीते चार महीने से इसका कोई मतलब नहीं रह गया है। ट्रांजिट ट्रेड एग्रीमेंट में एक भरोसेमंद पार्टनर के तौर पर पाकिस्तान की प्रतिष्ठा दांव पर है।

'शराब, सिगरेट और चॉकलेट होगी सस्ती'

पूर्व सीएम ने कहा- इस बजट में झुनझुना पकड़ाने का काम होगा

रायपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय बजट में छत्तीसगढ़ को क्या मिलेगा इस लेकर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। भूपेश बघेल ने कहा कि इस बजट में केवल झुनझुना पकड़ाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक तो बजट रविवार और रविदास जयंती के दिन आ रहा है। उन्होंने कहा कि बजट में हम इनसे क्या ही उम्मीद करेंगे।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा- रोजगार इन्होंने छीन लिया, महंगाई बढ़ी हुई है। किसानों को दाम नहीं मिल रहा है। जीएसटी से व्यापारियों की पहले ही कमर टूटी हुई है। पहले के बजट में भी उन्होंने बड़ी बातें की थी लेकिन कुछ हुआ नहीं है। शराब, सिगरेट और चॉकलेट सस्ती होगी बाकी हम इनसे कुछ उम्मीद कर नहीं सकते हैं केवल छुनछुना पकड़ाने

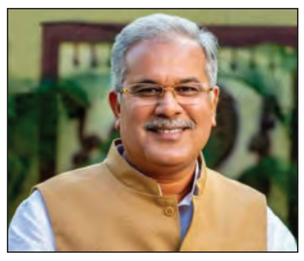

के अलावा के कुछ नहीं होगा।

वहीं, बजट में छत्तीसगढ़ को क्या मिलेगा इसे लेकर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ को क्या मिलेगा। इन्होंने मोदी की गांरटी दी थी कि किसानों की धान खरीदी जाएगी लेकिन यह किसानों की धान नहीं खरीद पा रहे हैं। लाखों किसान अपनी धान नहीं बेच पाए हैं। भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बालोद में बीजेपी से जुड़े कई अपनी धान नहीं बेच पाए हैं। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी को विपक्ष एक बार फिर से मुद्दा बना रही है।

कनाडा के दुश्मनों से मिले अमेरिकी अधिकारी

अल्बर्टा को आजाद देश बनाने की कोशिश में अलगाववादी पीएम कार्नी बोले- आंतरिक मामलों में दखल बर्दाश्त नहीं

वॉशिंगटन/ओटावा, 31 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा और अमेरिका के रिश्तों में एक नया विवाद शुरू हो गया है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका के अधिकारियों ने कनाडा के अल्बर्टा प्रांत को अलग देश बनाने की मांग कर रहे अलगाववादी समूह के नेताओं से मुलाकात की।

फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल अप्रैल से अब तक अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारी तीन बार अल्बर्टा के अलगाववादी नेताओं से मिले। ये नेता अल्बर्टा को कनाडा से अलग कर एक स्वतंत्र देश बनाने की वकालत कर रहे हैं। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को

फोन कर कनाडा की संप्रभुता का सम्मान करने को कहा। कार्नी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिकी प्रशासन कनाडा के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देगा। कनाडा से आजादी की मांग कर रहे इस समूह का नाम अल्बर्टा प्रॉस्पेरिटी प्रोजेक्ट (एपीपी) है। यह संगठन अल्बर्टा की आजादी के लिए जनमत संग्रह (रेफरेंडम) कराने की मांग कर रहा है। एपीपी के नेता और को-फाउंडर जेफ्री रथ ने अल्बर्टा की आजादी के लिए अमेरिका से 500 मिलियन डॉलर की मदद मांगी है। उन्होंने 23 जनवरी को X पर पोस्ट कर बताया कि वे अगले महीने अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

इस दौरान अमेरिका से इस रकम को कर्ज के तौर पर मांगा जाएगा। बीबीसी से बातचीत में जेफ्री ने बताया कि अल्बर्टा के आजाद होने पर इस पैसे का इस्तेमाल किया जाएगा।

अल्बर्टा पश्चिमी कनाडा का तेल-समृद्ध प्रांत है। इसकी आबादी करीब 50 लाख है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक यहां कनाडा के कुल कच्चे तेल उत्पादन का लगभग 84% हिस्सा निकलता है।

बलूचिस्तान में एकसाथ 12 जगहों पर बलूचों का हमला

10 पुलिसकर्मियों की मौत, डिप्टी कमिश्नर को किडनैप किया, पीएम शहबाज बोले- इसके पीछे भारत

क्वेटा, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक साथ 12 जगहों पर हमले किए। हमलों में कम से कम 10 सुरक्षाकर्मी की मौत हुई है। वहीं, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में 37 लड़ाके भी मारे गए। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा, पसनी, मस्तुंग, नुश्की और ग्वादर जिले में शनिवार सुबह 12 से ज्यादा जगहों पर एक साथ हमले किए। राजधानी क्वेटा में कम से कम चार पुलिसकर्मी मारे गए।

हालांकि यह साफ नहीं हो पाया कि यह चार पुलिसकर्मी उन 10 सुरक्षाकर्मियों में शामिल हैं या नहीं। क्वेटा के एक सीनियर अफसर ने यह भी बताया कि लड़ाकों ने नुश्की जिले के डिप्टी कमिश्नर का अपहरण कर लिया है। बीएलए ने इसे 'ऑपरेशन हेरोफ' का नाम दिया है। हमले के बाद पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने बयान जारी कर दावा किया कि इन हमलों के पीछे भारत का हाथ है। इन हमलों की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली है। संगठन ने कहा कि उसने सैन्य ठिकानों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निशाना बनाया। साथ ही यह भी दावा किया कि मुख्य हाईवे बंद किए गए, ताकि सेना की कार्रवाई में बाधा डाली जा सके। बीएलए लड़ाकों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर ये दावा किया है कि उन्होंने क्वेटा के एक बाजार इलाके पर कब्जा कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हथियारबंद आतंकी बाजार में घुस आए और कुछ समय के लिए पूरे इलाके पर उनका नियंत्रण रहा। हालांकि, इस घटना को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। क्वेटा में एएफपी के एक पत्रकार ने बताया कि शहर में कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। पूरे शहर में भारी सुरक्षा तैनात कर दी गई, मुख्य सड़कें सुनसान रहीं और कारोबार ठप हो गया।

38 साल के निजी कर्मचारी अब्दुल वली ने बताया, "सुबह से लगातार धमाके हो रहे हैं।" उनकी मां अस्पताल में भर्ती हैं और उन्हें खून की जरूरत थी। उन्होंने कहा, "पुलिस हम पर बंदूक तानती है और कहती है वापस जाओ, वरना मारेंगे। ऐसे में हम क्या करें?"

ये हमले ऐसे समय हुए हैं जब एक दिन पहले ही सेना ने दावा किया था कि उसने बलूचिस्तान में दो अलग-अलग अभियानों में 41 विद्रोहियों को मार गिराया है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बयान जारी कर दावा किया कि इन हमलों को नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने इसके लिए सुरक्षा बलों की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि उन्हें और पूरे देश को अपने शहीदों पर गर्व है।

7 फरवरी को जगदलपुर आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

जगदलपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 7 फरवरी को बस्तर आएंगी। जगदलपुर के लाल बाग मैदान में आयोजित होने वाले बस्तर पंडुम के संभाग स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगी। वे बस्तर आने वाली पांचवीं राष्ट्रपति होंगी। अंतिम बार 8 साल पहले पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद बस्तर के दंतेवाड़ा दौरे पर आए थे। जगदलपुर के लालबाग मैदान में तैयारियां चल रही है। सुरक्षा, यातायात, बैठक व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं को लेकर जिला प्रशासन लगातार समीक्षा कर रहा है। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए बस्तर संभाग के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी लगातार मौके पर मौजूद हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान का बड़ा एलान

अमेरिकी युद्धपोत के पास करेगा नौसैनिक अभ्यास

दुबई/वॉशिंगटन, 31 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने ईरान की तरफ से अपना सबसे बड़ा बेड़ा भेजा है, जिससे पश्चिम एशिया में मौजूदा तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। वहीं ईरान ने भी मोर्चा संभालते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य में दो दिवसीय नौसैनिक अभ्यास की घोषणा की है। इस पर अमेरिकी सेना के केंद्रीय कमान ने ईरानी सेना को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह अमेरिकी युद्धपोतों के ऊपर से उड़ान भरने जैसे असुरक्षित युद्धाभ्यास को बर्दाश्त नहीं करेगा, जिसमें अमेरिकी जहाजों से टक्कर की दिशा में ईरानी स्पीडबोटों का आना भी शामिल है। वहीं इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश निष्पक्ष और न्यायसंगत बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने ट्रंप की मुख्य मांगों को खारिज कर दिया। अराघची ने कहा कि रक्षा रणनीतियां और मिसाइल प्रणालियां कभी भी बातचीत का विषय नहीं होंगी।

ईरान की तरफ से ये भी दावा किया गया है कि हाल ही में हुए 12-दिवसीय युद्ध से उसकी सैन्य क्षमताएं पहले से ज्यादा मजबूत हुई हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, सेना प्रमुख अमीर हातमी ने एक सैन्य समारोह में कहा कि इस संघर्ष से ईरानी सेना को अपनी ताकत और कमजोरियों को समझने का मौका मिला, साथ ही विरोधी पक्ष की रणनीति को भी बेहतर ढंग से परखा गया। हातमी के अनुसार, इस युद्ध के बाद ईरान की मिसाइल प्रणाली, हवाई रक्षा और समग्र सैन्य क्षमता पहले से बेहतर और मजबूत स्थिति में है। उन्होंने इसे ईरान के लिए अनूठा अनुभव बताया, जिससे भविष्य में किसी भी हमले से निपटने की तैयारी और पुख्ता हुई है। ईरान जल्द ही जिन नौसैनिक अभ्यासों की तैयारी कर रहा है, उनका केंद्र होर्मुज जलडमरूमध्य माना जा रहा है। इस जलडमरूमध्य से होकर बड़ी मात्रा में तेल और गैस दुनिया भर में जाती है, ईरान और ओमान के क्षेत्रीय जल होने के बावजूद, इसे अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग माना जाता है, अमेरिका के ऊर्जा सूचना प्रशासन के अनुसार, यहां से गुजरने वाले अधिकतर तेल-गैस के लिए कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं है।

इसका बड़ा हिस्सा एशियाई देशों को सप्लाई होता है पिछले साल जून में इस्राइल की तरफ से ईरान पर किए गए 12-दिवसीय हमले के दौरान इस मार्ग को लेकर तनाव बढ़ा था, जिससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों पर भी असर पड़ा।

अमेरिका में डंकी रूट से रोज 65 भारतीय पकड़े गए

सालभर में 23 हजार लोग गिरफ्तार हुए तुर्किये-दुबई रूट से यूएस में एंट्री का ट्रेंड बढ़ा

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में डंकी रूट से एंट्री करने के मामले में बीते एक साल में हर रोज 65 भारतीय पकड़े गए। जनवरी से दिसंबर 2025 के आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी बॉर्डर एंड कस्टम ने कुल 23,830 भारतीयों को पकड़ा। विभाग के मुताबिक एंट्री के मामले घटे हैं, लेकिन इस पर पूरी तरह से रोक नहीं लगी है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में 2024 में कुल 85,119 भारतीय पकड़े गए थे।

अधिकारियों ने बताया कि इस बार एक नया ट्रेंड भी सामने आया है। अमेरिका में एंट्री करते पकड़े गए सभी भारतीय सिंगल एंटिटी यानी अकेले ही थे। कोई भी भारतीय परिवार के साथ नहीं पकड़ा गया। जबकि 2024 में पकड़े गए भारतीयों में से करीब 20 हजार भाई, पत्नी या बच्चों के साथ अमेरिका में अवैध रूप से एंट्री कर रहे थे। वहीं अमेरिका में कनाडा और मैक्सिको बॉर्डर के बजाय अब तुर्किये-दुबई रूट से अवैध एंट्री के मामले सामने आ रहे हैं। कनाडा बॉर्डर पर साल 2025 में 6968 जबकि मैक्सिको बॉर्डर पर 1543 भारतीय पकड़े गए। सबसे ज्यादा 15,319 दूसरे अमेरिकी शहरों से भारतीय पकड़े गए। सूत्रों के मुताबिक तुर्किये-दुबई रूट से फ्लाइट के द्वारा सीधे अमेरिका में एंट्री कराई जाती है। ज्यादातर केस अमेरिका में वेकेशन वीसा के नाम पर एंट्री और फिर स्टे अवधि को जम्प करने के आ रहे हैं।

अमेरिका से 2025 के दौरान कुल 3254 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। ये संख्या 2009 के बाद से सबसे ज्यादा है। 16 साल में 18882 को डिपोर्ट हुए। पहला रास्ताः -40 डिग्री की जानलेवा सर्दी में कनाडा से अमेरिका पहुंचना। सबसे पहले डंकी को कनाडा के लिए टूरिस्ट वीजा अप्लाय करना होता है, जिससे भारत से कनाडा तक आसानी से पहुंचा जा सके।

अर्जुन के शंख 'देवदत्त' का इतिहास, उसकी शक्ति

महाभारत के अनुसार, अर्जुन के शंख का नाम देवदत्त था. कुरुक्षेत्र युद्ध की शुरुआत में भगवान कृष्ण ने अर्जुन को यह शंख दिया था ।

महाभारत के महान योद्धा अर्जुन के पास न सिर्फ़ दिव्य धनुष 'गांडीव' था, बल्कि एक बहुत ही शक्तिशाली और दिव्य शंख भी था। अर्जुन के इस शानदार शंख का नाम 'देवदत्त' था। यहां अर्जुन के शंख 'देवदत्त' के इतिहास, उसकी शक्ति और कुरुक्षेत्र युद्ध में उसकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है...

'देवदत्त' शंख की उत्पत्ति और प्राप्ति-

अर्जुन को यह शंख उनके पिता और स्वर्ग के राजा इंद्र ने भेंट किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब अर्जुन दिव्य अस्त्रों की खोज में इंद्रलोक (स्वर्ग) गए थे, तब उन्होंने वहां कई वर्षों तक कठिन अभ्यास किया और असुरों का संहार किया। उनकी वीरता से प्रसन्न होकर देवराज इंद्र ने उन्हें यह दिव्य 'देवदत्त' शंख प्रदान किया। 'देवदत्त' का अर्थ होता है—"देवताओं द्वारा दिया गया"।

शंख की ध्वनि की शक्ति-

देवदत्त शंख कोई साधारण शंख नहीं था। इसकी ध्वनि इतनी भीषण और गूंजने वाली थी कि जब अर्जुन इसे बजाते थे, तो आकाश और पृथ्वी दोनों कांप उठते थे। इसकी ध्वनि से शत्रुओं के हृदय में भय व्याप्त हो जाता था और उनकी सेना का मनोबल टूट जाता था। महाभारत के भीष्म पर्व में उल्लेख है कि जब अर्जुन ने अपना शंख बजाया, तो उसकी गूंज ने कौरव सेना के वीरों को विचलित कर दिया था।

कुरुक्षेत्र के युद्ध में महत्व

कुरुक्षेत्र के युद्ध के प्रारंभ में, जब भगवान श्रीकृष्ण ने अपना 'पाञ्चजन्य' शंख बजाया, उसके तुरंत बाद अर्जुन ने अपने 'देवदत्त' शंख का उद्घोष किया। श्रीमद्भगवद्गीता के प्रथम अध्याय के 15वें श्लोक में इसका स्पष्ट वर्णन मिलता है। इसका अर्थ है—हृषीकेश (कृष्ण) ने पाञ्चजन्य बजाया और धनंजय (अर्जुन) ने देवदत्त बजाया...। इन शंखों की सामूहिक ध्वनि ने अधर्म के विरुद्ध धर्म के युद्ध का शंखनाद किया था।

शंखों की सूची (अन्य पांडवों के शंख)

महाभारत के युद्ध में केवल अर्जुन ही नहीं, बल्कि सभी पांडवों के पास अपने विशिष्ट शंख थे-

श्रीकृष्ण: पाञ्चजन्य
अर्जुन: देवदत्त
भीम: पौण्ड्र (यह अत्यंत विशाल और भयानक ध्वनि वाला था)
युधिष्ठिर: अनंतविजय
नकुल: सुघोष
सहदेव: मणिपुष्पक

विजय का प्रतीक

अर्जुन का 'देवदत्त' शंख उनकी विजय का प्रतीक था। यह शंख केवल युद्ध की घोषणा के लिए ही नहीं, बल्कि युद्ध के दौरान महत्वपूर्ण क्षणों में सेना को संकेत देने और शत्रुओं को मानसिक रूप से पराजित करने के लिए भी उपयोग किया जाता था।

ईश्वर, गुरु या हम स्वयं, कौन कर सकता है हमारा कल्याण

ईश्वर सबके लिए कल्याणकारी हैं, लेकिन केवल अर्जुन जैसे समर्पित भक्तों का ही कल्याण हो पाता है। योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन और दुर्योधन दोनों का कल्याण करना चाहा, परन्तु दुर्योधन का कल्याण नहीं हो पाया, केवल अर्जुन ने ही समर्पित होकर ईश्वर के बताए मार्ग पर बिना शंका के चलने का संकल्प लिया।

स्वामी रामसुखदास कहते हैं, कल्याण न गुरु से होता है और न ईश्वर से होता है, बल्कि हमारी सच्ची आस्था एवं लगन से ही हमारा कल्याण हो सकता है, खुद की लगन के बिना भगवान भी कल्याण नहीं कर सकते हैं। अगर कर देते तो आज तक सभी लोग कल्याण से वंचित ही क्यों रहते। देखा जाए तो इस भूधरा पर न तो गुरु का अभाव है, न संत-महात्माओं का अभाव है और न ही भगवान का अभाव है, अभाव है तो केवल मनुष्य के अन्दर सच्ची आस्था एवं समर्पण का।

दुर्योधन एवं अर्जुन के दृष्टान्त से यह पता चलता है कि जब हमारी स्वीकृति के बिना सर्वशक्तिमान ईश्वर भी हमारा कल्याण नहीं कर सकते हैं, तो फिर किसी मनुष्य में क्या शक्ति होगी कि वह हमारा कल्याण कर दे। कितने ही अच्छे गुरुजन हों, संत हों पर आपकी इच्छा के बिना कोई आपका उद्धार नहीं कर सकता है। स्वामी रामसुखदास जी आगे कहते हैं, अगर आप अपने उद्धार के लिए तैयार हो जाओ, तो संत-महात्मा ही नहीं, चोर-डाकू भी आपकी सहायता करेंगे, दुर्जन भी आपकी सेवा करेंगे। ज्योतिष शास्त्र के अध्ययन से यह देखने को मिला है कि कभी-कभी जन्मकुण्डली में ऐसे ग्रह योग होते हैं कि आपको कोई दुःख देने की नीयत से कार्य करता है, परन्तु अन्तिम परिणाम आपके लिए अपने आप लाभदायक हो जाता है। भगवान ने गीता में स्पष्ट कहा है।

अपने द्वारा अपना उद्धार करें, अपना पतन न करें, क्योंकि आप ही अपने मित्र हैं और आप ही अपने शत्रु हैं। अपने उद्धार और पतन में मनुष्य स्वयं ही कारण है, दूसरा कोई नहीं। गुरु, सन्त और भगवान भी तभी उद्धार करते हैं, जब मनुष्य स्वयं उन पर श्रद्धा-विश्वास करता है, उनको स्वीकार करता है, उनके सम्मुख होता है, उनकी आज्ञा का पालन करता है। जो अपने उद्धार और पतन में दूसरों को हेतु मानता है, उसका उद्धार कभी हो ही नहीं सकता है, अतः अपने उद्धार और पतन में हम ही हेतु और सेतु हैं।

प्रेमानंद महाराज के 20 प्रेरक विचार

अच्छे लोग भीड़ की स्वीकृति नहीं चाहते, वे सच्चे रिश्ते चाहते हैं।

दुनिया सच से डरती है, इसलिए सच्चे लोग छोड़ दिए जाते हैं।

जो दूसरों का दर्द समझता है, उसे समझने वाला कम मिलता है।

खामोशी को कमजोरी समझा जाता है, जबकि यही सबसे बड़ी ताकत है।

सीमाएं तय करना रिश्तों को कम करता है, पर आत्मसम्मान बचाता है।

जो सिद्धांतों पर चलता है, वह अकेला चलता है, लेकिन मजबूत रहता है।

अच्छे लोग माफ़ कर देते हैं, पर अपनी आत्मा नहीं बेचते।

दुनिया उन्हें पसंद नहीं करती जिन्हें इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

अकेलापन दंड नहीं, सच्चाई का चुनाव है।

एकांत आत्ममंथन कराता है और इंसान को निखारता है।

अच्छे लोग उम्मीदें कम रखते हैं, इसलिए दिल कम टूटता है।

वे रिश्तों में संख्या नहीं, गुणवत्ता देखते हैं।

जहाँ भावना का हिसाब-किताब शुरू होता है, अच्छे लोग पीछे हट जाते हैं।

ज़रूरत बनकर नहीं, सम्मान बनकर रहना चाहते हैं।

खुद पर भरोसा करना सीख लेने के बाद कोई कमी नहीं रहती।

अकेलापन इंसान को तैयार करता है, तोड़ता नहीं।

बार-बार ठोकरें मिलने पर अच्छाई छुप जाती है, खत्म नहीं होती।

हर सवाल का जवाब देना जरूरी नहीं होता।

जब अकेले रहना स्वीकार हो जाए, तब इंसान आज़ाद हो जाता है।

अच्छे लोग देर से चमकते हैं, लेकिन उनकी रोशनी सच्ची होती है।

सफलता और धन दौलत पाने के लिए उत्तम व्यक्तित्व का होना जरूरी है

व्यक्तित्व प्रभावी होगा तो कर्म में प्रकट होगा, यह आपको जीवन में साफ साफ दिखाई देने लग जाएगा। आपके विचारों से ही आपका व्यक्तित्व बनता है और वही आपको सफलता और असफलता दिखाता है। किसी भी चीज के लिए मनुष्य को किसी ओर पर दोष नहीं लगाना चाहिए क्योंकि जीवन के चाबी केवल आपके पास होती है...

देखो, हमारे आसपास दुनिया में क्या चल रहा है। अपना प्रभाव चलाना, यही दुनिया है। हमारी शक्ति का कुछ अंश तो हमारे शरीर धारण के उपयोग में आता है, पर हमारी शक्तियों का प्रत्येक अंश दूसरों पर अपना प्रभाव डालने में व्यय होता रहता है। हमारे शरीर, गुण, बुद्धि और हमारा आत्मिक बल- ये सब लगातार दूसरों पर प्रभाव डालते आ रहे हैं। इसी प्रकार दूसरों का प्रभाव भी हम पर पड़ता चला आ रहा है। हमारे आसपास यही चल रहा है।

एक प्रत्यक्ष उदाहरण है। एक मनुष्य तुम्हारे पास आता है। वह खूब शिक्षित है, उसकी भाषा भी सुंदर है। वह तुमसे एक घंटा बात करता है, फिर भी वह अपना असर नहीं छोड़ पाता। दूसरा मनुष्य आता है। वह चंद शब्द बोलता है। शायद वे शब्द शुद्ध और व्यवस्थित भी नहीं होते, फिर भी वह खूब असर कर जाता है। यह तुममें से बहुतों ने अनुभव किया है। इससे स्पष्ट है कि मनुष्य पर जो प्रभाव पड़ता है वह सिर्फ शब्दों से नहीं होता। विचार भी शायद प्रभाव का एक-तिहाई ही पैदा करते होंगे। पर बाकी दो-तिहाई प्रभाव उसके व्यक्तित्व का ही होता है। जिसे तुम व्यक्तित्व आकर्षण कहते हो, वही प्रकट होकर तुम पर अपना असर डाल देता है।

प्रत्येक कुटुंब में एक मुख्य संचालक होता है। कोई संचालक यशस्वी होता है, कोई नहीं। ऐसा क्यों? जब हमें अपयश मिलता है तो हम दूसरों को कोसते हैं। अपयश आने पर प्रत्येक मनुष्य अपना कसूर और अपने दोष नहीं, बल्कि यह दिखलाने की कोशिश करता है कि वह निर्दोष है और सारा दोष किसी मनुष्य या किसी वस्तु पर, और दुर्भाग्य पर मढ़ना चाहता है।

जब घर का प्रमुख कर्ता सफलता न प्राप्त कर सके तो उसे यह सोचना चाहिए कि कुछ लोग अपना घर किस प्रकार अच्छी तरह चला सकते हैं और दूसरे क्यों नहीं? मनुष्य जाति के बड़े-बड़े नेताओं की बात ली जाए तो हमें सदा यही दिखाई देगा कि उनका व्यक्तित्व ही उनके प्रभाव का कारण था। अब बड़े-बड़े प्राचीन लेखक और दार्शनिकों की बात लो। सच पूछो तो असल और सच्चे विचार उन्होंने हमारे सम्मुख कितने रखे हैं? बीते समय के नेताओं ने जो कुछ लिख छोड़ा है उसका विचार करो। उनकी लिखी हुई पुस्तकों को देखो और प्रत्येक का मूल्य आंको। जिन्हें हम असल, नए और स्वतंत्र विचार कह सकते हैं, वे इस संसार में सिर्फ मुट्ठी भर ही हैं। लोगों ने जो विचार हमारे लिए छोड़े हैं उनको उन्हीं की पुस्तकों में से पढ़ो तो वे हमें कोई बहुत बड़े नहीं प्रतीत होते। फिर भी अपने जमाने में वे बहुत बड़े हो गए हैं। ऐसा क्यों होता है। सिर्फ उनके सोचे हुए विचारों के कारण ही नहीं, न उनकी लिखी हुई पुस्तकों के कारण ही, और न यह कि अपने दिए हुए भाषणों के कारण ही वे बहुत बड़े प्रतीत होते थे। बल्कि किसी एक-दूसरी ही बात के कारण ऐसा प्रतीत होता है और वह है उनका व्यक्तित्व।

जैसा कि मैं पहले कह चुका हूं, व्यक्तित्व दो-तिहाई ही होता है और बाकी एक-तिहाई होती है मनुष्य की बुद्धि और उसके कहे हुए शब्द। सच्चा मनुष्यत्व या उसका व्यक्तित्व ही वह वस्तु है, जो हम पर प्रभाव डालती है। हमारे कर्म हमारे व्यक्तित्व के बाह्य आविष्कार मात्र हैं। प्रभावी व्यक्तित्व कर्म के रूप से प्रकट होगा ही। इस कारण के रहते हुए कार्य का आविर्भाव अवश्यंभावी है।

हंसने के तरीके से जानें जीवन के कई रहस्य

हर किसी की मुस्कान बेहद खूबसूरत होती है। लेकिन हर व्यक्ति के हंसने का तरीका अलग-अलग होता है। कोई खुलकर हंसता है, कोई आंखें बंद करके हंसता है, इसी प्रकार सभी की मुस्कान अलग होती है। हस्तरेखा शास्त्र और सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार हमारी मुस्कान हमें अपने जीवन और व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ बताती है। तो आइए विस्तार से जानते हैं कि हमारे हंसने का तरीका व्यक्तित्व और भविष्य के बारे में क्या-क्या बताता है।

ऐसी हंसी होती है सबसे उत्तम

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, हंसते वक्त जिन लोगों के दांत बाहर की ओर नहीं आते हैं उन्हें बहुत उत्तम माना जाता है। ऐसे लोगों का व्यक्तित्व बहुत अच्छा होता है और इनका स्वभाव भी बहुत सरल होता है। इन लोगों को विश्वास योग्य भी माना जाता है। ये लोग किसी का भी विश्वास नहीं तोड़ते हैं और हमेशा साथ खड़े रहते हैं। जिन लोगों के दांत हंसते वक्त न दिखाई दे उन्हें बहुत सौभाग्यशाली माना जाता है। ऐसी हंसी वाले मन की बात नहीं करते जाहिर।

ऐसी हंसी वाले मन की बात नहीं करते जाहिर

माना जाता है कि जो व्यक्ति हंसते वक्त अपनी आंखें बंद कर लेता है, ऐसे लोग अपने मन की बात खुलकर किसी के सामने नहीं रखते हैं। आंखें बंद करके हंसने वाले लोग कई बातों को अपने मन में छिपाकर रखते हैं। कोई परेशानी आने पर भी ये बात को अंदर ही रखते हैं और समस्या का सामना अकेले करते हैं। ये लोग अपने तरीके से जीवन जीना पसंद करते हैं।

ऐसे लोग जीवनभर करते हैं उन्नति

आपने कई लोगों को देखा होगा कि वे हमेशा मुस्कुराते हुए नजर आते हैं और उनके चेहरे पर एक हल्की हंसी जरूर रहती है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जिनका मुख हमेशा मुस्कुराता हुआ रहता है वह जीवन में खूब उन्नति करते हैं। इन्हें कभी भी किसी चीज की कमी महसूस नहीं होती है। साथ ही, अपनी मेहनत से हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करते हैं और बेहतर जीवन व्यतीत करते हैं।

स्त्री की ऐसी हंसी होती है सौभाग्यशाली

स्त्री की ऐसी हंसी होती है सौभाग्यशाली हस्तरेखा शास्त्र के मुताबिक, जिन महिलाओं के हंसते वक्त दांत नहीं दिखाई देते हैं और वे थोड़ा सा मुख खोलकर हंसे, ऐसी स्त्रियों को बहुत सौभाग्यशाली माना जाता है। ऐसी महिलाएं अपने मन की प्रसन्नता को खुलकर व्यक्त करती हैं। साथ ही, ये शांति पसंद करती हैं और किसी भी परिस्थिति में धैर्य रखती हैं। यही कारण है कि ये मुश्किल परिस्थिति से भी आसानी से निकल जाती हैं और जीवन में भी खूब तरक्की करती हैं।

खुलकर जीवन जीती हैं ऐसी महिलाएं

खुलकर जीवन जीती हैं ऐसी महिलाएं आपने कई स्त्रियों को एकदम खुलकर यानी ठहाका मारकर ऊंचे स्वर में हंसते हुए देखा होगा। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जो महिलाएं ठहाका मारकर हंसती हैं वे अपने तरीके से जीवन जीना पसंद करती हैं और दुनिया की परवाह नहीं करती हैं। इन्हें खुलकर जीना पसंद होता है। चाहें लोग इन्हें अहंकारी ही क्यों न समझें, ये जिंदादिली से जीवन जीना पसंद करती हैं।

इन्हें उठानी पड़ती हैं परेशानियां

हस्तरेखा विज्ञान में बताया गया है कि जो हंसते वक्त तेज आवाज निकालते हैं, उनका व्यवहार थोड़ा बदलने वाला होता है। ये परिस्थिति के अनुसार अपने आप को बदल लेते हैं। साथ ही, ये बहुत बुद्धिमान और चतुर भी होते हैं। इसी के चलते अपना काम भी बहुत आसानी से पूरा कर लेते हैं। लेकिन कहा जाता है कि तेज हंसने वालों को जीवन में कठिनाइयों और बाधाओं का सामना भी करना पड़ता है।

बच्चों की मेंटल हेल्थ ठीक रखने के लिए ध्यान से जोड़ें

आज माता-पिता अपने बच्चों की मेंटल हेल्थ को लेकर बड़े परेशान हैं। पूरी दुनिया में भारत के युवा सबसे ज्यादा करियर ओरिएंटेड माने जाते हैं। तो भविष्य के प्रति यह गंभीरता तो युवा पीढ़ी में है, लेकिन जब यह बचपन युवा होगा, तब क्या होगा? ऐसा कहते हैं कि इच्छा की यात्रा पर निकले हुए व्यक्ति अपनी नींद खो देते हैं। इच्छा रखना मनुष्य का स्वभाव है। फिर इच्छा लालसा में बदलती है। लालसा वासना में तब्दील होती है और वासना फिर परेशान करती है। पहले युवा लोग बहुत जल्दी प्रतिक्रिया देते थे। लेकिन अब बच्चे भी ऐसा करने लग गए हैं। एक्शन में उतनी ऊर्जा नहीं लगती, जितनी रिएक्शन में खर्च हो जाती है। मनुष्य के मन में एक चुम्बक होता है। हम जो सोचते हैं, उस परिस्थिति को वो खींचता है।आज बचपन जो सोच रहा है, उसकी जरूरत उस उम्र में नहीं है। और उम्र से पहले ही कुछ बातें यदि मन में उतर जाएं तो उसकी प्रतिक्रिया खतरनाक ही होती है। बच्चों की मेंटल हेल्थ को यदि ठीक रखना है तो समय रहते उनको मेडिटेशन से जरूर जोड़ा जाए।

लाल किताब के ये उपाय धन संबंधी समस्याओं से दिलाएंगे राहत, बढ़ेगी बरकत

लाल किताब के उपायों को बहुत प्रभावशाली माना जाता है। अगर आप जीवन में धन संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो लाल किताब के कुछ सरल और असरदार उपाय करके देख सकते हैं। इनके प्रभाव से रुका हुआ धन वापस मिल सकता है और घर में बरकत बढ़ती है।

कई बार जीवन में कड़ी मेहनत और प्रयास करने के बाद भी अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होते हैं। ऐसे में व्यक्ति को एक के बाद एक कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। नौकरी मिलने में बाधा, धन अटकना, पैसों की तंगी, तरक्की में रुकावट आदि आर्थिक बाधाएं व्यक्ति को परेशान करने लगती हैं। लेकिन लाल किताब में इन समस्याओं से राहत पाने के उपाय बताए गए हैं। दरअसल लाल किताब ज्योतिषशास्त्र की ही एक शाखा है जिसके उपायों को बहुत प्रभावशाली, सटीक और आसान माना जाता है। ऐसे में लाल किताब के कुछ उपाय करने से जातक को धन संबंधी समस्याओं से निजात मिल सकती है।

धन-धान्य में वृद्धि के लिए करें यह उपाय

लाल किताब के अनुसार, ऑफिस या अपने रोजमर्रा के कार्यों को पूरा करने के बाद घर लौटते समय खाली हाथ नहीं जाना चाहिए। इसकी बजाए अपने घर कुछ न कुछ जरूर लेकर जाना चाहिए। ऐसा करने से घर में धन-धान्य में वृद्धि होती है।

फंसा हुआ धन प्राप्त करने का उपाय

अगर लंबे समय से आपका पैसा कहीं अटका हुआ है को लाल किताब का सरल उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए प्रतिदिन नियमित रूप से लाल मिर्च के 11 बीज लेकर उसे एक लोटा जल में डालें। अब इस जल से सूर्य को अर्घ्य दें। फिर, सूर्यदेव के मंत्रों का जाप करते हुए मन में धन वापस प्राप्त करने की कामना करनी चाहिए। इस उपाय को करने से फंसा हुआ धन मिलने के नए मार्ग खुल सकते हैं।

जीवन में सुख-समृद्धि का उपाय

माना जाता है कि घर की पहली रोटी गाय को और आखिरी रोटी कुत्ते को देनी चाहिए। इससे धन लाभ के द्वार खुल सकते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, लाल किताब के मुताबिक हर शनिवार के दिन काले कुत्ते को तेल से चुपड़ी रोटी खिलानी चाहिए। साथ ही मन में धन-धान्य के बने रहने की मनोकामना करें। इस उपाय को करने से शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

घर में बरकत बढ़ाने का उपाय

लाल किताब के अनुसार, गेहूं पिसवाने से पहले उसमें 11 तुलसी के पत्ते और थोड़ा सा केसर डालें। अब इसमें से एक मुट्ठी गेहूं को लेजाकर अपने मंदिर में रखें। विधिपूर्वक पूजा के बाद एक रात के लिए गेहूं के मिश्रण को वहीं रखा रहने दें। अगले दिन उसे उठाकर बाकी गेहूं मिलाकर पिसवा लें। इस उपाय को करने से घर में बरकत बढ़ती है और धन में भी वृद्धि हो सकती है।

अचानक धन प्राप्ति का उपाय

लाल रंग के वस्त्र में पांच गोमती चक्र बांधकर एक पोटली बना लें। इसके पश्चात पोटली शुक्रवार के दिन अपने कार्यालय की चौखट पर बांध दें। इस उपाय को करने से अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, लाभ के मार्ग खुल सकते हैं। इस उपाय को श्रद्धा पूर्वक और शांत मन से करना चाहिए। लाल किताब के अनुसार उपाय को कभी भी अधूरी नहीं छोड़ना चाहिए। इन उपायों को दिन के समय करना उत्तम माना जाता है। साथ ही, एक दिन में एक ही उपाय करना चाहिए। नियम पूर्वक उपाय करने से जातक के धन-धान्य में वृद्धि हो सकती है।

विश्व महिला क्रिकेट की यशस्विनी : हरमनप्रीत

वर्ल्ड कप जीतकर रचा इतिहास

अतुल कुमार

गत वर्ष आई सी सी महिला विश्व कप जीतने के बाद क्रिकेट का टांसाफार्मेशन हुआ . जिस खेल में पुरुषों की मनोपली होती वह टूटी और खेल प्रेमियों ने रातों रात अपनी रुचि को बदल महिला क्रिकेट के प्रति अपनी दिलचस्पी को सहर्ष बढाया . जिससे खेल का रूपांतरण हुआ . जो खेल प्रेमी क्रिकेट को पुरुषों का गेम मानते उनकी सोच बदली जिसका श्रेय आई सी सी महिला विश्व कप की यादगार जीत को है जिसने खेल की स्क्रिप्ट को बदला . इससे उन महिला खिलाडियों की घर घर में चर्चा होने लगी जिनको लाइटली लिया जाता था .वास्तव में पिछले साल जीते गये आई सी सी महिला विश्व कप खिताब ने इतिहास को बदला और उसे इस मुकाम तक ले गये जहां से उसे शोहरत की नयी बुलंदियां मिलीं . खेल को इस टर्निंग पाइंट तक पहुंचाने का श्रेय विजयी टीम की आलराउंडर कप्तान और विस्फोटक बल्लेबाज़ हरमनप्रीत कौर की शानदार कप्तानी को है जिन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को नयी पहचान दी .किसी ने खूब लिखा "मैदान में जब वो उतरती हैं तो आसमान चूमती हैं / यह नारी शक्ति है साहेब ,जो हर रिकार्ड को तोडती हैं //

महिला क्रिकेट को हरमनप्रीत जिस शिखर तक ले गयीं वह खेल का सुनहरा अध्याय बना . सन 2009 में वन डे इंटरनेशनल से खेल जीवन की शुरुआत की सन 2017 में खेले गये विश्व क्रिकेट कप में 171 रन (नाट आउट) की पारी खेल क्रिकेट प्रेमियों के बीच अपने नाम और खेल कौशल की धूम मचायी .बचपन में लडकों के साथ क्रिकेट खेल अपनी बल्लेबाज़ी की धार को तेज़ी दी .उनको बडी जीत की बेसब्री से प्रतीक्षा थी क्यों कि पुरुष क्रिकेट को मिल रहे महत्व और ख्याति को देख उनके मन में हमेशा यह खयाल चलता कि हम में और उनमें क्या फर्क है ?

महिला क्रिकेट में हरमनप्रीत के आगमन से क्रिकेट ने आक्रामक रुख अपनाया .यद्यपि इसकी शुरुआत मिताली राज ने की लेकिन इसे फार्मेट के अनुसार हरमनप्रीत ने बदला और खेल को और लडाकू तथा नतीजे तक पहुंचाने का कार्य नये बदलाव के रूप में सामने लाया . पुरुष क्रिकेट की तुलना में कहीं कोई कमी नहीं की धारणा को स्थापित किया .जो महिला क्रिकेट के लिये फलदायी साबित हुआ .सन 2025 तक विश्व कप वन डे में 3000 से अधिक रन बनाने वाली केवल तीन भारतीय महिलाओं में से वो एक हैं . महिला प्रीमीयर लीग (डब्ल्यू पी एल) में वह मुंबई इंडीयंस की कप्तान हैं और 2023 तथा 2025 में इस खिताब पर जीत का सिक्का जमाया .

हरमनप्रीत का जन्म महिला दिवस (8 मार्च) को हुआ तब उनके जन्म पर रिश्तेदार खुश नहीं थे और कहते कि " बेटा होता तो अच्छा रहता " इस संकीर्ण सोच को हरमनप्रीत ने बडे साहस से तोडा और पूरी दुनिया में भारतीय महिला क्रिकेट के परचम को फहरा यह सिद्ध किया कि आधुनिक दुनिया में बेटियां किसी से कम नहीं . इसके बाद भी क्या ढकोसली सोच बदलेगी ?आज जीवन के हर क्षेत्र में बेटियों का बढना इस बात का प्रतीक है कि पुरानी सोच बदल चुकी है . बचपन में जब वह ट्रेनिंग के लिये जाती थीं तब पुरुष साथी खिलाडी उनके साथ अक्खड अंदाज़ की भाषा में बोलते लेकिन पिता हरमिंदर सिंह जो खुद एक अच्छे वालीबाल और बास्केटबाल के खिलाडी थे ने उनको समझाया कि लक्ष्य से भटके नहीं इसलिये वह शांत रहतीं .

पुरुष टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की तरह ही हरमनप्रीत 7 नंबर की जर्सी पहनती हैं .प्रसंगानुसार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट जीवन की शुरुआत में एक टूर के लिये उन्हें एक लाख रुपये मिले तब बहुत इमोशनल हो टी डी एस कटने के बाद की राशि रु 90 हज़ार को अपने माता पिता को दिया तब पूरा परिवार खुशी से भावुक हो गया . हरमनप्रीत की विश्व रैंकिंग में आज ज़ोरदार उछाल देखने को मिलती है .वह दुनिया की सबसे अच्छी 10 बल्लेबाज़ों में शामिल हैं .वीरेंद्र सहवाग से प्रेरित इस आक्रामक आल राउंडर की नीति हमेशा " गेंद को देखो और मारों " की रही . वह बिग बैश लीग (डब्लू बी बी एल) में शामिल होने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर हैं .महिला प्रीमियर लीग के इतिहास में 1000 से अधिक रन बनांने वाली पहली कप्तान हैं . शुरु में वो तेज़ गेंदबाज़ थीं लेकिन बाद में आफ – स्पिनर बन गयीं . 180 से अधिक अंतराष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया .

पंजाब के मोगा में 8 मार्च 1989 को जन्मी इस खिलाडी ने खेल को जो उंचाइयां प्रदान कीं वह क्रिकेट के पूरे परिदृश्य को बदलने वाला साबित हुआ है . पिछले वर्ष पहली बार आई सी सी विश्व कप जीत इस बडी सफलता को पूर्व खिलाडियों जैसे मिताली राज , और झूलन गोस्वामी को समर्पित किया जिसकी खेल जगत में बहुत सराहना हुई .बीती 25 जनवरी को जब भारत सरकार की ओर से 2026 के पद्म पुरस्कारों की सूची जारी की गयी तो उनमें एक नाम हरमनप्रीत कौर का भी है . यह सफलता एक ऐसी यशस्विनी क्रिकेट खिलाडी की है जिसने भारतीय महिला क्रिकेट के सूरते हाल को बदला है . उनकी इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए उनके पिता हरमिंदर सिंह ने कहा " हरमनप्रीत की सफलता देश भर की युवा लडकियों को एक शक्तिशाली संदेश देती है कि वह भी अपने अपने क्षेत्रों में तरक्की करें .कहा अन्य माता पिता अपनी बेटियों को कोख के अंदर ना मारो ,उनको को भी आगे बढने का मौका दो जैसे आज मेरी बेटी ने मेरा नाम रौशन किया है वैसे ही कल तुम्हारी बेटी भी तुम्हारा नाम रौशन करेगी "

हरमनप्रीत का क्रिकेट का सफर हिम्मत ,पक्के इरादे और मज़बूत इच्छा शक्ति की जीवंत मिसाल है खेल की बुलंदियों तक पहुंचने के लिये उन्होंने जिस अग्रेशन , फिटनेस और कांफिडेंस पर फोकस किया और खेल के सभी फार्मेट्स की धुरंधर खिलाडी बनीं वह खेल के प्रति उनके समर्पित भाव की सक्सेस स्टोरी को बताता है . बैटिंग ,बोलिंग और फील्डिंग के इस खेल की वो ऐतिहासिक खिलाडी बन गयी हैं जिसे उन्होंने एक जुनून से हासिल किया है . किसी ने खूब लिखा " हार को हरा कर – मुश्किलों को चीर कर ,आगे बढती है वो अपनी किस्मत खुद लिख कर /नारी शक्ति का परचम लहराती है ,वो शान है देश की , जो हौसलों से जीतती है // हरमनप्रीत कौर ने यही किया .

काव्य कुंज

जज्बात की रेखा

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

हमारे बीच ही हरदम थी
एक जज्बात की रेखा,
मगर तुम ही नहीं समझे
कभी वो प्रेम की रेखा ।
तुम्हारे मन में हरदम ही
दिखा संग्राम की रेखा
मगर तुम देख ना पाए
मोहब्बत की घनी रेखा ।
कोई मंदिर नहीं ऐसा जहां मांगे ना मन्नत हम
मगर फिर भी ना समझे तुम प्रबल भावों की वो रेखा ।
हमारी ओर से ना थी कभी संग्राम की रेखा
सदा करते मोहब्बत ही तुम्हारी रूह ने देखा ।
कभी तुम पढ़ नहीं पाए मेरे दिल की सरल रेखा
मिटा खुद तुमने ही डाला हमारे कर से वो रेखा ।
मसल कर प्रेम को तुमने बनाया झूठ की रेखा,
कलंकित कर दिया तुमने मोहब्बत पाक की रेखा ।

चेतावनी

पी एन गुप्ता
हैदराबाद

संवाद नहीं अब रण होगा,
पहले से कहीं भीषण होगा।
अब हम पर निर्भर है तेरा,
जीवन होगा कि मरण होगा।
पहलगाम की घाटी में
निर्दोषों का ख़ून बहाया है,
तूने सांप के फन पर पैर रखा
और सोता सिंह जगाया है।
तू आगे मौत तेरे पीछे,
न कहीं तेरा रक्षण होगा।
है बहुत सहा हमने अब तकअब और नहीं सह पाएंगे,
अब जो होगी तेरी हालतफ़रिश्ते भी तुझे याद आएंगे।
अब बच न सकेगा तू हमसे,मृत्यु से तेरा वरण होगा।
जो कांड किया तूने उसकीभरपाई तुझे करनी होगी,
अब जैसी है करनी तेरी वैसी तेरी भरनी होगी।
अंतिम सांसें गिन ले अपनी,तिल तिल कर तेरा क्षरण होगा।
जूते मारेगी थूकेगी तुझ परजनता का ग़ुस्सा फूटेगा,
अंगारा आंख से बरसेगातू बूंद बूंद को तरसेगा,
जब होगी ऐसी हालत तेरी,तब मेरा प्रण पूरण होगा।
लेकरके हाथ कटोरा तू दुनिया से भिक्षा मांगेगा,
मर चुका है तेरा स्वाभिमानअब वह शायद ही जागेगा।
टूट टूट कर बिखरेगा, यह वतन तेरा कण कण होगा।
संवाद नहीं अब रण होगा,पहले से कहीं भीषण होगा।
ताउम्र जिसे तू याद रखे,जीवन में तेरे वह क्षण होगा।

बदलाव

डॉ टी महादेव राव

मुझे स्वयं को बदलना होगा जैसे मौसम बदलते हैं
जैसे सूर्य का इस छोर से उस ओर जाना
जरूरी है मुझ में रेखांतरीय बदलाव
कई बार अतीत सा कई बार वर्तमान सा बदलकर
एक सजीव पुल के धराशायी होने से पहले
किसी के चारों ओर घूम कर थक जाने से पहले
मुझे खुद की परिक्रमा करनी होगी '
वरना मेरे शरीर में कठोर या
कोमल सांप जुड़कर विष इकट्ठा करेंगे
यात्रा एकाकी है-
संगीत कभी एक बार रुक जाएगा-
मोमबत्ती से टपके सायों में मेरे पंख
जल जाएंगे - मुझे मालूम है
कुछ भी हो उसे पत्ते सा झड़ जाना होगा
लेकिन पके हुए फल की तरह
या सड़े हुए देह सा
या किसी के फेंके गए तारे सा
टूटकर गिरने से पहले
अपने सारे अंगों को
मुझ से अलग करना होगा
उनके बदले कविताओं के
सपने देखने होंगे
हवा पानी आग जमीन आसमानों की तरह
नजरों को सिर्फ कविताएं ही देखनी है
सारे मनुष्य कविताएं बनकरढ़ कविता में ही संवाद करेंगे
विषाक्त हो चुके रक्त को,मंद हो चुकी बुद्धि को
कविता में ही उबालना होगा
अभी मुझे स्वयं को महान कविता के रूप में
बदल कर भावेद्वेगों को कविता-बीज बनाकर बोना होगा
बदलाव के लिए किसी को क्या चाहिए
मनुष्य कविता में बदल जाए और क्या
घाव के लिए दवा है कविता ही।।

मनहरण घनाक्षरी

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

सितारों की बारात है,
अमावस की रात है,
दीप दीप जलाकर,
रोशनी फैलाइये ।
ये अंधेरा है घनेरा,
कुछ देर में सवेरा,
तब तक एक दीप,
राह में जलाइये ।
मित्र धन ही बढ़ाना ,धन तो है आना जाना,
मित्रता की महक से महकते जाइये ।
जिंदगी के रंग ढंग,सुख दुख रहे संग,
सुख दुख सम मान, जिंदगी बिताइये ।

ईश्वर इतना पास भी हो सकता है

संजीव ठाकुर,
रायपुर

माँ चुपचाप आँगन में
धूप को तह कर रखती
ताकि शाम को
बच्चों को ठंड न लगे,
बाप दीवार को अपने थके
हुए हाथों से साधे
घर को गिरने से बचाए
रखने का लगातार प्रयास करते।
हम रोज़ मंदिर की चौखट पर घंटी बजाते
पत्थर के कानों में अपनी अपनी प्रार्थनाएँ रखते ।
घर लौटकर माँ की आवाज़ नहीं सुनाई देती
बाप की चुप्पी नहीं पढ़ पाते,
जिस ईश्वर को हम तलाश करते
वह रोटी में नमक बनकर माँ की हथेली में बैठा।
वह छाया बनकर बाप के कंधों पर सारा जीवन चलता रहा,
माँ-बाप को पहचानना कोई बड़ा शास्त्र नहीं
यह बस इतना है कि उनके सामने
आवाज़ थोड़ी धीमी रखी जाए मन थोड़ा झुका हुआ हो।
जो माँ की आँखों में भीगती प्रार्थना नहीं देखता
जो बाप के पसीने में ईश्वर की गंध नहीं पहचानता
वह कितनी भी मूर्तियाँ पूज ले उसकी पूजा अधूरी रहती ।
माँ-बाप पहले देवता नहीं चलते-फिरते जीवन
उन्हें छूकर देखा जाए
तो समझ में आताकि ईश्वर इतना पास भी हो सकता ।

सेल्फी का दौर है

गजानन पाण्डेय

सेल्फी का दौर है
दिखावे का शोर है
मोबाइल से रिश्ता है
किसी से न वास्ता है ।
दिलों में न प्यार है
स्वार्थ का व्यवहार है
मन में लोभ है
धन ही सब कुछ है ।
समाज से दूर होता
आज का हर शख्स है
अकेलेपन को झेल रहा
आज का वृद्ध समाज है ।

नई पीढ़ी ! को क्या हो गया है ?

कुमुद बाला,
हैदराबाद

उन स्वतंत्रता सेनानियों के ,
पदचिन्हों पर चलकर
अनुभूति शांति की होती है।
इन बारीकियों को आखिर ,
यह नई अद्भुत पीढ़ी
क्योंकर समझ नहीं पाती है ?
क्या आज़ादी के दीवानों को
घर अपना नहीं था प्यारा ?
क्या उनके माता- पिता को
देश का बेटा नहीं था प्यारा ?
सीखो नौजवानों इनसे चलो इनके सुवर्ण पदचिन्हों पर,
स्वर्णाक्षरों में लिखा जायेगा भारत का इतिहास प्यारा।
सभी लाइक , फॉलो , सब्सक्राइब करने में माहिर
फिर भाषण क्यों न समझती है ?
उन स्वतंत्रता सेनानियों के , पदचिन्हों पर चलकर
अनुभूति शांति की होती है
इन बारीकियों को आखिर , यह नई अद्भुत पीढ़ी
क्योंकर समझ नहीं पाती है ?
स्वतंत्रता सेनानियों के दिल भी , कोमल फूल से होते थे
बस भारत माँ के आँसू देख वे,चुप नहीं बिल्कुल रहते थे
उन्हें था तिरंगा इतना प्यारा , जान की बाज़ी लगाते थे
और रुख़्सती में कफ़न ओढ़कर,घर अपने लौट आते थे
ऐसा ज़ज़्बा नई पीढ़ी में , क्यों पैदा होता नहीं
देशभक्ति ना ये समझती है ?
उन स्वतंत्रता सेनानियों के , पदचिन्हों पर चलकर
अनुभूति शांति की होती है।
इन बारीकियों को आखिर , यह नई अद्भुत पीढ़ी
क्योंकर समझ नहीं पाती है ?

बात

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

' बात ' सोच-समझकर ही किया करें।
' बात ' बात-बात में बात बनती भी है,
तो बिगड/बिगाड भी जाती है।
' बात ' से जज्बात भी
उत्पन्न कर सकती है उत्पाद।
' बात ' उतनी ही किया करें,
जो निभ सकें औ' निभा सकें।
' बात ' से ना किसी को
घात हो ना कोई आघात।
' बात ' क्रोधावस्था में
ना ही किया करें,
' बात ' सोच-विचार कर ही दिया करें,
' बात ' मन-मानी में उट-पटांग ना करें।
' बात ' जोश में होश खोकर ना ही करें तो भला है,
' बात ' चारों के बीच चल रही हो
तो बीच में दखल ना दें।
' बात ' छोटी ही क्यों न सही
है तो बड़े-बड़े काम, बना भी सकती है बिगाड भी।

किसान

टी तारासिंह
हैदराबाद

जहां तुम्हे प्यार मिले
वहां तुम्हे आंसू भी मिलेगे
यही तुम्हे जीना है
ये जिन्दगी है छोटी
हस लो , रो लो
सुधार लो अपनी जिन्दगी
किस्मत पर भरोसा न कर
मेहनत कर , पसीना निकाल
कर ले इक्ट्ठा एक एक सपना
ये तेरे खेते लहराते हरे भरे
तेरी मेहनत के , तेरे सपनो के
तू भरे सबका पेठ अन्नपूणा से
मगर तेरी ही जेबे रहे खाली - खाली
ये किस्मत है हमारे देश के किसान की ।।

दिल के राज

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

दिल की बात किसी से मत बताया करो।
राज दिल के हमेशा ही छुपाया करो।
लोग नजरों में ज़हर लिए घूमते है।
निगाहों के सामने मत जाया करो।
घर में कोई अजनबी आ जाए तो
सोफे पर उसे मत बिठाया करो।
गैरों से बातें रद्द ही करो तो अच्छा है
कुछ बोलकर खुद बदनाम न हो जाया करो।
इंतेहा हो गई बर्दाश्त करने की अब
तन्हा तन्हा आँसू न बहाया करो।
सोती हुई क़िस्मत को झिंझोड़ दो
नसीब को ख़ुद ही जगाया करो।
गमों को झेलकर आज नींद आई है
सुकून से सोने दो, मुझे न जगाया करो।
खून के रिश्ते मर चुके है रेणु अब तो
उनके लिए कभी आंसू न बहाया करो।
दिल मासूम था औलाद में फंस गया
नाशुक्री औलाद को दौलत न दिखाया करो।
बेशक घटिया हो चुके आजकल के बच्चे
बच्चो को पास भी न बिठाया करो।
ज़माना कभी नहीं रुलाता हमको
अपनों का ज़ुल्म सबको न सुनाया करो।
कोई तो मसीहा बनकर आयेगा
उम्मीद खुदा से न हटाया करो।
बेशक बाहर जाने की वजह नहीं रही तो
आइने के सामने चेहरा सजाया करो।
तन्हाई में गुजरा हसीन वक्त याद करके
खुश होलो दिल को भी हंसाया करो।
मारने वाले ने पूरी कोशिश कर ली थी
है साथ खुदा,रक़ीबों को दूर हटाया करो।

कवियों का आत्मसम्मेलन

प्रियंका सौरभ

कवि ही मंच है,कवि ही माइक,
कवि ही तालियाँ,कवि ही श्रोता।
कवि ही किताब ख़रीदता,
कवि ही कवि को बुलाता,
और सम्मान—
आपस में बाँट लिया जाता।
ये सम्मेलन नहीं,
आत्ममुग्धता का उत्सव है।
लानत है ऐसे मंच पर,
लानत है ऐसे सम्मान पर,
और उस कलम पर भीजो आज तक
दबे-कुचले की तरफ़ नहीं झुकी।
कविता का जन्म
एसी हॉल में नहीं हुआ था,
वह तो भूख, अपमान
और संघर्ष की कोख से निकली थी।
बताओ तथाकथित कवियो—
बड़े संस्थानों मेंफ़ोटोशूट करवाने से
कविता बड़ी होती है या अहंकार?
अगर तुम्हारी कविता
मज़दूर के पसीने से नहीं मिलती,
स्त्री की चुप्पी से नहीं टकराती,
और हाशिये की चीख़ से नहीं काँपती—
तो वह कविता नहीं, सुविधा की सजावट है।
कविता सवाल है,सम्मान नहीं।

क्यूं हाशिए पर रख दिया?

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

प्रतिभा से उसकी डरकर,
उसे हाशिए पर रख दिया,
पुरुष प्रधान सोच के चलते
उसे किनारे पर कर दिया,
मुख्य धारा से विलग रख,
परिधि पर रहने को मजबूर किया,
अलगाव और असमानता के
बंधन में जकड़ कर,
अपने अहं की खातिर उसके स्वाभिमान को चोटिल किया,
शक्तिहीन जानकर सदियों उसका तिरस्कार किया।
सामाजिक आर्थिक निर्णयों से वंचित किया,
संसाधन-सुविधा से विमुख कर,नारी को अवसरहीन किया।
जैसे किताब के पन्ने का हाशिया ख़ाली रहता है,
वैसे ही नारी को मुख्यधारा से बाहर किया,
उसे खाली हाशिया सा समझकर,
पग-पग पर आहत किया, अस्तित्व को उसके बाधित किया।।
वैसे तो समय ने अब करवट बदली है,
स्थितियां अब कुछ -कुछ सुधरी हैं,
फिर भी मुश्किलें अभी सामने खड़ी हैं,
दुविधाएं -असमंजस अभी भी बड़ी हैं।
कितना अनूठा और प्रेरणास्पद वो दृश्य होगा,
जब स्त्री -पुरुष के सहयोग से परिवर्तन संभव होगा ।।

जीत होगी तेरी दमदार

मोनिका डागा,
चेन्नई

सत्य के पथ पर हो अग्रसर,
बढ़े जा तू कर्मों के रथ पर,
अपने सपनों को दे विस्तार,
हौसलों की बुलंद उड़ान भर ।
निराशा को पूर्णतः नकार कर,
आत्मविश्वास का कर संचार,
परिश्रम की तीव्र हुंकार भर,
लक्ष्य विजय श्री साकार कर ।
ईश्वर को कर प्रतिदिन नमस्कार,
रोम-रोम में आनंद प्रवाह कर,
साथ लेकर चल अपना परिवार,
खुद में खुशियों का उत्साह भर ।
अपनी प्रतिभा पर कर विचार,
तुझमें बसा अनुपम कलाकार,
कदमों को दे दिशा संग रफ्तार,
तू है सक्षम सुंदर सृजनकार ।
मीठी वाणी प्रेम की रसधार,
गुणवान को पूजता है संसार,
ज्ञान कौशल को बना आधार,
फिर जीत होगी तेरी दमदार ।

नवगीत/ तुषारपात

दर्शन सिंह
हैदराबाद

जिंदगी खुशियों से लब्बोलुआब
आंखें खोलीं तुषारपात
ताउम्र एकत्रित
तामझाम..
आधुनिकता
लेकिन शांति अभाव
आखिर कैसी कुशाग्रता
चीखता..
दिगदिंगत आघात लगाता तो है
तदबीर शायद सँवर जाए तकदीर
लेकिन प्रभु को नामंजूर ऐसा झंझावात
जीवन प्रश्नोत्तरी काफी जटिल
बामुश्किल एक का समाधान दूसरी तनी होती है
यही तो है राज अन्यथा पश्चाताप।।

जननायक

केएल प्रभाकर प्राण

जन-जन के आंखों का तारा
मन-मन में जिनकी कीर्ति बसेरा
दीन दुखियों को दिया सहारा
चंदा-सूरज सा उजियारा
संज्ञा है जिनकी कर्पूरी ठाकूर
यह संज्ञा सुनकर बिहार
के मन में छा जाता है बहार
ये पीड़ित जन के धड़कन प्यार
पग-पग पर अड़ना सीखो
जीना है तो मरना सीखो
क्रांति की यह विचारधारा
जनमानस का बल का नारा निकला था
जननायक के मुख के द्वारा
यथार्थता को खूब निखारा
हिंदी थी जिनकी प्रिय वाणी
हिंदी ही लिखता था जिनका पाणि
जननायक थे महान स्वतंत्रता सेनानी
जिनकी है अमर कहानी
था पहाड़ जैसे हौसला जिनके पास
जिनके कारनामों के थे हर कोई दास
आज़ादी हेतु 26 मास का कारावास
काटने में लगा उन्हें उल्लास ही उल्लास
ऐसा रहा जननायक का महान इतिहास
जिसने हासिल की थी मुख्यमंत्री की गद्दी
जनसेवा में ही लगी थी जिनकी श्रेष्ठ बुद्धि
कर्पूरी ठाकूर जी,मुख्यमंत्री रहे दो बार
जनता को हुआ उपकार ही उपकार
राजनीति को तुमने दिखाई नई दिशा
तुम ही सदाचार की परिभाषा
कुटिया-छानी जागीर तुम्हारी
जननायक की थी यही ईमानदारी
हे ! भारत के रतन दिल में रखता तुम्हें वतन।

किस्मत

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

मेरी किस्मत में तूने क्या नहीं दिया
कभी खुशी तो कभी गम दिया
ठोकरे खा खा कर
पत्थर भी संवर जाता है
ठोकरो से दुनिया ने मुझे बिखेर दिया
कोशिश बहुत करता हूँ,
किस्मत साथ नहीं देती
रोना बहुत चाहता हूँ,
दुनिया इजाजत नहीं देती
अब तो बस तेरा ही सहारा है
ऐ खुदा इस बंदे पर रहम कर
खुशियां किस्मत में दे दे,
कुछ तो तरस कर
कुछ ना शिकायत करूँगा तुझसे
सीधा मिलूँगा तेरे दरबार में
सीधा मिलूँगा तेरे दरबार में ।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

बजट से उम्मीद : सोना-चांदी सस्ता हो सकता है

ड्यूटी घटकर 4% होने की संभावना

आज यानी एक फरवरी को पेश होने वाले बजट के बाद सोना-चांदी खरीदना सस्ता हो सकता है। सरकार इस पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी को 6% से घटाकर 4% कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो सोना प्रति 10 ग्राम करीब 3 हजार और चांदी 6 हजार रुपए सस्ती हो सकती है। 2025 में सोना 75% और चांदी 167% बढ़ी है।

सोना-चांदी के बढ़ने की 5 वजहें

जंग और अनिश्चितताः दुनिया में बढ़ते तनाव (ट्रेड वॉर और जियो-पॉलिटिकल रिस्क) के कारण निवेशकों ने जोखिम कम करने के लिए सोने को 'सेफ एसेट' माना। फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म जेपी मॉर्गन के मुताबिक, अनिश्चितता ही कीमतों का सबसे बड़ा ड्राइवर रही।

कमजोर डॉलरः अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें घटाने से डॉलर कमजोर हुआ। चूंकि सोना-चांदी डॉलर में ट्रेड होते हैं, इसलिए डॉलर गिरते ही इनकी कीमतें उछल गईं।

केंद्रीय बैंकों की खरीदारीः दिसंबर 2025 तक दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के पास अब कुल 32,140 टन सोना था। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार, 2022 में केंद्रीय बैंकों ने 1,082 टन सोना खरीदा, 2023 में 1,037 टन और 2024 में रिकॉर्ड 1,180 टन सोना खरीदा। साल 2025 में भी सेंट्रल बैंकों की खरीदारी 1 हजार टन के पार होने की उम्मीद है।

चांदी की इंडस्ट्रियल डिमांडः चांदी का 50% से ज्यादा इस्तेमाल सोलर पैनल, EV बैटरी और चिप्स बनाने में होता है। डिमांड बढ़ने की वजह से चांदी ने सोने से भी ज्यादा रिटर्न दिया।

सप्लाई में कमीः माइनिंग से सोने-चांदी की सप्लाई सीमित रही, जबकि मांग बढ़ती गई। सप्लाई की इस कमी से सोने-चांदी के दामों में उछाल आया है।

फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स के मुताबिक 1 फरवरी 2026 के बजट से पहले एक साथ बड़ी खरीदारी करने से बचना ही सही रणनीति है। इसकी जगह किस्तों में निवेश का तरीका अपनाना चाहिए, ताकि कीमतों में होने वाले भारी उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम किया जा सके।

बाजार की अनिश्चितता और ऊंचे स्तरों को देखते हुए निवेशकों को तेजी के पीछे भागने के बजाय गिरावट पर खरीदारी करनी चाहिए। बजट के पहले और बाद, दोनों समय छोटी-छोटी किस्तों में बाय-ऑन-डिप्स की रणनीति अपनाना सही रहेगा। 2026 की पहली तिमाही में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, लेकिन लंबी अवधि का ट्रेंड पॉजिटिव है। एक बार में पैसा लगाने की कोशिश करने के बजाय, जब भी कीमतों में 'ठीक-ठाक गिरावट' आए, तो उसे निवेश बढ़ाने के मौके के तौर पर इस्तेमाल करें।

सोने-चांदी में निवेश के 2 तरीके

फिजिकल गोल्ड-सिल्वरः भरोसेमंद ज्वेलर्स या बैंक से सोने-चांदी के सिक्के या बार खरीद सकते हैं। निवेश के लिहाज से 24 कैरेट सोने को सबसे अच्छा माना जाता है। हालांकि, इसे घर में रखने पर चोरी का डर रहता है। बैंक लॉकर में रखने पर अलग से किराया देना पड़ता है।

गोल्ड-सिल्वर ईटीएफः इसके लिए आपके पास एक डीमैट अकाउंट होना जरूरी है। जैसे आप कंपनियों के शेयर खरीदते हैं, वैसे ही आप स्टॉक मार्केट से गोल्ड या सिल्वर ETF की यूनिट्स खरीद सकते हैं। यहां चोरी का कोई डर नहीं और शुद्धता की 100% गारंटी होती है।

जानकारों के अनुसार सरकार सोने की स्मगलिंग रोकने के लिए ड्यूटी घटा सकती है। फिलहाल 6% इंपोर्ट ड्यूटी और 3% GST को मिलाकर कुल 9% टैक्स बैठता है। ग्रे मार्केट में काम करने वाले लोग इस 9% टैक्स को बचाकर प्रति किलो सोने पर करीब 11.5 लाख रुपए का मुनाफा कमा रहे हैं। सरकार टैक्स और कम करती है, तो अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कीमतों का अंतर कम होगा और तस्करी कम होगी। सरकार ने जुलाई 2024 के बजट में सोने पर इम्पोर्ट ड्यूटी को 15% से घटाकर 6% कर दिया था। इससे डिमांड करीब 10% बढ़ गई थी। ड्यूटी कम होने से मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट घटेगी और भारतीय ज्वेलरी एक्सपोर्टर्स को ग्लोबल मार्केट में मुकाबला करने में मदद मिलेगी। EV और सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग में चांदी का ज्यादा इस्तेमाल होता है। ड्यूटी कम होने से मैन्युफैक्चरिंग बढ़ेगी, जो ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन में मदद करेगा।

बजट को बड़ा इवेंट मानकर चांदी या सोने में अभी बड़ा निवेश करना सही नहीं है। अगर आपको निवेश करना है तो हर महीने थोड़ा-थोड़ा इनवेस्टमेंट सही रहेगा। इससे रिस्क कम हो जाएगी और लॉन्ग टर्म में फायदे की संभावना बड़ जाती है।

इनवेस्टमेंट इंफॉर्मेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ICRA की को-ग्रुप हेड किंजल शाह ने कहा- अगर ड्यूटी और घटती भी है, तो उसका असर थोड़े समय के लिए ही होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि सोना-चांदी की कीमतें अंतरराष्ट्रीय ट्रेंड से ज्यादा प्रभावित होती हैं। जुलाई 2024 में 9% ड्यूटी कटौती से घरेलू कीमतों में 5% की गिरावट आई थी। इससे ज्वेलरी की बिक्री 10% बढ़ गई थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय कीमतों में आई तेजी ने इस राहत को जल्द ही खत्म कर दिया था। ज्वेलरी की बिक्री में भी करीब 10% की गिरावट आई थी।

सामाजिक समता और मानवीय गरिमा के महान उद्घोषक

बाबूलाल नागा

गुरु रविदास जयंती हिंदू चंद्र पंचांग के माघ महीने की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। यह आमतौर पर हर साल जनवरी या फरवरी में पड़ती है। 2026 में गुरु रविदास जयंती रविवार, 1 फरवरी को मनाई जाएगी। गुरु रविदास जयंती एक विशेष अवसर है जो 15वीं शताब्दी के संत, कवि और समाज सुधारक गुरु रविदास के जन्मदिवस को चिह्नित करता है। वे एक आध्यात्मिक नेता थे जिन्होंने समानता, एकता और ईश्वर के प्रति भक्ति का संदेश फैलाया। उनकी शिक्षाओं ने लोगों को जातिगत भेदभाव से उबरने और प्रेम, विनम्रता और धर्म का अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया।

गुरु रविदास जयंती

भारत की संत परंपरा में गुरु रविदास का नाम सामाजिक समता, मानव गरिमा और आध्यात्मिक चेतना के सशक्त प्रतीक के रूप में दर्ज है। गुरु रविदास जयंती केवल एक महापुरुष की स्मृति का अवसर नहीं, बल्कि उस वैचारिक विरासत को दोहराने का दिन है जिसने सदियों पहले जाति, ऊंच-नीच और भेदभाव की जड़ों पर सीधा प्रहार किया। मध्यकालीन भारत में जब समाज कठोर जाति-व्यवस्था और सामाजिक असमानताओं से जकड़ा हुआ था, तब गुरु रविदास ने अपने जीवन, कर्म और वाणी से समानता और मानवता का संदेश दिया।

गुरु रविदास का जन्म काशी (वर्तमान वाराणसी) में हुआ माना जाता है। उनका जीवन एक साधारण श्रमिक समुदाय से जुड़ा रहा, लेकिन उनकी सोच और चेतना असाधारण थी। उन्होंने यह सिद्ध किया कि आध्यात्मिक ऊंचाई किसी जाति, वर्ग या पेशे की मोहताज नहीं होती। उनके लिए मनुष्य की पहचान उसके कर्म, आचरण और मानवीय मूल्यों से थी, न कि जन्म से मिली सामाजिक श्रेणी से।

गुरु रविदास के सामाजिक योगदान का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष जाति-व्यवस्था का विरोध है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सभी मनुष्य ईश्वर की संतान हैं और उनमें कोई भेद नहीं किया जा सकता। उनके भजनों और पदों में यह संदेश बार-बार उभरता है कि ईश्वर न मंदिरों की दीवारों में सीमित है और न ही किसी एक वर्ग का विशेषाधिकार है। उनके अनुसार सच्ची भक्ति वही है जो मनुष्य को मनुष्य से जोड़ती है, न कि तोड़ती है।

उनकी वाणी ने श्रमिकों, शोषितों और वंचितों को आत्मसम्मान दिया। उस समय समाज के निचले पायदान पर रखे गए समुदायों को गुरु रविदास ने यह विश्वास दिलाया कि वे भी ज्ञान, भक्ति और मुक्ति के अधिकारी हैं। यह एक क्रांतिकारी विचार था, जिसने सामाजिक चेतना को गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने अपने जीवन से यह उदाहरण प्रस्तुत किया कि श्रम कोई हीन कार्य नहीं, बल्कि ईमानदार श्रम स्वयं में पूजनीय है।

गुरु रविदास का "बेगमपुरा" का विचार भारतीय सामाजिक चिंतन में एक अद्वितीय कल्पना है। बेगमपुरा—अर्थात ऐसा समाज जहां कोई दुःख न हो, कोई भेदभाव न हो, कोई कर या अन्याय न हो—एक समतामूलक समाज का स्वप्न था। यह केवल आध्यात्मिक कल्पना नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की स्पष्ट अवधारणा थी। आज के लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों में भी इस विचार की गूंज सुनाई देती है।

भक्ति आंदोलन में गुरु रविदास का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। उन्होंने भक्ति को कर्मकांडों से मुक्त कर जनसामान्य की भाषा और अनुभव से जोड़ा।

कद छोटा हो सकता है, हौसला नहीं डॉ. गणेश बरैया की संघर्षगाथा

श्रवण गर्ग

गुजरात के छोटे से गाँव गोरखड़ी में, जहाँ आज भी खेतों की मिट्टी किसानों के पसीने से भीगती है, एक अनपढ़ किसान बिड़ल भाई के घर एक बच्चा जन्मा। उसका नाम रखा गया गणेश। किसी ने नहीं सोचा था कि यह बच्चा एक दिन इतिहास रचेगा।

जैसे-जैसे गणेश बड़ा हुआ, यह साफ़ होने लगा कि उसका कद सामान्य बच्चों की तरह नहीं बढ़ रहा। डॉक्टरों ने बताया कि वह ड्वार्फ़िज़्म से पीड़ित है, जो एक लाइलाज स्थिति है। गणेश की लंबाई मात्र 3 फीट, वजन 18–20 किलो और शरीर का 72 प्रतिशत हिस्सा लोकोमोटर डिसएबिलिटी से प्रभावित था।

बचपन उसके लिए आसान नहीं था। गाँव के बच्चे हँसते थे, ताने मारते थे। सबसे पीड़ादायक क्षण तब आया, जब 10 साल की उम्र में एक सर्कस मंडली गाँव पहुँची और माता-पिता से कहा "इस बच्चे को हमें दे दो, हम 5 लाख रुपये देंगे।" यह सुनकर माँ की आँखों से आँसू बह निकले। उन्होंने गणेश को सीने से लगाकर कहा "मेरा बेटा कोई तमाशा नहीं है, वह इंसान है... और एक दिन बड़ा आदमी बनेगा।"

गणेश ने पढ़ाई को अपना हथियार बनाया। स्कूल में छोटे कद के कारण बेंच पर पैर नहीं पहुँचते थे, फिर भी वह सबसे आगे बैठता, सवाल पूछता और आगे बढ़ता। शिक्षक प्रोत्साहित करते, दोस्त मदद करते। एक दिन स्कूल प्रिंसिपल ने मज़ाक में कहा "गणेश, इतने छोटे कद से डॉक्टर बन गए तो वर्ल्ड रिकॉर्ड बन जाएगा।" गणेश मुस्कुराया और बोला "तो फिर रिकॉर्ड बनाकर दिखाता हूँ।"

12वीं साइंस में अच्छे अंक आए। NEET परीक्षा पास की। सपना था डॉक्टर बनकर गाँव के गरीबों का इलाज करना। लेकिन मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया ने फाइल देखकर साफ़ कह दिया "इतने छोटे कद और डिसएबिलिटी के साथ मेडिकल प्रैक्टिस संभव नहीं।"

एडमिशन रद्द कर दिया गया।

यह वह मोड़ था, जहाँ ज़्यादातर लोग टूट जाते हैं। लेकिन गणेश ने हार नहीं मानी। परिवार ने हिम्मत दी। स्कूल प्रिंसिपल, जिला कलेक्टर, शिक्षा मंत्री सबके दरवाज़े खटखटाए। मदद मिली, पर रास्ता नहीं खुला। गुजरात हाईकोर्ट भी गया, वहाँ से भी निराशा हाथ लगी।

अब एक ही रास्ता बचा था सुप्रीम कोर्ट।

लंबी कानूनी लड़ाई चली। वकील, काग़ज़, सुनवाई और इंतज़ार। गणेश के मन में एक ही डर था "अगर मैं हार गया, तो सिर्फ मेरा सपना नहीं टूटेगा, मेरे जैसे हज़ारों बच्चों का हौसला भी टूट जाएगा।"

आख़िरकार सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला आया—

"योग्यता कद से नहीं, मेहनत और ज्ञान से मापी जाती है। गणेश को मेडिकल में प्रवेश दिया जाए।"

गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, भावनगर से MBBS की पढ़ाई शुरू हुई। पढ़ाई आसान नहीं थी। ऑपरेशन थिएटर में स्टूल पर खड़े होकर काम करना पड़ता था। प्रोफेसर मदद करते, दोस्त सहारा देते। लेकिन गणेश ने कभी शिकायत नहीं की।

2024 में MBBS और इंटर्नशिप पूरी हुई। फिर 26 नवंबर 2025 को सरकारी आदेश आया—

डॉ. गणेश बरेया की नियुक्ति

सर तख्तसिंहजी जनरल हॉस्पिटल, भावनगर में मेडिकल ऑफिसर के पद पर। आज 25 साल का यह डॉक्टर सफेद कोट पहनकर, गले में स्टेथोस्कोप डाले, छोटे-छोटे कदमों से वार्ड में चलता है। मरीज पहले चौंकते हैं, फिर मुस्कुराते हैं। डॉ. गणेश कहते हैं "भगवान ने मुझसे कद लिया, लेकिन हौसला और दिमाग नहीं। अब मैं वहीं इलाज करूँगा, जहाँ सबसे ज़्यादा ज़रूरत है।" जब वह अस्पताल की गैलरी में चलता है, तो लोग सिर्फ छोटे कद का डॉक्टर नहीं देखते— वे देखते हैं एक बड़ा इरादा। क्योंकि सच यही है कद छोटा हो सकता है, लेकिन सपने और हिम्मत नहीं।

कॉन्फिडेंट-ग्रुप चेयरमैन ने आईटी-रेड के दौरान गोली मारकर खुदकुशी की

9000 करोड़ की संपत्ति, प्राइवेट जेट, 200 से ज्यादा कारों के मालिक थे

बैंगलुरू के कॉन्फिडेंट ग्रुप के चेयरमैन सीजे रॉय ने शुक्रवार को सेंट्रल बेंगलुरु में रिचमंड सर्कल के पास कंपनी के ऑफिस में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, यह घटना दोपहर करीब 3.15 बजे हुई। उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों से इनकम टैक्स (आईटी) विभाग की तलाशी चल रही थी। रॉय की सुसाइड के बाद आयकर अधिकारी रेड की प्रोसेस बीच में छोड़कर चले गए।

खबरों के अनुसार रॉय की नेटवर्थ 9 हजार करोड़ रुपए थी। उनके पास प्राइवेट जेट और 200 से ज्यादा लग्जरी कारें थीं। इनमें से 12 रोल्स रॉयस भी शामिल हैं। मूल रूप से केरल के रहने वाले रॉय का कारोबार कर्नाटक और दुबई में फैला था। कॉन्फिडेंट ग्रुप केरल और कर्नाटक का रियल एस्टेट डेवलपर है।

पुलिस ने बताया कि मौके पर कोई IT अधिकारी मौजूद नहीं था। बेंगलुरु पुलिस जांच के तौर पर IT विभाग से जरूरी जानकारी लेगी। उधर, रॉय की पत्नी और बेटा शनिवार को बेंगलुरु के बॉवरिंग अस्पताल में पोस्टमॉर्टम सेंटर पहुंचे।

पुलिस कानूनी आधार पर देख रही है कि इसे अप्राकृतिक मौत के तौर पर दर्ज किया जाए या आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराएं लगाई जाएं। कमिश्नर ने पुष्टि की कि कॉन्फिडेंट ग्रुप के

एक डायरेक्टर ने पहले ही शिकायत दर्ज करा दी है। ऑफिस कैम्पस से सबूत जुटाए जा रहे हैं। रिकॉर्ड और बयानों की जांच के बाद और मामला साफ होने की उम्मीद है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि कॉन्फिडेंट ग्रुप के चेयरमैन सीजे रॉय की मौत की हाई-लेवल जांच की जाएगी।

केरल आयकर की टीम 3 दिन से सीजे (चिरियनकांडथ जोसेफ) रॉय के दफ्तर में कार्रवाई कर रही थी। रोज उनसे पूछताछ की जा रही थी। रॉय के बड़े भाई ने आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसी के दबाव की वजह से उन्होंने सुसाइड की। आयकर अफसरों को जवाब देना होगा कि ऐसा क्या हुआ कि मेरे भाई ने यह कदम उठाया। भाई के मुताबिक, रॉय पर कोई कर्ज नहीं था। केरल से आयकर टीम पहली बार 3 दिसंबर 2025 को आई थी और कुछ दिन बेंगलुरु में रुकी थी। इसके बाद वह 28 जनवरी को आई और सीजे रॉय को दुबई से बुलाया गया। रॉय के परिवार में पत्नी लिनी रॉय, बेटा रोहित और एक बेटी रिया हैं।

36 की उम्र में बिना कर्ज प्राइवेट जेट खरीदा

सीजे रॉय जब 13 साल के थे, तब बेंगलुरु के शोरूम में 'डॉल्फिन' कार देखने गए थे। वहां सेल्समैन ने यह कहकर भगा दिया कि 'तू क्या कार खरीदेगा, चल निकल।' तभी उन्होंने ठान लिया था कि दुनिया की सबसे महंगी कारें खरीदेंगे। रॉय ने 36 की उम्र में पहला प्राइवेट जेट खरीद लिया था। वह भी बैंक से एक रुपया उधार लिए बिना। रॉय ने 1994 में 1.10 लाख रुपए में मारुति 800 खरीदी थी। 1997 में इसे बेच दिया। 31 साल बाद 2025 में पहली उपलब्धि याद आई, तो कार खोजने वाले को 10 लाख रुपए इनाम देने का ऐलान किया। दोस्तों की मदद से कार मिली, तो उसे फिर खरीद लिया। उनके पास 12 रोल्स रॉयस, बुगाटी वेरॉन, फेरारी, कोएनिगसेग अगेरा, मैकलारेन, लैम्बोर्गिनी हुराकैन और एवेंटाडोर कलेक्शन जैसी कारें हैं।

रॉय कहते थे- 1994 में कार की कीमत में 2 एकड़ जमीन आती थी, जिसकी वैल्यू 20 करोड़ से ज्यादा है। कार शौक है, असल दौलत जमीन है।

पंडित हो मंदिर में घंटी बजाओ, भीख मांगो

यूजीसी के नए नियमों पर रोक से सवर्ण खुश

29 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने यूनिवर्सिटी-कॉलेज में भेदभाव रोकने वाले यूजीसी के नए नियम पर रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा कि नियमों के प्रावधान स्पष्ट नहीं हैं। इनका गलत इस्तेमाल हो सकता है। यूजीसी के 2012 के नियम में बदलाव के बाद 13 जनवरी 2026 को इसे जारी किया गया था। स्टूडेंट्स का एक तबका इसे जरूरी बता रहा था, जबकि दूसरा विरोध में था। रोक लगने के बाद विरोध कर रहे स्टूडेंट इसे जीत बता रहे हैं और सपोर्ट करने वाले नाराज हैं। 30 जनवरी को JNU में रोक के खिलाफ प्रोटेस्ट किया गया। उनका कहना है कि रेगुलेशन के गलत इस्तेमाल का तर्क बेकार है। इसलिए नए नियम पर रोक नहीं लगाई जा सकती। आखिर SC/ST-OBC से भेदभाव रुकना सवर्णों का शोषण कैसे हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कुछ स्टूडेंट्स से बात की गई। साथ ही एक्सपर्ट से समझने की कोशिश भी कि आखिर यूजीसी के नए नियम की जरूरत क्यों पड़ी। दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे जयदेव हिंदी डिपार्टमेंट से एमए सेकेंड ईयर के स्टूडेंट हैं। वे सुप्रीम कोर्ट के फैसले से खुश नहीं है। उनका मानना है कि रेगुलेशन के गलत इस्तेमाल का तर्क फिजूल है। वे कहते हैं, 'इस देश में करप्शन इतने ऊपर तक है कि किसी भी नियम-कानून का गलत इस्तेमाल रोका नहीं जा सकता है।'

वे आगे कहते हैं, 'रेगुलेशन का विरोध करने वालों को ये नहीं दिख रहा है कि एक तबके का लंबे वक्त से शोषण हो रहा है, जिसे वो जारी रखना चाहते हैं। पिछड़ी जाति के लोगों का शोषण रोकने की बात हुई तो ये सवर्णों को अपना शोषण कैसे लगने लगा।'

'यूजीसी एक्ट 2026 जिस शोषण के खिलाफ आया, वो चाहे SC/ST के खिलाफ हो, OBC, दिव्यांग या महिलाओं के खिलाफ, वो शोषण बड़े स्तर पर हो रहा है। चाहे देश की किसी भी यूनिवर्सिटी में देख लें, हर जगह ये वर्ग शोषित हैं।' जयदेव आगे कहते हैं, 'अब छुआछूत ही जातिगत भेदभाव नहीं है। इसका स्वरूप बदल गया है। सरकार ने असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसरों की भर्ती को लेकर एक डेटा जारी किया था। असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती के लिए OBC की 80%, ST की 83% और SC की 60% खाली हैं। ऐसे में जो सवर्ण समाज तर्क दे रहा है कि शोषण कहां हो रहा है, उसे क्या ये नहीं दिख रहा। वो क्या सिर्फ छुआछूत को ही जातिगत शोषण मान रहा है।'

ममता भी दिल्ली यूनवर्सिटी से PhD कर रही हैं। यूजीसी के नए नियम लाने और उस पर सुप्रीम कोर्ट के रोक लगाने से खफा हैं। उनका मानना है कि ये दोनों तबकों के लोगों को लड़वाने की सियासी साजिश है। ममता कहती हैं, 'हमारे जैसे लोग क्या सिर्फ पिसने के लिए हैं। नियम-कानून हमारे खिलाफ हों या हमारे समर्थन में, हम सिर्फ पिसते ही हैं। ये रेगुलेशन आया तो हमें खुशी हुई और लगा कि यूनिवर्सिटी-कॉलेज में होने वाला भेदभाव रोक दिया जाएगा।

हम खुशी ही मना रहे थे कि तभी खुद को प्रोग्रेसिव बताने वाले तथाकथित लोगों ने बड़ी संख्या में रेगुलेशन का विरोध शुरू कर दिया। इस विरोध को मान भी लिया गया। हम लोग बेवजह ही इसमें फंस गए हैं। हमने न ये कानून मांगा था न हटाने को कहा। अब उलटा हमें जगह-जगह जाकर बोलना पड़ रहा है कि हम कितने टॉर्चर हो रहे हैं।' वे आगे कहती हैं, 'सुप्रीम कोर्ट ने इस केस को इतनी जल्दी मंजूर कर लिया और फैसला भी सुना दिया। सुप्रीम कोर्ट ने जजमेंट देते हुए कहा कि उन्होंने समाज बंटने से रोक लिया। ये मुद्दा समाज में विवाद को बढ़ा देता। आखिर समानता की बात करने से समाज में कौन सी लड़ाई बढ़ जाती है।'

फैसले से खुश स्टूडेंट्स

दिल्ली यूनिवर्सिटी से लॉ की पढ़ाई कर रहे हर्षवर्धन मिश्रा सुप्रीम कोर्ट के फैसले से खुश हैं। वे कहते हैं, 'हमारी यही मांग थी कि बिल वापस लिया जाए या इसमें सुधार हो ताकि ये जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स के साथ अन्याय जैसा न लगे। हम इसमें कुछ हद तक कामयाब रहे।' हर्षवर्धन आगे कहते हैं, 'नए नियमों में सीधे दावा किया जा रहा है कि OBC, SC/ST सिर्फ विक्टिम हो सकते हैं। प्रताड़ित करने वाले लोग सिर्फ जनरल कैटेगरी के। ये समाज को बांटने वाला है।

हमने पूछा कि आंकड़े बताते हैं कि SC/ST स्टूडेंट्स भेदभाव का शिकार होते रहे हैं। इस पर हर्षवर्धन कहते हैं, 'ये इसीलिए है क्योंकि हमने ऐसा मान लिया है कि शोषित सिर्फ SC/ST या OBC ही है जबकि ऐसा नहीं है। ये कह देना गलत है कि सिर्फ कुछ खास वर्ग के लोग ही पीड़ित है। हर जाति वर्ग का व्यक्ति इसका शिकार हो सकता है और प्रताड़ित करने वाला भी किसी जाति का हो सकता है।' मैं ब्राह्मण हूं लेकिन मुझे भी भेदभाव झेलना पड़ता है। साथी कहते हैं- पंडित जी जाओ मंदिर में घंटी बजाओ, भीख मांगो यहां पढ़ने क्यों आए हो। JNU और BHU कैंपस की दीवारों पर लिखा है- 'ब्राह्मण, बनिया गो बैक', आपको क्या लगता है कि हमारे साथ जाति सूचक शब्द इस्तेमाल नहीं होते। पिछले 7 महीने से यूनिवर्सिटी में मुझे कई बार ये सब झेलना पड़ा।'

हर्षवर्धन के मुताबिक, यूजीसी की 2012 की गाइडलाइंस में हर वर्ग को शामिल किया गया है इसलिए वो भेदभाव खत्म कर समानता बनाए रखने का यूनिवर्सल तरीका है, जिसमें कोई भी विक्टिम हो सकता है और कोई भी आरोपी। सोशल जस्टिस को बनाए रखने में इसका बड़ा रोल है।

यूनिवर्सिटी-कॉलेज में भेदभाव के रिकॉर्ड केस

यूनिवर्सिटी-कॉलेजों में भेदभाव खत्म करने के लिए यूजीसी 2012 में प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस लेकर आया था। हालांकि 2016 में हैदराबाद यूनिवर्सिटी में दलित स्टूडेंट रोहित वेमुला के सुसाइड के बाद इन नियमों को सख्त करने की मांग उठी।

अगस्त 2019 में रोहित वेमुला की मां ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी कि भेदभाव के खिलाफ नियमों को सख्त बनाया जाए। इसी के बाद सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2025 में नए नियम बनाने का निर्देश दिया था। डेटा बताता है कि पिछले पांच साल में यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में जाति आधारित भेदभाव की शिकायतें 118% बढ़ी हैं। ये डेटा यूजीसी ने हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट में बने इक्वल ऑपर्च्युनिटी सेल (EOC) और SC/ST सेल से जुटाए थे।

रानी मुखर्जी की फिल्म का खूंखार विलेन बना हीरो, मूवी पहुंची ऑस्कर तक

हाल ही में ऑस्कर की रेस से बाहर हुई 'होमबाउंड' से फिल्म के हीरो विशाल जेठवा ग्लोबल मंच पर छा गए हैं. यह बात अलग है कि उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा. उनका बचपन मुंबई की चॉल में बीता. पिता नरेश जेठवा नारियल पानी बेचते थे. विशाल ने अभी होश भी नहीं संभाला था कि पिता की मौत हो गई. विशाल जेठवा की मां प्रीति जेठवा ने घर संभाला. परिवार का पेट पालने के लिए घरों में सफाई का काम किया. यहां तक कि सैनिटरी पैड्स बेचे. मां के संघर्ष ने विशाल को और मजबूती थी. उन्होंने अपने सपने को पूरा किया और एक्टर बने. शुरुआत में इंडस्ट्री में काम नहीं मिला. रिजेक्शन का समाना करना पड़ा लेकिन हिम्मत नहीं हारी.

विशाल जेठवा ने ग्रेजुएशन बीच में छोड़ दिया और बैकग्राउंड डांसर से करियर की शुरुआत की. यह बात 2009 की है. 'सा रे गा मा पा लिल चैंप्स' में बैकग्राउंड डांसर बने. फिर एक्टिंग क्लास जॉइन की. एक्टिंग को हॉबी बना लिया. मां ने इंस्टॉलमेंट में फीस भरी.किसी तरह से एक्टिंग क्लास में भेजा. विशाल ने एक्टिंग से दीवानगी की हद तक प्यार किया.

शुरुआत में नुक्कड़ नाटक में छोटे-मोटे रोल्स किए. तालियां मिलीं तो हौसला बढ़ा. इसी बीच ऑडिशन देना शुरू किया लेकिन हर रोज असलता हाथ लगती थी. असफलता को सफलता मानकर ऑडिशन देना बंद नहीं किया. किसी तरह सोनी टीवी के शो 'भारत का वीर पुत्र- महाराणा प्रताप' में ब्रेक मिला. युवा अकबर का रोल मिला. बस यही से जिंदगी ने नया मोड़ ले लिया. इंडियन टेली अवॉर्ड्स 2015 में बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट (मेल) का अवॉर्ड मिला.

मर्दानी 2 में निभाया खूंखार विलेन का रोल

फिर आया साल 2019. रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 2' रिलीज हुई थी. विशाल जेठवा को मर्दानी 2 में सनी का किरदार मिला. इस फिल्म में खूंखार विलेन का रोल किया. रोल इतना खूंखार था कि पूरे एक साल इस किरदार से बाहर निकलने में लगे. 'टाइगर 3' में एक छोटा सा रोल मिला. सलमान खान के साथ काम करने की हसरत पूरी हुई.

गैंगस्टर की रियल लाइफ से बेस्ड 4 यादगार फिल्में, चारों में थी मुंबई के अंडरवर्ल्ड डॉन की कहानी, बस गईं जेहन में

होमबाउंड में बने हीरो, चमक उठी किस्मत

होमबाउंड फिल्म के ऑडिशन के समय विशाल के पैर में गंभीर चोट लगी थी. पैर में प्लास्टर और टांके लगे थे लेकिन ऑडिशन दिया. फाइनल राउंड ऑडिशन ईशान खट्टर के साथ हुआ.इस फिल्म को नीरज घायवान ने डायरेक्ट किया था. धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले यह फिल्म 26 सितंबर 2025 को भारत में रिलीज हुई थी. इस फिल्म को अंतराष्ट्रीय जगत में बहुत सराहना मिली.

'तू या मैं' में मेरा किरदार साइड रोल नहीं, कहानी की मजबूत कड़ी है: पारुल गुलाटी

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में लगातार अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। अभिनय के साथ-साथ एक सफल उद्यमी के तौर पर भी अपनी पहचान रखने वाली पारुल अब थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' में नजर आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस फिल्म और अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की है और इसे अपने करियर का एक बेहद खास मौका बताया। फिल्म 'तू या मैं' में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं, जिनकी फिल्मों की पहचान भावनाओं, रिश्तों और गहराई से जुड़ी कहानियों के लिए रही है। इस फिल्म में पारुल लायरा नाम का किरदार निभा रही हैं, जो शनाया कपूर के किरदार की करीबी दोस्त और मैनेजर है। फिल्म का हिस्सा बनने पर पारुल ने कहा, आनंद एल राय का सिनेमा मुझे हमेशा से आकर्षित करता रहा है। फिल्म की कहानी नाटकीय होने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से शानदार है और दर्शकों को भीतर तक छू जाएगी।

पारुल ने अपने किरदार को लेकर बताया, मेरा किरदार लायरा सिर्फ एक दोस्त नहीं है बल्कि एक ऐसा इंसान है जो हर मुश्किल में साथ खड़ी रहती है, सही सवाल पूछती है, जरूरत पड़ने पर टोकती भी है और बिना शर्त समर्थन करती है। मैं इस किरदार को निभाकर बेहद खुश हूं और अभी भी इस एहसास में डूबी हुई हूं कि मुझे इतना अहम रोल निभाने का मौका मिला है।

पारुल ने कहा, लायरा कोई साधारण या साइड कैरेक्टर नहीं है, बल्कि कहानी की भावनात्मक रीढ़ है। यह किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी खास है क्योंकि मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती थी जिनमें किरदारों की गहराई हो और कहानी दिल से जुड़ी हो। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।

आनंद एल राय के साथ काम करने के अनुभव को लेकर पारुल गुलाटी ने कहा, एक कलाकार और एक क्रिएटर के तौर पर इससे बेहतर सहयोग शायद मुझे कभी नहीं मिल सकता था। आनंद एल राय की फिल्में वही सिनेमा हैं, जिनकी ओर मैं हमेशा खिंचती रही हूं। यह एक ऐसा दुर्लभ मौका है, जो जिंदगी में कम ही मिलता है, जहां बड़ी स्क्रीन की भव्यता के साथ-साथ कहानी में दिल और भावना दोनों मौजूद हों।

पारुल गुलाटी ने फिल्म की पूरी टीम के प्रति आभार भी जताया। उन्होंने कहा, मैं मेकर्स की शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे लायरा जैसा मजबूत किरदार सौंपा। मेरे लिए एक अनोखी थ्रिलर और क्रिएचर यूनिवर्स का हिस्सा बनना बेहद खास अनुभव है। मैं इस फिल्म को लेकर बहुत खुश, आभारी और उत्साहित हूं और चाहती हूं कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर जरूर देखें।

'धुरंधर' देखकर इसलिए रोने लगे थे माता-पिता, सारा अर्जुन ने बताई वजह; कहा- जिंदगी का सबसे अच्छा दिन था

फिल्म 'धुरंधर' में शानदार अभिनय करके सारा अर्जुन काफी मशहूर हो गई हैं। 5 दिसंबर 2025 को रिलीज हुई इस फिल्म में रणवीर सिंह ने हमजा का किरदार निभाया। इसमें सारा अर्जुन ने रणवीर सिंह के अपोजिट यलीना जमाली का किरदार निभाया। दर्शकों ने उनके अभिनय और रणवीर के साथ उनकी केमिस्ट्री को खूब पसंद किया। हाल ही में सारा अर्जुन ने बताया है कि 'धुरंधर' में उनके अभिनय पर उनके माता-पिता का कैसा रिएक्शन था।

'धुरंधर' पर सारा के माता-पिता का कैसा रिएक्शन था?

'धुरंधर' के बाद सारा अर्जुन अपकमिंग फिल्म 'यूफोरिया' में नजर आने वाली है। यह फिल्म 6 फरवरी 2026 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म की रिलीज से पहले वह इसके प्रमोशन में बिजी हैं। बातचीत में सुमा कनाकाला ने सारा अर्जुन से पूछा कि उनका सबसे अच्छा दिन कौन सा था? इस पर सारा ने जवाब दिया 'एक ऐसा दिन था जब मेरे माता-पिता खुशी से इसलिए रोने लगे थे कि मैंने कुछ बड़ा किया है। वह दिन मेरे लिए सबसे अच्छा था। मेरे लिए इसका बहुत मतलब था। वह खुशी के आंसू थे।' इस पर सुमा ने उनसे पूछा कि क्या 'धुरंधर' पर मां-बाप की ऐसी प्रतिक्रिया थी? इस पर अभिनेत्री मुस्कुराई और कहा 'हां'।

अपने करियर पर क्या बोलीं सारा अर्जुन?

फिल्मों में अपने सफर के बारे में बात करते हुए सारा अर्जुन ने बताया, ''पोन्नियिन सेल्वन ' के बाद, मैं बोर्डिंग स्कूल गई। फिर मेरा शुरुआती प्लान फिल्म और एक्टिंग की पढ़ाई के लिए विदेश जाने का था। जब मैं परीक्षा दे रही थी, तो मैंने 'मैजिक' साइन की। मैं अपने प्लान पर कायम थी। जब मेरे पास 'यूफोरिया' आई, तो उसे करने का बहुत मन हुआ। एक इंसान के तौर पर मुझे ऐसी कहानी का हिस्सा बनने की इच्छा हुई। 'पोन्नियिन सेलवन 2' के बाद 'मैजिक', फिर 'यूफोरिया' और फिर 'धुरंधर'। असल में, मैंने 'यूफोरिया' की शूटिंग के दौरान ही 'धुरंधर' साइन की थी।'

कब आएगी 'धुरंधर 2'?

ख्याल रहे फिल्म 'धुरंधर' आज 30 जनवरी को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म का सीक्वल 'धुरंधर 2' 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगा।

श्रिया सरन पर लगा साउथ की एक्ट्रेस होने का लेबल! इस जवाब से लोगों को किया खामोश

अभिनेत्री श्रिया सरन अपकमिंग फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर सुर्खियों में हैं। उत्तराखंड में जन्मी और हिंदी बोलने

वाले परिवार में पली-बढ़ी अभिनेत्री ने साउथ इंडियन सिनेमा में काम किया। उन्होंने साउथ की फिल्मों में तब काम किया जब उन्हें तमिल और तेलुगु बोलना नहीं आता था। 25 साल के अपने करियर में श्रिया ने हिंदी सिनेमा में भी काम किया है। श्रेया ने साउथ इंडियन एक्ट्रेस कहे जाने पर अपनी बात रखी है।

हिंदी परिवार में पली बढ़ीं अभिनेत्री

श्रिया सरन ने अपनी जिंदगी में हुए कई बदलावों को लेकर कहा 'मेरा जन्म हरिद्वार में हुआ था। मैं अपनी जिंदगी के 17 साल वहीं रही। फिर मैं दिल्ली आ गई, ताकि कथक सीख सकूं। फिर मैंने 17 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू की। यह मेरे परिवार के लिए एक बहुत बड़ा कदम था। मेरे पापा इंजीनियर हैं, मां अध्यापक हैं।'

साउथ में सीखी ये चीजें

श्रिया सरन का मानना है कि शुरुआती वर्षों ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने कहा 'क्योंकि मैं दिल्ली में एक छोटे शहर की लड़की थी, साउथ में जाना और काम करना मेरे लिए हैरान करने वाला था। वहां से जब मैं सेट पर गई, नई भाषाएं सीखी, यह सब, मुझे लगता है कि इसने मुझे जिंदगी के लिए सच में तैयार किया। साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया है, उससे मैं सच में खुद को खुशनसीब मानती हूं। मेरा दिल साउथ इंडियन है।'

आप जो मानते हैं आप वही हैं

साउथ इंडियन कहे जाने पर अभिनेत्री ने कहा 'मैंने जो चीजें सीखीं, उनमें से एक यह है कि आप वही हैं जो आप खुद को मानते हैं। अगर आप बढ़ते रहते हैं और सीखते रहते हैं और जिंदगी को आपको चीजें सिखाने देते हैं, तो आप उसे बेहतर तरीके से जीना शुरू कर देते हैं।'

श्रिया सरन का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि श्रिया सरन ने 2001 में तेलुगु फिल्म 'इष्टम' से डेब्यू किया। वह 'छत्रपति', 'शिवाजी', 'पोक्किरी राजा' और 'मनम' जैसी कई तमिल और तेलुगु फिल्मों में नजर आईं। इसके साथ ही, उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी अपनी लगातार मौजूदगी बनाए रखी है, खासकर 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में। श्रिया सरन 23 जनवरी 2026 को रिलीज हुई सीरीज 'स्पेस जेनः चंद्रयान' में नजर आ रही हैं। वह इस साल के आखिर में 'दृश्यम 3' में बड़े पर्दे पर भी वापसी करेंगी।

असर डालती है विजय सेतुपति की बिना डायलॉग वाली फिल्म, कुछ हिस्सों में पड़ती है हल्की

गांधी टॉक्स रिव्यू

गांधी टॉक्स हाल के वर्षों में भारतीय सिनेमा में किया गया एक हिम्मत भरा और अलग प्रयोग है। यह आज की तेज रफ्तार डायलॉग भरी फिल्मों के बीच बनी एक पूरी तरह साइलेंट फिल्म है। फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में हैं और ए आर रहमान का भावनाओं से भरा संगीत कहानी को और गहरा प्रभाव देता है।

यह फिल्म उस पुरानी लगभग खो चुकी कला को फिर से सामने लाती है जिसमें कहानी बिना डायलॉग के सिर्फ विजुअल्स और एक्सप्रेशन से आगे बढ़ती है। आधुनिक समाज लालच और नैतिकता पर इसका व्यंग्य भी साफ दिखाई देता है। आइडिया बड़ा है, विजुअल्स मजबूत हैं और थीम भी असरदार है, बस कुछ हिस्सों में रफ्तार धीमी महसूस होती है और कुछ सीन उतने प्रभावी नहीं लगते।

कहानी

कहानी शुरू होती है महादेव (विजय सेतुपति) से। वह एक पढ़ा-लिखा युवक है जो नौकरी की तलाश में भटक रहा है। जिस समाज में वह रहता है वहां आर्थिक रूप से पीछे रह जाना मतलब लगभग हमेशा पीछे ही रह जाना है। ऊपर से जब वह नौकरी मांगने जाता है तो उसे भ्रष्टाचार और सिफारिश जैसी मुश्किलें भी झेलनी पड़ती हैं। हर नाकामी के साथ उसकी उम्मीद थोड़ी और कम होती जाती है।

इसके समानांतर चलती है बोस्मैन (अरविंद स्वामी) की कहानी। वह एक अमीर बिजनेसमैन है जिसे बाहर से देखने पर लगता है कि उसके पास सब कुछ है, लेकिन अंदर से वह खोखलापन और तनाव से भरा हुआ है। धीरे-धीरे महादेव और बोस्मैन की दुनिया आपस में टकराती है और इस टकराव में लालच परेशानी उम्मीद और इंसानियत एक-साथ सामने आने लगते हैं। पूरी फिल्म बिना डायलॉग के चलती है और कहानी को आगे बढ़ाते हैं सिर्फ चेहरों के भाव, छोटे इशारे, विजुअल संकेत और रहमान का संगीत।

अभिनय

फिल्म की सबसे बड़ी ताकत इसका अभिनय है। विजय सेतुपति बिना एक शब्द बोले सिर्फ चेहरे और बॉडी लैंग्वेज से मासूमियत डर गुस्सा उम्मीद और टूटन, हर भावना को बारीकी से दिखाते हैं। उनके छोटे-छोटे एक्सप्रेशन्स बेहद असली लगते हैं। अरविंद स्वामी अपने शांत और गंभीर अंदाज से ध्यान खींचते हैं। उनके चेहरे पर दिखता हल्का तनाव उनके किरदार की उलझन को बखूबी दिखाता है। अदिति राव हैदरी महादेव की लव इंटरेस्ट हैं और उनकी मौजूदगी कहानी में नरमी और भावनात्मक मोमेंट्स जोड़ती है।

सिद्धार्थ जाधव एक छोटे चोर के रूप में फिल्म में हलचल डार्क ह्यूमर और समाज पर चुटीला तंज लाते हैं। उनके सीन आते ही स्क्रीन पर एक अलग ऊर्जा आ जाती है। चारों कलाकार मिलकर फिल्म को बिना डायलॉग के भी असरदार बना देते हैं।

निर्देशन

निर्देशक किशोर बेलेकर ने फिल्म को बेहद अलग अंदाज में बनाया है। उन्होंने एक्सप्रेशन और माहौल के सहारे कहानी कहने की हिम्मत दिखाई है। कई सीन ऐसे बनाए गए हैं कि दर्शक खुद महसूस करें समझें और कहानी से जुड़ें। हां कुछ प्रतीक जैसे गांधी की तस्वीरें पैसों से जुड़े शॉट्स और बढ़े-चढ़े इशारे कभी-कभी ज्यादा दिखाई देते हैं, जिससे वे थोड़ा ओवर महसूस होते हैं। लेकिन कुल मिलाकर उनकी डायरेक्शन फिल्म को एक खास याद रहने वाली पहचान देती है।

नेगेटिव पॉइंट्स

साइलेंट फॉर्मेट सबको पसंद नहीं आएगा। कुछ हिस्सों में कहानी धीमी और थोड़ी लंबी लगती है। डायलॉग न होने से कुछ किरदार उतने गहरे नहीं लगते, खासकर महिला किरदार। कुछ इमोशनल या रोमांटिक पल उतना असर नहीं छोड़ते। तेज मनोरंजन या मसाला चाहने वाले दर्शकों को यह फिल्म भारी लग सकती है।

देखें या नहीं

अगर आपको अलग तरह की प्रयोगात्मक और विजुअल पर आधारित फिल्में पसंद हैं, तो 'गांधी टॉक्स' आपके लिए एक अच्छा अनुभव हो सकती है। हमारे भारतीय सिनेमा की शुरुआत भी इसी तरह की फिल्मों से हुई थी।

दादा साहेब फाल्के की पहली फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' भी एक साइलेंट फिल्म थी, जहां पूरी कहानी सिर्फ भाव और विजुअल्स से आगे बढ़ती थी। 'गांधी टॉक्स' उसी पुराने साइलेंट दौर को आज के समय में नए तरीके से पेश करती है। लेकिन अगर आप तेज हल्की-फुल्की या डायलॉग वाली फिल्में पसंद करते हैं तो यह फिल्म आपको थोड़ी धीमी और भारी लग सकती है।

जाह्नवी-शनाया के बीच 'कोल्ड वॉर'? इंडस्ट्री डेब्यू के बाद रिश्तों में दरार!

बॉलीवुड के कपूर परिवार में नेपोटिज्म और फैमिली का ताल-मेल हमेशा चर्चा में रहता है. सोशल मीडिया पर यह अटकलें तेज हो गई हैं कि जाह्नवी कपूर और उनकी कजिन शनाया कपूर के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा. इन अफवाहों की शुरुआत तब हुई जब शनाया कपूर की आने वाली फिल्म 'तू या मैं' से जुड़े इंस्टाग्राम पोस्ट्स पर जाह्नवी कपूर की कोई कमेंट नजर नहीं आया, जबकि शनाया की करीबी दोस्त सुहाना खान, अनन्या पांडे और खुशी कपूर खुलकर सपोर्ट करती दिखीं.

शनाया कपूर ने पिछले साल अपनी बॉलीवुड डेब्यू की 'आंखों की गुस्ताखियां' से की, जिसमें विक्रांत मैसी उनके साथ थे. फिल्म रिलीज हुई और अब वे अपनी दूसरी फिल्म 'तू या मैं' के लिए तैयार हैं, जिसमें आदर्श गौरव उनके साथ हैं. फिल्म 13 फरवरी 2026 को रिलीज होने वाली है.

कैसे भड़की आग

शानया की बीएफएफ सुहाना खान, अनन्या पांडे और खुशी कपूर सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट्स पर खूब कमेंट्स और लाइक्स कर रही हैं, लेकिन जाह्नवी ने हाल की 'तू या मैं' से जुड़ी पोस्ट्स पर कोई प्यार नहीं दिखाया. इसी से रेडिट पर थ्योरी उड़ी कि दोनों कजिन्स के बीच कोल्ड वॉर चल रही है.

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक थ्रेड ने इस चर्चा को और हवा दे दी.

कुछ यूजर्स का दावा है कि शनाया की मां महीप कपूर, फिल्ममेकर बोनी कपूर से नाराज थीं क्योंकि उन्होंने शनाया के करियर की शुरुआत में मदद नहीं की. यह भी कहा गया कि महीप को उम्मीद थी कि परिवार का प्रभाव काम आएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. हालांकि, इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है और न ही कपूर परिवार की ओर से इस पर कोई बयान आया है. डेब्यू से पहले शनाया ने जाह्नवी की 2020 फिल्म 'गुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्ल' में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया था. दोनों कजिन्स बचपन से साथ बड़ी हुई हैं, लेकिन अब ओपनली हॉस्टाइल नहीं हैं, बस कम्पटीशन है.

कमेंट्स में एक यूजर ने कहा, 'यह दुखद है. वे कजिन्स हैं, साथ बड़ी हुईं. बोनी को शानया की मदद करनी चाहिए थी. महीप अब इस बात पर तुली हैं कि शनाया, जाह्नवी से ज्यादा सफल हों.

दो तेजस लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए थे

अब उनकी भरपाई एमके1ए से होगी? एचएएल से डिलीवरी पर टिकी निगाहें

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले वर्ष दुर्घटनाग्रस्त हुए तेजस मार्क-1 लड़ाकू विमानों की भरपाई के लिए भारतीय वायुसेना उच्च स्तर पर मंथन कर रही है। वायुसेना के शीर्ष अधिकारी इस बात पर विचार कर रहे हैं कि मौजूदा मार्क-1 लड़ाकू विमान के नए विमान शामिल किए जाएं या फिर संबंधित स्क्वाड्रन को सीधे उच्च स्तर के तेजस मार्क-1ए एडिशन में परिवर्तित किया जाए।

पिछले दो वर्षों में दो तेजस लड़ाकू विमानों के नुकसान के बाद भारतीय वायुसेना इस पर विचार कर रही है। पहला हादसा मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर में हुआ था, वहीं दूसरा हादसा पिछले वर्ष 2025 में दुबई के एयरशो के दौरान हुआ था। एयरशो के दौरान हुआ यह हादसा दुनियाभर में काफी चर्चा में रहा, जिसके बाद तेजस के सेफ्टी लेवल पर भी सवाल उठे। दोनों ही लड़ाकू विमान अपेक्षाकृत काफी नए थे, दोनों ही चार वर्षों से भी कम समय से सेवा में थे।

18 स्क्वाड्रन को होनी है दो विमानों की भरपाई

जानकारी के अनुसार, ये दोनों ही विमान भारतीय वायुसेना की 18 स्क्वाड्रन 'फ्लाइंग बुलेट्स' का हिस्सा थे। इस स्क्वाड्रन के पास अभी भी स्वदेशी रूप से निर्मित 16 तेजस मार्क-1 फाइनल ऑपरेशनल क्लियरेंस (एफओसी) मानक के लड़ाकू विमान शेष हैं। ये विमान दुश्मन को मात देने, ट्रेनिंग के लिए सक्षम हैं लेकिन तकनीकी रूप से आने वाले तेजस मार्क-1ए विमानों की तुलना में पुराने माने जाते हैं। जबकि अपग्रेडेड मार्क-1ए में हाई लेवल के रडार सिस्टम, जैमिंग क्षमता, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) सिस्टम और कई उच्च तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। वायुसेना ने कितने तेजस लड़ाकू विमानों का ऑर्डर दिया?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय वायुसेना ने फिलहाल इन दो विमानों की भरपाई नहीं की है। इसका मुख्य कारण तेजस मार्क-1ए विमानों की डिलीवरी जल्द शुरू होना है। वायुसेना पहले ही हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को एमके1ए के लिए बड़े ऑर्डर दे चुकी है। वर्ष 2021 में 73 सिंगल-सीटर और 10 ट्विन-सीटर विमानों का करार किया गया था, जिसके बाद हाल ही में अतिरिक्त 97 विमानों को मंजूरी दी गई है। इन विमानों का उत्पादन 2032 तक चलने की संभावना है।

समय पर डिलीवरी हुई तो मिलेंगे तेजस मार्क 1ए विमान

रिपोर्ट में कहा गया है कि दुर्घटनाग्रस्त हुए इन दो विमानों की भरपाई के संबंध में निर्णय तेजस मार्क 1ए का उत्पादन स्थिर गति से होने पर लिया जाएगा। यदि वायुसेना को समय पर मार्क 1ए विमानों की डिलीवरी होती है तो इन दो विमानों की भरपाई मार्क 1ए के रूप में की जाएगी। फिलहाल वायुसेना की प्राथमिकता एमके1ए कार्यक्रम को तेज करना है, ताकि स्क्वाड्रन स्ट्रेंथ से जुड़े लक्ष्यों को समय पर पूरा किया जा सके।

युवक की चाकू गोदकर हत्या

आलमगंज के कंटाही घाट से मिला शव, एफएसएल की टीम कर रही जांच

पटना, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र स्थित कंटाही घाट से शनिवार को एक 25 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ है। स्थानीय लोगों ने गंगा किनारे शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद आलमगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 25 साल है। शव पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं, जिससे प्रथम दृष्टया चाकू गोदकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस का अनुमान है कि युवक की हत्या कहीं और की गई होगी और फिर सबूत मिटाने के इरादे से शव को गंगा में फेंक दिया गया, जो कंटाही घाट के पास किनारे आ लगा। घटनास्थल पर फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) टीम को बुलाया गया, जिसने महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एनएमसीएच) भेज दिया है।

तेजप्रताप ने खाली किया बंगला मंत्री बोले- पंखा-कुर्सी गायब

बल्ब–एसी भी निकालकर ले गए, छत डैमेज खंडहर बनाकर छोड़ गए सरकारी आवास

पटना, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री और जेजेडी अध्यक्ष तेजप्रताप यादव ने पटना स्थित 26 एम स्टैंड रोड का सरकारी आवास खाली कर दिया है। बताया जा रहा है कि आवास में मौजूद फर्नीचर और अन्य जरूरी सामान को एलआर भारत के नाम से अनीसाबाद रोड स्थित ऑफिस में शिफ्ट किया गया है।

सरकारी आवास खाली होने के बाद नया विवाद सामने आया है। दरअसल, ये बंगला मंत्री लखेंद्र पासवान को अलॉट हुआ है। उनका आरोप है कि सरकारी आवास से सामान गायब है।

उन्होंने बताया, 'बंगले से पंखा, कुर्सी, एसी, बल्ब तक नहीं है। सरकारी आवास में हर विधायक-मंत्री को सुविधा दी जाती है। खंडहर भवन नहीं मिलता है, लेकिन यहां तो छत भी डैमेज है। ये आवास फिलहाल रहने लायक

नहीं है, जब तक इसकी मरम्मत नहीं हो जाती।

इस आवास में आपको कुछ नहीं मिलेगा। पंखा-एसी सब उजाड़ लिया गया गया। गेट के लैच तक तोड़े गए हैं। मैंने इसकी जानकारी भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों को भी दी है, उन्हें सब दिखा दिया है।'

पार्टी-परिवार से निकाले जाने के बाद तेजप्रताप ने इसी आवास में मकर संक्रांति के अवसर पर पारंपरिक दही-चूड़ा भोज का आयोजन किया था। इस आयोजन में राजद सुप्रीमो और उनके पिता लालू प्रसाद यादव, पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और मंत्री भी शामिल हुए थे। इस दौरान लालू यादव ने कहा था कि उनकी बेटे से कोई नाराजगी नहीं है। जिसके बाद तेजप्रताप के लालू परिवार में वापसी की चर्चा भी होने लगी थी।

तेजप्रताप यादव को सरकारी आवास (26 M स्ट्रैंड रोड, पटना) खाली करने का नोटिस 25 नवंबर 2025 को दिया गया था। महुआ सीट से 2025 का विधानसभा चुनाव हारने के बाद भवन निर्माण विभाग की ओर से नोटिस जारी किया गया।

उनके साथ ही राबड़ी देवी को भी 10 सर्कुलर रोड आवास को खाली करने का भी नोटिस दिया गया था। नियमों के अनुसार, पूर्व विधायकों को नोटिस मिलने के बाद अधिकतम एक महीने में आवास खाली करना होता है।

अफसरी छोड़कर अलंकार घर पहुंचे तो मां ने गले लगाया

कानपुर में कहा- शंकराचार्य से मिलने जाऊंगा, नारे लगे- देखो शेर आया

कानपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान के विरोध में इस्तीफा देने वाले बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री शनिवार को कानपुर में अपने घर पहुंचे। केशव नगर स्थित आवास पहुंचते ही घर की महिलाओं ने शंखनाद से उनका स्वागत किया। मां गीता अग्निहोत्री ने माला पहनाकर गले से लगाया।

समर्थकों ने भी अलंकार अग्निहोत्री को फूल-माला से लाद दिया। लोगों ने नारेबाजी की- देखो-देखो शेर आया। जमकर डांस किया। अलंकार ने सभी का अभिनंदन स्वीकार किया। दैनिक भास्कर से बातचीत में अलंकार ने कहा- वह दो से तीन दिन में प्लान बनाकर शंकराचार्य से मिलने जाएंगे। फिलहाल शंकराचार्य की तरफ से दिए जाने वाले किसी पद को लेने का कोई इरादा नहीं है।

उन्होंने कहा- हमारा अगला कदम देश का एक और काला कानून एससी-एसटी एक्ट की वापसी है। 95% फर्जी शिकायतें दर्ज होती हैं। सामान्य वर्ग के ब्राह्मण, क्षत्रिय, कायस्थ, वैश्य, भूमिहार और ओबीसी वर्ग के लोग प्रताड़ित होते हैं। पैसों की वसूली की जाती है। 7 दिन में स्पेशल पार्लियामेंट्री सेशन बुलाकर सरकार इस पर फैसला नहीं लेती तो हम आंदोलन के साथ दिल्ली की तरफ कूच करेंगे।

हम आप दोनों (पीएम मोदी और अमित शाह) को चार्टेड प्लान से गुजरात छोड़कर आएंगे। देश में आप अल्मत में हैं। आपने देश की आत्मा पर हमला किया है। मैं कानपुर से हूं, यहां दांडी मार्च करूंगा। तात्या टोपे की क्रांति करूंगा। कानपुर क्रांतिकारियों का शहर है।

अलंकार अग्निहोत्री ने कहा- सोची-समझी साजिश के तहत यूजीसी एक्ट लाया गया था। 2027 के चुनाव को देखते हुए यह एक्ट लाया गया था। क्योंकि केंद्र सरकार की लड़ाई राज्य सरकार से है।

प्राइवेट हॉस्टल्स को लेकर सरकार से हाईकोर्ट का सवाल

पटना, 31 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में प्राइवेट गर्ल्स और बॉयज हॉस्टल को लेकर कोई कानून है या नहीं? यह सवाल पटना हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है। इस सवाल पर सरकार से जवाब मांगा गया है। इस मुद्दे पर 20 फरवरी को अगली सुनवाई होगी। उससे पहले हाईकोर्ट ने इस मामले में एफिडेविट कर जवाब देने को कहा है।

दरअसल, नीट की छात्रा से रेप और मौत का मामला सामने आने के बाद शेखपुरा जिले के करंडे गांव के रहने वाले एडवोकेट माधव राज ने 19 जनवरी को पटना हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका सीडब्ल्यूजेसी-1142/2026 दायर की थी।

इस याचिका के तहत एडवोकेट ने प्राइवेट हॉस्टल्स में रहने वाले लड़के-लड़कियों की सेफ्टी, सिक्योरिटी और उनके खाने-पीने की व्यवस्था को लेकर कानून बनाने की मांग की है। क्योंकि, एडवोकेट के अनुसार बिहार में प्राइवेट हॉस्टल्स को रेगूलेट करने के लिए कोई कानून अब तक बना ही नहीं है।

शनिवार को इसी याचिका पर हाईकोर्ट में पहली सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस संगम कुमार साहू और जस्टिस विवेक चौधरी की बेंच ने जनहित याचिका दायर करने वाले एडवोकेट की दलीलों को सुना।

एडवोकेट ने बताया कि बिहार में चल रहे प्राइवेट गर्ल्स और बॉयज हॉस्टल्स को प्रॉपर तरीके से चलाने को लेकर को कोई कानून नहीं है। इसकी मॉनिटरिंग की कोई सरकारी व्यवस्था नहीं है। बगैर किसी लाइसेंस के मनमाने तरीके से हॉस्टल्स चलाए जा रहे हैं। वहां रहने वाले लड़के-लड़कियों की सेफ्टी, सिक्योरिटी, खाने-पीने की व्यवस्था और सेनिटेशन की व्यवस्था जैसे-तैसे चल रही है। आए दिन लड़के-लड़कियों की मौत या दूसरे घटनाओं की बातें सामने आती रहती है।

अयोध्या के जीएसटी अफसर ने वापस लिया इस्तीफा

योगी के सपोर्ट में नौकरी छोड़ी थी, बोले– शिकायत करने वाला भाई मुख्तार गैंग का सदस्य

अयोध्या, 31 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में अयोध्या के जीएसटी डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने इस्तीफा वापस ले लिया है। 4 दिन बाद फैसले से पलटने वाले अफसर ने कहा- मेरे ऊपर कोई दबाव नहीं है। फिलहाल मैं, अपने दफ्तर में काम कर रहा हूं। उन्होंने 27 जनवरी को योगी का सपोर्ट करते हुए इस्तीफा दिया था।

अफसर ने प्रयागराज माघ मेले में की गई शंकराचार्य की टिप्पणी पर जवाब दिया था। कहा था- मैं योगी जी के बारे में एक शब्द नहीं सुन सकता। ठेला गाड़ी (पालकी) पर बैठकर कोई सीएम को उल्टा सीधा नहीं कह सकता। वो हमारे अन्नदाता हैं। वहीं, शिकायत करने वाले भाई को उन्होंने मुख्तार गैंग का सदस्य भी बताया।

प्रशांत कुमार सिंह के इस्तीफे के बाद भाई विश्वजीत ने आरोप लगाते हुए कहा था- प्रशांत को दिव्यांग कोटे से नौकरी मिली थी। उनका दिव्यांगता प्रमाण-पत्र फर्जी है। इस शिकायत के बाद प्रमुख सचिव कामिनी रतन चौहान ने राज्यकर आयुक्त नितिन बंसल से रिपोर्ट तलब की है।

विश्वजीत ने अपनी बहन जया सिंह पर भी दिव्यांगता का फर्जी सर्टिफिकेट बनवाने का आरोप लगाया है।

जया सिंह इस समय कुशीनगर के हाटा तहसील में तहसीलदार हैं। उन्होंने कहा- भाई के द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं। मैं जांच के लिए तैयार हूं। यह आरोप पारिवारिक विवाद के कारण लगाए जा रहे।

अफसर बोले- मेरा भाई मुख्तार गैंग का सदस्य

प्रशांत कुमार सिंह ने भाई विश्वजीत सिंह पर गंभीर आपराधिक आरोप भी लगाए हैं। उन्होंने कहा कि विश्वजीत, मुख्तार अंसारी के मऊ गैंग का सक्रिय सदस्य है। वह उसका फाइनेंशियल एडवाइजर भी रहा है। उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्वजीत ने अपने माता-पिता के साथ मारपीट की, जिस मामले में एफआईआर भी दर्ज है।

जीएसटी डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह पर अयोध्या के कपड़ा कारोबारी लक्ष्मण दास ने गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि 2 अप्रैल को प्रशांत कुमार ने टीम के साथ दुकान पर आकर छापा मारा था। सर्वे के नाम पर फर्जी तरीके से 8 लाख की डिमांड की थी। गाली देते हुए धमकाया था। लक्ष्मण दास ने कोर्ट में याचिका लगाई है।

भरनो प्रखंड में घूम रहे 16 हाथी

जानमाल की सुरक्षा को लेकर 15 फरवरी तक निषेधाज्ञा लागू, वन विभाग व क्यूआरटी टीम पहुंची

गुमला, 31 जनवरी (एजेंसियां)। गुमला के भरनो प्रखंड के सुपा महुवाटोली के पतरा के पास 16 जंगली हाथियों का झुंड के प्रवेश करने से ग्रामीण काफी भयभीत हैं। वहीं, वन विभाग और क्यूआरटी टीम उक्त स्थल पर मौजूद हैं। टीम लगातार हाथियों के मूवमेंट पर नजर बनाए हुए हैं।

मानवीय आवास के पास हाथियों की उपस्थिति से ग्रामीणों में भय का माहौल है। ऐसी परिस्थिति को देखते हुए लोक शांति और विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 30 जनवरी से 15 फरवरी अपराह्न 6 बजे तक संबंधित ग्राम क्षेत्रों में निषेधाज्ञा लागू की गई है।

इधर, अनुमंडल पदाधिकारी गुमला राजीव नीरज के निर्देश पर भरनो थाना क्षेत्र के अंतर्गत जंगली हाथियों के विचरण से उत्पन्न संभावित खतरे को देखते हुए निषेधाज्ञा लागू की गई है।

थाना प्रभारी भरनो और भरनो अंचलाधिकारी ने संयुक्त रूप से सूचित किया कि लगभग 16 जंगली हाथियों का झुंड भरनो थाना क्षेत्र के मौजा सुपा, मलगो, मोरगाव, बुढ़ीपाट और महुआटोली में विचरण कर रहा है।

जंगली हाथियों की उपस्थिति वाले स्थलों के पास 5 या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने तथा आम रास्तों को किसी भी मांग के उद्देश्य से अवरुद्ध करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग

जमशेदपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर के मानगो थाना क्षेत्र स्थित दाईगुटु कावेरी रोड पर उर्मिला देवी के मकान में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। इस घटना में घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया। गनीमत रही कि आग लगने के समय मकान में कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा घर उसकी चपेट में आ गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे।

सरकार के खिलाफ नारेबाजी, 600 से ज्यादा लोगों पर एफआईआर दर्ज

रसोइया संघ की रैली पर पुलिस का एक्शन, निरीक्षक की शिकायत पर केस दर्ज

रायपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ स्कूल मध्यान्ह भोजन रसोईया संयुक्त संघ की रैली के दौरान कानून-व्यवस्था भंग होने के मामले में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी, मुख्य मार्ग जाम करने और आम जनता को परेशानी में डालने के आरोप में संघ के पदाधिकारियों सहित 500 से 600 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

29 जनवरी 2026 को वरिष्ठ कार्यालय के निर्देश पर अभनपुर पुलिस की टीम धरना-प्रदर्शन और कानून-व्यवस्था ड्यूटी के लिए तूता, नवा रायपुर पहुंची थी। यहां छत्तीसगढ़ स्कूल मध्यान्ह भोजन रसोईया संयुक्त संघ के सदस्य अपनी कई मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे थे। धरना समाप्त होने के बाद संघ के नेताओं पर प्रदर्शनकारियों को भड़काने का आरोप है।

पुलिस का कहना है कि, राम गुलाम ठाकुर के भड़काऊ भाषण देने के बाद रामराज कश्यप के नेतृत्व में रसोईया संघ के सदस्य नवा रायपुर के मुख्य मार्ग की ओर बढ़ गए। इस दौरान आने-जाने वाले लोगों को रोककर अवैध रूप से रैली निकाली गई।

मौके पर मौजूद कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अभनपुर ने रैली को अवैध बताते हुए बार-बार समझाइश दी कि मुख्य मार्ग अवरुद्ध करने से आम जनता को असुविधा होगी, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने निर्देशों की अनदेखी की।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि, रैली के दौरान मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री सहित शासन-प्रशासन के खिलाफ अभद्र टिप्पणी और नारेबाजी की गई। इसके बाद प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठ गए और रास्ता जाम कर दिया। जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया।

पुलिस ने इस मामले में रामराज कश्यप (प्रदेश अध्यक्ष), मेघराज बघेल (प्रदेश सचिव), कचरा चंद्राकर (प्रदेश उपाध्यक्ष), सुनीता, उल्फी यादव, कन्हैया यादव (प्रदेश कोषाध्यक्ष), राम गुलाम ठाकुर सहित अन्य 500-600 सदस्यों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़ के लिए बनेगी एक्सपर्ट साइंटिफिक टीम

केंद्रीय मंत्री शिवराज बोले- साइंटिस्ट और अधिकारी मिलकर करेंगे काम, एमएसपी और बीज की वराइटी पर होगा फोकस

रायपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ के लिए एक विशेष वैज्ञानिक टीम गठित करने का ऐलान किया है। यह टीम छत्तीसगढ़ की एग्रो-क्लाइमेट कंडीशन के मुताबिक फसलों की बेहतर किस्म, कीट नियंत्रण, रिसर्च और इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल पर काम करेगी।

एक दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे शिवराज सिंह चौहान ने रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत सरकार की यह टीम इसी हफ्ते गठित कर दी जाएगी, जिसमें वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक, कृषि विभाग के अधिकारी और टेक्निकल एक्सपर्ट शामिल होंगे।

टीम राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ मिलकर किसानों की समस्याओं का वैज्ञानिक समाधान तलाशेगी। यह तय करेगी कि छत्तीसगढ़ में कौन-सी फसल और कौन-सी वैरायटी सबसे बेहतर उत्पादन दे सकती है।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, उन्होंने छत्तीसगढ़ के किसान भाईयों से मुलाकात की, खेती का काम देखा और किसान मेले के माध्यम से भी किसानों से सीधे संवाद किया।

साथ ही कृषि और ग्रामीण विकास की योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि, "मुझे गर्व और प्रसन्नता है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अच्छा काम हो रहा है।" केंद्रीय मंत्री ने खपरी क्षेत्र के दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि, छत्तीसगढ़ सिर्फ धान का कटोरा नहीं रहा, बल्कि अब फल और सब्जियों के उत्पादन में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

पतंजलि अनुसंधान संस्थान एवं वेलनेस में 'योगा ओलंपियाड ओरिएंटेशन' एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन

हरिद्वार, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पतंजलि अनुसंधान संस्थान एवं वेलनेस, हरिद्वार में 'योगा ओलंपियाड ओरिएंटेशन एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम' का नौ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का पतंजलि अनुसंधान संस्थान में संपन्न हुआ। 22 से 30 जनवरी तक चला प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरी तरह से सफल रहा। यह कार्यक्रम योगदर्शन, मनोविज्ञान एवं आध्यात्मिकता पर आधारित था, जो आंतरिक शांति एवं आध्यात्मिक चिंतन की दिशा प्रदान करता है।

इस कार्यक्रम में शिक्षा विभाग सिक्किम सरकार के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में विकास, समानता एवं योग के व्यापक प्रसार को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि योग प्राचीन भारत की एक समग्र शारीरिक,

मानसिक एवं आध्यात्मिक साधना है। योग का उद्देश्य मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करना है, जिससे आत्म-साक्षात्कार, मानसिक शांति एवं मोक्ष की प्राप्ति संभव होती है। इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने कहा कि नेचुरोपैथी एक औषधि-रहित उपचार पद्धति है, जो शरीर की स्वाभाविक उपचार क्षमता को सक्रिय करती है। इसमें संतुलित आहार, जड़ी-बूटियाँ, जल एवं मिट्टी चिकित्सा, योग, प्राणायाम, उपवास, सूर्य चिकित्सा एवं एक्यूपंक्चर के माध्यम से रोगों के मूल कारणों का उपचार किया जाता है।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा एक प्रभावी पूरक उपचार पद्धति है, लेकिन गंभीर रोगों में अनुभवी चिकित्सक की सलाह अत्यंत आवश्यक होती है। साथ ही उन्होंने पतंजलि एवं सिक्किम सरकार के संयुक्त प्रयासों की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।

पतंजलि वेलनेस के संदर्भ में डॉ. विनिता ने बताया कि आयुर्वेद एवं प्राकृतिक जीवनशैली अपनाकर ही शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखा जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. वेदप्रिया आर्या ने पतंजलि की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का परिचय प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. विशाल, सौरभ निर्मोही, डॉ. दीपिका, डॉ. विनिता सहित अन्य पतंजलि वैज्ञानिकों की सक्रिय सहभागिता रही। सिक्किम से आए प्रतिनिधियों ने पतंजलि गौशाला, गुरुकुलम, आचार्यकुलम, हर्बल गार्डन एवं अनुसंधान केंद्र का भ्रमण कर पतंजलि द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में प्रमुख प्रतिनिधियों के रूप में अधिकारी एवं जामयांग भूटिया उपस्थित रहे। समापन अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें प्रतीक-चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। आचार्य बालकृष्ण ने अतिथियों का शाल और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

अंतर्राज्यीय चोर गिरोह का भंडाफोड़

सरायकेला, 31 जनवरी (एजेंसियां)। सरायकेला पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। राजनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी सुजित कुमार शर्मा उर्फ पुरी उर्फ कालू सरदार और उसके सहयोगी सागर मुंडा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले में गिरोह से जुड़े तीन नाबालिगों को भी निरुद्ध किया गया है।

इस पूरे मामले का खुलासा शनिवार को सरायकेला के पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि राजनगर थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत दर्ज एक कांड के अनुसंधान के क्रम में यह कार्रवाई की गई है। एसपी ने जानकारी दी कि इस मामले में आवेदक आशीष कुमार महतो ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

उन्होंने आरोप लगाया था कि बदमाशों ने हथियार के बल पर उनका मोबाइल फोन और नगद राशि लूट ली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया, जिसने तकनीकी साक्ष्य और गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी अभियान चलाया।

चीनी का उत्पादन 18 फीसदी बढ़ा महाराष्ट्र, यूपी और कर्नाटक रहा अव्वल

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय चीनी और जैव-ऊर्जा निर्माता संघ (आईएसएमए) के मुताबिक, जनवरी में भारत का चीनी उत्पादन बढ़कर 195.03 लाख टन हो गया। यह पिछले सीजन की समान अवधि में 164.79 लाख टन था। इस तरह साल-दर-साल आधार पर उत्पादन में 18.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। आईएसएमए के अनुसार, फिलहाल देशभर में 515 चीनी मिलें परिचालन में हैं, जो पिछले साल इसी समय संचालित 501 मिलों से थोड़ा अधिक है। चीनी पेराई का सीजन आमतौर पर अक्तूबर से शुरू होता है।आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक देश के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य हैं और तीनों राज्यों में इस साल उत्पादन बढ़ा है।

टाटा ट्रस्ट्स में बड़ा बदलाव; प्रमित झवेरी छोड़ेंगे सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट, नोएल टाटा को लिखा खत

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। देश के सबसे प्रतिष्ठित कॉरपोरेट घरानों में से एक, टाटा समूह की मुख्य होल्डिंग कंपनी को नियंत्रित करने वाले 'सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट' में शीर्ष स्तर एक और बड़ा बदलाव होने की खबर है। दिग्गज बैंकर और ट्रस्टी प्रमित झवेरी ने अपने पद से हटने का फैसला किया है। झवेरी का मौजूदा कार्यकाल 11 फरवरी, 2026 को समाप्त हो रहा है। अब उन्होंने साफ कर दिया है कि अब वे इस पद पर फिर से नियुक्त नहीं होना चाहते।

नोएल टाटा को लिखा पत्र: 'अब आगे नहीं बढ़ाना चाहता कार्यकाल'

प्रमित झवेरी ने 31 जनवरी को टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा को एक पत्र लिखकर अपने फैसले की औपचारिक जानकारी दी।

फिर से शामिल होने से इनकार: झवेरी ने अपने पत्र में साफ शब्दों में कहा है कि 11 फरवरी, 2026 को उनका कार्यकाल खत्म होने के बाद वे ट्रस्टी के रूप में पुनर्नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के इच्छुक नहीं हैं। **पूर्व चर्चा:** रिपोर्ट के अनुसार, झवेरी ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि इस निर्णय पर पहले ही नोएल टाटा के साथ चर्चा हो चुकी थी और अब इसे केवल औपचारिक रूप से सूचित किया जा रहा है। यह पत्र सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के अन्य ट्रस्टियों और

टाटा ट्रस्ट्स के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा को भी भेजा गया है।

रतन टाटा लेकर आए थे बोर्ड में

प्रमित झवेरी का टाटा ट्रस्ट्स के साथ जुड़ाव 2020 में शुरू हुआ था। उन्हें स्वर्गीय रतन एन. टाटा ने बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। **कार्यकाल:** झवेरी 12 फरवरी, 2020 से ट्रस्टी के रूप में सेवा दे रहे थे। उनकी नियुक्ति रतन टाटा के कार्यकाल के दौरान हुई थी। **अनुभव:** अपने पत्र में झवेरी ने ट्रस्ट के साथ बिताए समय को एक 'सम्मान' बताया और आने वाले वर्षों के लिए टाटा ट्रस्ट्स को अपनी शुभकामनाएं दीं। टाटा समूह के स्ट्रक्चर में सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट की भूमिका बेहद अहम है।सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट मिलकर टाटा संस में 51% से अधिक की हिस्सेदारी रखते हैं. टाटा संस, नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक बनाने वाले टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है। ट्रस्टी के रूप में, व्यक्ति के पास समूह की दिशा और परोपकारी कार्यों के आवंटन पर महत्वपूर्ण प्रभाव होता है।

बजट 2026: 8वें वेतन आयोग को लेकर अटकलें तेज

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनधारकों की बढ़ी उम्मीदें

नई दिल्ली,31 जनवरी (एजेंसियां)। देश के 1.1 करोड़ से ज्यादा केंद्रीय सरकारी कर्मचारी और पेंशनधारक रविवार को पेश होने वाले केंद्रीय बजट 2026-27 से 8वें वेतन आयोग को लेकर किसी बड़े संकेत की उम्मीद लगाए बैठे हैं। सभी की नजर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण पर रहेगी कि क्या वेतन और पेंशन बढ़ाने की प्रक्रिया को तेज किया जाएगा।

हालांकि, वित्त वर्ष 2026-27 में वेतन और पेंशन बढ़ोतरी को पूरी तरह लागू किया जाना अभी मुश्किल माना जा रहा है। बजट के दिन 8वें वेतन आयोग के औपचारिक गठन को केवल तीन महीने ही पूरे हुए होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आयोग को अपनी रिपोर्ट देने के लिए 18 महीने का समय दिया गया है। ऐसे में यह संभावना कम है कि वित्त वर्ष 2026-27 में

वेतन और पेंशन बढ़ोतरी लागू हो पाए।एनडीटीवी प्रॉफिट की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर बजट में वेतन और पेंशन बढ़ोतरी से सरकार पर पड़ने वाले खर्च के लिए अलग से राशि का प्रावधान किया जाता है, तो इससे यह संकेत मिल सकता है कि सरकार इस प्रक्रिया को तेज करना चाहती है। अगर ऐसा होता है, तो वेतन आयोग कर्मचारियों और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत की प्रक्रिया तेज कर सकता है और तय समय से पहले ही अपनी रिपोर्ट सौंप सकता है। फिलहाल आयोग की रिपोर्ट की आखिरी तारीख मई 2027 है।

जब भी नया वेतन आयोग लागू होता है, तो महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) को पहले शून्य कर दिया जाता है और फिर धीरे-धीरे बढ़ाया जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 8वें वेतन आयोग में अगर फिटमेंट फैक्टर थोड़ा कम भी रखा जाता है, तब भी कर्मचारियों को अच्छा फायदा मिल सकता है। इसकी वजह यह है कि अभी डीए और डीआर की दर 7वें वेतन आयोग के अंत के मुकाबले काफी कम है। अक्टूबर में हुए आखिरी संशोधन के बाद डीए और डीआर की दर 58 प्रतिशत है। 7वें वेतन आयोग का सरकार पर कुल खर्च करीब 1.02 लाख करोड़ रुपए था।

सरकार ने खाद का दुरुपयोग रोकने के लिए जारी किए 14,692 नोटिस

6 हजार से अधिक लाइसेंस रद्द

नई दिल्ली,31 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मौजूदा फसल सीजन के दौरान खाद के डायवर्जन और गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, खरीफ और चल रहे रबी सीजन 2025-26 (अप्रैल-जनवरी 2026 के मध्य) के दौरान 14,692 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, 6,373 लाइसेंस सस्पेंड या रद्द किए गए और 766 एफआईआर दर्ज की गईं। सरकार का मकसद किसानों के हितों की रक्षा करना और राष्ट्रीय खाद सप्लाई चेन में पारदर्शिता बनाए रखना है। सरकार ने राज्य सरकारों और जिला-स्तरीय अधिकारियों ने एक बड़ा अभियान चलाया, जिसमें निरीक्षण, छापे और कानूनी कार्रवाई शामिल थी। खाद विभाग ने कृषि और किसान कल्याण विभाग के साथ मिलकर यह अभियान चलाया।

क्रिप्टो से कमाई पर 30% टैक्स, लेकिन नुकसान का क्या?

बजट से निवेशकों को राहत की उम्मीद

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। वर्चुअल डिजिटल एसेट्स में निवेश करने वाले निवेशक टैक्स व्यवस्था में राहत की मांग कर रहे हैं, खासतौर पर नुकसान को समायोजित करने की अनुमति को लेकर, जबकि क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली आय पर फिलहाल 30 फीसदी टैक्स लागू है। यह जानकारी रोहित गर्ग पार्टनर, शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी, ने दी। गर्ग ने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में अगर कोई निवेशक क्रिप्टोकरेंसी से मुनाफा कमाता है तो उस पर 30 फीसदी टैक्स देना होता है, लेकिन अगर नुकसान होता है तो उसे टैक्स में समायोजित करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार मुनाफे पर टैक्स लगा रही है, तो निवेशकों को नुकसान का फायदा भी मिलना चाहिए, जैसा कि अन्य कैपिटल एसेट्स में होता है। उन्होंने बताया कि वीडीए से जुड़ा टैक्स आयकर अधिनियम, 1961 के तहत आता है और इसे नए आयकर कोड में भी आगे बढ़ाया गया है। वीडीए में बिटकॉइन समेत अन्य क्रिप्टो और स्टेबलकॉइन शामिल हैं। उनका कहना है कि यदि भारत इन पर टैक्स लगाना जारी रखना चाहता है, तो लाभ और हानि दोनों को मान्यता देना जरूरी है।

वीडीए के अलावा, गर्ग ने कहा कि विदेशी निवेशक समुदाय अंतरराष्ट्रीय कर व्यवस्था में स्पष्टता और निश्चितता चाहता है। उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए भारतीय आयकर अधिनियम के मद्देनजर विदेशी निवेशकों को पहले से नियमों की साफ तस्वीर चाहिए। गर्ग के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के कुछ हालिया टैक्स फैसलों ने विदेशी निवेशकों के भरोसे को झटका दिया है। उन्होंने कहा कि टैक्स दरों के साथ-साथ किसी लेन-देन पर टैक्स प्रशासन का रुख भी स्पष्ट होना चाहिए, क्योंकि कई मामलों में विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचने में वर्षों लग जाते हैं।

टैक्स विवादों पर बोलते हुए गर्ग ने कहा कि भले ही अपील अब डिजिटल हो रही हैं, लेकिन पहले अपीलीय स्तर पर 5 लाख से ज्यादा अपीलें लंबित हैं, जिससे सरकार का राजस्व अटका हुआ है।उन्होंने बजट में तेजी से निपटारे के लिए प्रभावी रिड्रेसल मैकेनिज्म लाने और इनकम टैक्स सेटलमेंट कमीशन को फिर से शुरू करने की मांग की, जिसे पहले के बजट में हटा दिया गया था।गर्ग ने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद विदेशी निवेशक भारत में निवेश को लेकर सकारात्मक हैं। उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ ट्रेड डील को अहम बताते हुए कहा कि निवेशक टैक्स लागत स्वीकार करने को तैयार हैं, बशर्ते कर नियम स्पष्ट और स्थिर हों तथा पहले से अनुमानित किए जा सकें।

यूएस एसईसी केस में अदाणी भाइयों ने कानूनी नोटिस लेने पर जताई सहमति, जानें क्या है पूरा मामला

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)।अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी कि गौतम अदाणी और सागर अदाणी के वकीलों ने अमेरिका की प्रतिभूति व विनिमय आयोग द्वारा 2024 में दायर सिविल आरोपों के मामले में सर्विस स्वीकार करने की अर्जी दाखिल की है। यह मामला न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट की यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में चल रहा है।

सर्विस स्वीकार करने का मतलब

कंपनी के मुताबिक, अमेरिकी न्यायिक प्रक्रिया में सर्विस स्वीकार करने का मतलब यह होता है कि प्रतिवादी या उनके वकील कानूनी दस्तावेज सीधे प्राप्त करने पर सहमत होते हैं, जिससे प्रक्रिया सर्वर या शेरिफ के जरिए नोटिस तामील कराने की जरूरत नहीं रहती। इसे दस्तावेज प्राप्ति की वैध और स्वैच्छिक स्वीकृति माना जाता है, जो ड्यू प्रोसेस की शर्तों को पूरा करती है। एजीईएल के 31 जनवरी के स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया कि हमारी समझ के अनुसार, 30 जनवरी 2026 को प्रतिवादियों के वकीलों ने ईडीएनवाई के अधिकार क्षेत्र को स्वीकार किए बिना और सभी उपलब्ध बचाव, जिसमें अधिकार क्षेत्र से जुड़े बचाव

भी शामिल हैं। आरक्षित रखते हुए, प्रतिवादियों की ओर से सर्विस स्वीकार करने का आवेदन दाखिल किया। कंपनी ने यह भी बताया कि अदाणी भाइयों ने कुछ प्रक्रियात्मक कदम उठाए हैं और वे एसईसी की शिकायत को खारिज कराने के लिए आवेदन दायर करने या उपयुक्त रिस्पॉन्सिव प्लीडिंग्स दाखिल करने का इरादा रखते हैं। अदाणी ग्रीन ने दोहराया कि वह इन अदालती कार्यवाहियों की पक्षकार नहीं है और कंपनी के खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाए गए हैं। फाइलिंग में यह भी स्पष्ट किया गया कि 27 नवंबर 2024 को दी गई पूर्व सूचना के अनुरूप, प्रतिवादियों पर अमेरिका के विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) के उल्लंघन का कोई आरोप नहीं है अर्थात रिश्वत या भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगाए गए हैं।

सेल का बढ़ा मुनाफा तो एनटीपीसी ने दूसरी बार अंतरिम लाभांश घोषित किया

मुंबई,31 जनवरी (एजेंसियां)। स्टील बनाने वाली सरकारी कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड और बिजली बनाने वाली सरकारी कंपनी एनटीपीसी को जानते ही होंगे। इन दोनों ने कल ही इस वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही के परिणाम जारी किए हैं। इस दौरान सेल ने जहां 441.70 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया है, वहीं एनटीपीसी का मुनाफा 5,067 करोड़ रुपये रहा है। एनटीपीसी ने तो हर शेयर पर 2.75 रुपये का डिविडेंड भी घोषित किया है।

सेल के मुनाफे में बढ़ोतरी

चालू वित्त वर्ष के दौरान 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही के दौरान सेल को कुल 441.70 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। पिछले साल इसी अवधि में कंपनी का मुनाफा 426.79 करोड़

रुपये था। कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, अमरेन्द्र प्रकाश ने बताया कि यह बेहतर मुनाफा बढ़ी हुई बिक्री, बेहतर संचालन और समझदारी भरे वित्तीय प्रबंधन के कारण संभव हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, हमने अपने परिचालन लाभ को बनाए रखा है। इस तिमाही में कंपनी की कुल आय 27,702.78 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की इसी अवधि में 27006.97 करोड़ रुपये थी।

एनटीपीसी का पीएटी 8% बढ़ा

सरकारी बिजली जनरेशन कंपनी एनटीपीसी ने दिसंबर में समाप्त तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में 8% से अधिक की वृद्धि दर्ज की है। इस दौरान कंपनी का मुनाफा 5,489 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 5,063 करोड़ रुपये रहा था।

ऑपरेटिंग रेवेन्यू कितना बढ़ा

इस साल तीसरी तिमाही के दौरान एनटीपीसी का ऑपरेटिंग रेवेन्यू 45,846 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की इसी अवधि में 41,369 करोड़ रुपये था। यह 2% की वृद्धि है। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर देखें तो, कंपनी का लाभ भी 8% बढ़कर 5,067 करोड़ रुपये से 5,489 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह, रेवेन्यू भी 44,786 करोड़ रुपये से बढ़कर 45,846 करोड़ रुपये हो गया। यह 2% की वृद्धि है।

शेयरहोल्डर्स को दूसरा अंतरिम लाभांश

एनटीपीसी ने वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए 2.75 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश भी घोषित किया है। यह इस साल का दूसरा अंतरिम लाभांश है। लाभांश के भुगतान की तारीख 25 फरवरी, 2026 तय की गई है। मतलब कि इस दिन जिस शेयरहोल्डर का नाम कंपनी के पास होगा, उन्हें लाभांश के लिए पात्र माना जाएगा।

कैसे ट्रंप के टैरिफ से निपटने में कारगर साबित हो सकता है बजट? इन कदमों पर होगी देश की नजर

नई दिल्ली,31 जनवरी (एजेंसियां)। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिका के उच्च टैरिफ की वजह से हड़कंप मचा है। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव भारत पर पड़ा है, जिस पर अमेरिका ने कुल 50 फीसदी तक का आयात शुल्क लगाया है। बीते कुछ दिनों में भारत ने ब्रिटेन, यूरोपीय संघ समेत कई पक्षों से मुफ्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर मुहर लगाकर भविष्य में अमेरिकी टैरिफ के प्रभावों को कम करने की कोशिश की है। हालांकि, तत्कालिक स्तर पर भी कई कदम उठाए गए हैं। अब इन कदमों को धरातल पर उतारने और भारतीय अर्थव्यवस्था की आगे की चाल तय करने के लिए 1 फरवरी 2026 को पेश होने वाले केंद्रीय बजट बेहद अहम होने वाला है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर भारत पर ट्रंप के टैरिफ का लंबी अवधि में क्या असर पड़ सकता है? मोदी सरकार इस साल कैसे बजट के जरिए अमेरिकी टैरिफ के प्रभावों को और कम कर सकती है? कैसे इन कदमों से तात्कालिक से लेकर लंबी अवधि के लाभ हासिल करने की तैयारी की जा रही है? बजट में इसे लेकर क्या एलान होने की संभावना है?

ट्रंप के टैरिफ का भारत पर क्या असर?

भारत से अमेरिका को होने वाले कुछ निर्यातों पर 50% तक के टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप ने इनमें 25 फीसदी टैरिफ अमेरिकी व्यापार घाटे को कम करने का हवाला देते हुए लगाया है, जबकि अतिरिक्त 25 प्रतिशत रूस से तेल खरीदने के लिए लगाया गया है। इसका असर भारत के कई सेक्टर्स पर पड़ा है। खास बात यह है कि ट्रंप के इन टैरिफ से भारत की निर्यात अर्थव्यवस्था कुछ धीमी पड़ी है, जो कि देश के पांच ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनने में बाधा पैदा कर रही है। प्रभावित क्षेत्रः कपड़ा, चमड़ा, खिलौने, गहने, ऑटो पाट्र्स, श्रम-प्रधान क्षेत्र। व्यापार में गिरावटः आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2025 में अमेरिका को होने वाले भारत के माल निर्यात में 1.83% की गिरावट देखी गई है। चूंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, इसलिए ये टैरिफ एक बड़ी बाधा बन सकते हैं। आगे क्या संभावनाः अमेरिका अपने कृषि और डेयरी उत्पादों के लिए भारतीय बाजारों को खोलने की मांग कर रहा है। ऐसे में भारत पर अपने इन क्षेत्रों को विदेशी उत्पादों से बचाने का बड़ा दबाव है। अगर भारत इन खतरों से निपटने के तरीके जल्द नहीं निकालता तो देश की आर्थिक रफ्तार धीमी पड़ सकती है। भारत में 1 फरवरी को पेश होने वाला बजट 2026 को ट्रंप-प्रूफिंग रणनीति का हिस्सा बन सकता है। माना जा रहा है कि केंद्र सरकार इस साल बजट के जरिए अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक व्यापार युद्ध के प्रभाव से भारतीय अर्थव्यवस्था को सुरक्षित कर सकती है। सरकार का ध्यान केवल घरेलू खपत तक सीमित न रहकर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने और निर्यात-आधारित विनिर्माण को मजबूत करने पर होगा। अमेरिका ने भारत के जिन सेक्टर्स पर 50% तक के टैरिफ लगाए हैं, केंद्र सरकार उनके लिए कुछ तय कदम उठा सकता है। निर्यात प्रोत्साहन मिशनः 25,060 करोड़ रुपये के इस मिशन के तहत निर्यातकों को ऋण और ब्याज में छूट दी जाएगी।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग को सुरक्षाः विशेषज्ञों की मानें तो केंद्र छोटे निर्यातकों के लिए सरकार ऋण पर 85% तक की गारंटी दे सकती है। डिजिटल बुनियादी ढांचाः 'भारतट्रेडनेट' जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से नौकरशाही बाधाओं को कम करना और रसद लागत घटाने पर जोर दिया जा सकता है। ऐसा नहीं है कि केंद्र सरकार ट्रंप के टैरिफ से बचने के लिए सिर्फ अपनी आर्थिक सुरक्षा को ही प्राथमिकता देने की कोशिश में है, बल्कि सरकार अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने के लिए उसके साथ कुछ रक्षा समझौतों के लिए बजट तय कर सकती है। इनमें कुछ हथियारों की खरीद और तकनीक हस्तांतरण के लिए प्रावधान किए जाने की संभावना है।

अकासा के हवाई जहाज उड़ेंगे तो कम होगा पर्यावरण को नुकसान

एसएएफ के लिए आईओसी से मिलाया हाथ

नई दिल्ली,31 जनवरी (एजेंसियां)। सरकारी कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने एविएशन सेक्टर की कंपनी अकासा एयर के साथ बड़ा करार किया है। दोनों मिलकर भविष्य में सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल की सप्लाई को लेकर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। यह भारत के तेजी से बढ़ते एविएशन सेक्टर को ग्रीन बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

ग्रीन फ्यूल की तरफ मजबूत कदम

इस समय दुनिया भर की एविएशन कंपनियां और एविएशन फ्यूल सप्लायर कम कार्बन वाले भविष्य के लिए तैयार हो रहे हैं। इसी दिशा में इंडियन ऑयल और अकासा एयर ने कदम बढ़ाया है। यह कदम ऐसे समय में उठा है, जबकि भारत का एविएशन मार्केट बहुत तेजी से बढ़ रहा है। वहीं, विमानन कंपनियों पर रेगुलेटर, निवेशक और ग्राहक लगातार अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने का दबाव बना रहे हैं। यह लेटर ऑफ इंटेंट हैदराबाद में विंग्स इंडिया 2026 के दौरान साइन किया गया। इसमें अकासा एयर के सस्टेनेबिलिटी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एसएएफ की संभावित सोर्सिंग और सप्लाई के लिए सहयोग की रूपरेखा तैयार की गई है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के कंट्री हेड (एविएशन बिजनेस) शैलेश धर ने कहा, 'यह एलओआई कम कार्बन वाले ईंधन को बढ़ावा देने और हमारे ग्राहकों को उनके एनर्जी ट्रांजिशन में मदद करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारम्भ समय	
सूर्य	मकर	मे	मकर...	05-43 बजे
चंद्र	कर्क	मे	कुम्भ....	07-34 बजे
मंगल	मकर	मे	मीन....	09-12 बजे
बुध	मकर	मे	मेष.....	10-48 बजे
गुरु	मिथुन	मे	वृष....	12-33 बजे
शुक्र	मकर	मे	मिथुन..	14-33 बजे
शनि	मीन	मे	कर्क...	16-45 बजे
राहु	कुंभ	मे	सिंह----	18-58 बजे
केतु	सिंह	मे	कन्या--	21-04 बजे
			तुला-----	23-09 बजे
			वृश्चिक..	01-20 बजे
			धनु.....	03-33 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
सूर्योदय 06-52
सूर्यास्त. 18-07
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - माघ शुक्ल पक्ष रविवार 01 February 2026
तिथि - पूर्णिमा 03-39 रात तक उपरान्त प्रतिपदा
नक्षत्र - पुष्य 23-58 रात तक उपरान्त आश्लेषा
योग - प्रीति 10-17 तक उप. आयुष्मान
करण - विष्टी 16-43 तक बव

रविपुष्य योग पूर्णिमा व्रत
श्री ललिता ज.माघ स्नान पूर्ण

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 16-45 से 18-10 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06-52 - 08-15 अशुभ	शुभ।	18-07 - 19-45 शुभ
चंचल	08-15 - 09-40 शुभ	अमृत	19-45 - 21-20 शुभ
लाभ	09-40 - 11-05 शुभ	चंचल	21-20 - 22-55 शुभ
अमृत	11-05 - 12-30 शुभ	रोग	22-55 - 00-30 अशुभ
काल	12-30 - 13-55 अशुभ	काल	00-30 - 02-05 अशुभ
शुभ	13-55 - 15-20 शुभ	लाभ	02-05 - 03-39 शुभ
रोग	15-20 - 16-45 अशुभ	उत्पात	03-39 - 05-14 अशुभ
उत्पात	16-45 - 18-07 अशुभ	शुभ	05-14 - 06-52 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांछित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे । आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप थोड़े से अभिमान में रहेंगे और उसी के प्रभाव में रहकर सोचेंगे और काम करेंगे । इसी के कारण आप किसी बड़े अधिकारी से बात करते हुए आँखें नही मिला पायेंगे । यह अच्छा होगा या बुरा,यह आज आपको सोचना है ,हमारी सलाह यह है की आज अपने दिमाग की सुनें । व्यवहार कुशलता का परिचय दें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। आज अपने दिल और ऊर्जा के स्तर का ध्यान रखें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप किसी बड़े सम्मेलन या सेमिनार की मेजबानी कर सकते हैं लेकिन आपके मनचाहे समय पर स्थान की उपलब्धता के कारण हुई हल्की सी ग़लतफ़हमी से आपको शर्मिंदगी महसूस होगी और आपको कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है । आपको ऐसे समय में शांति बनाये रखनी होगी और सकारात्मक कोशिशें करते रहनी होंगी ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप सच्चे और ईमानदार लोगों से मिलना पसंद करते हैं । लेकिन आज आपकी मुलाक़ात उनसे होगी जो मुखौटे लगाये रखते हैं । उन्हें पहचानने की कोशिश करें । आपसे जल्दी फैसले लेना समय की मांग रहेगी । किसी भी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले अच्छी तरह सोच लें और फैसले लेने तक कोई भी अन्य काम न करें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपका विशेष ध्यान दोस्तों पर रहेगा । किसी पुराने दोस्त से या तो आप मिलेंगे या उनमे से कोई आपसे मिलने आज अचानक चला आएगा । आज अपनी किसी एक या अधिक दोस्तों की परेशानी में मदद भी करने वाले हैं । दूसरी ओर,एक दोस्त आपके ऊपर अपना गुस्सा भी निकल सकता है लेकिन बुरा ना मानें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी । आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे । अपने दोस्तों –साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेगे । जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें । अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है । विवादों से बचें,वे बाद में समस्या पैदा कर सकते हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आपका मूड बदलता रहेगा । आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें ? आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे । फिर भी,किसी भी स्थिति में इमानदार बनें रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी । आज सब चीजों को हल्के में लें और खुद को बस निरीक्षक की भूमिका तक सीमित रखें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप बहुत सृजनात्मक अनुभव करेंगे । खूबसूरती की प्रशंसा के साथ साथ खुद भी कुछ खूबसरत चीज बनाना चाहेंगे । दिन कलाकारों के लिए विशेष अच्छा है । हालाँकि ,आज शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लें । क्योंकि अचानक आप विकर्षित सा अनुभव करने लगेंगे ,यह भावना काफी सामान्य है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज पैसे को संभलकर खर्च करें । सितारों के अनुसार आज आप बिना किसी बात के काफी खर्च कर सकते हैं । अगर आप ध्यान नही देंगे तो काफी बड़ी रकम आज आपसे खर्च हो सकती है । आज विवादो और टकराव से बचना ही बेहतर होगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी कोई परेशानी नही होगी और आप बाहर घुमने का आनंद ले सकते हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप अपने दोस्त की गलती की जिम्मेदारी खुद लेने पर तुले हुए हैं ,लेकिन इसके नतीजों के बारे में भी सोच लें । किसी कानूनी पचड़े में भी पड़ सकते हैं । कोई ऐसी घटना होगी जो आपको कभी ना भूलने वाला सबक देगी । कुछ अलग दिखें,कपड़े या अपना बाल बनाने का तरीका बदल लें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

'महोदय, 4-4 बच्चों की मां प्रेमियों संग भाग रहीं'

भरे सदन में विधायक ने सरकार से कर दी बड़ी अपील

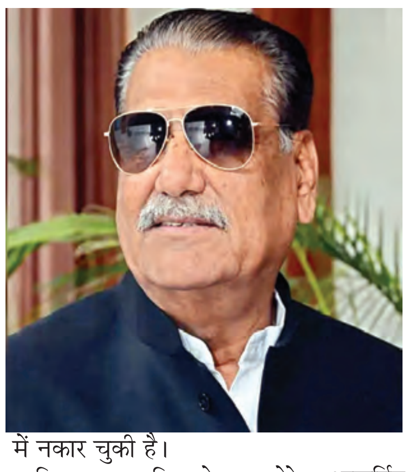

जयपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक नरेंद्र बुडानिया ने सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने न केवल सरकारी कार्यक्रमों में प्रोटोकॉल के उल्लंघन का मुद्दा उठाया। बल्कि प्रदेश में टूटते सामाजिक ताने-बाने और पारिवारिक विघटन की घटनाओं पर भी गहरी चिंता व्यक्त की।

बुडानिया ने उद्घाटन कार्यक्रमों में चुने हुए विधायकों की अनदेखी पर तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोकतांत्रिक परंपराओं को ताक पर रखकर उन भाजपा उम्मीदवारों से शिलान्यास और उद्घाटन करवा रही है, जिन्हें जनता चुनाव में नकार चुकी है।

विधायक बुडानिया ने कहा, मेरे क्षेत्र में अस्पताल का शिलान्यास पहले ही हो चुका था। उम्मीद थी कि विभागीय मंत्री उद्घाटन करेंगे, लेकिन वहां जल संसाधन मंत्री पहुंच गए। विडंबना देखिए कि पट्टिकाओं पर स्थानीय विधायक का नाम तक नहीं है। उन्होंने तंज कसा कि चुनाव हारे हुए लोग अब कैंची लेकर घूम रहे हैं, जो निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के अपमान के समान है।

'चार बच्चों की मां भी घर छोड़ रही हैं'

राजनीतिक मुद्दों के साथ-साथ बुडानिया ने एक बेहद संवेदनशील सामाजिक पहलू पर सदन का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने प्रदेश में प्रेम-प्रसंगों के चलते घर छोड़ने वाली महिलाओं और लड़कियों की बढ़ती तादाद पर चिंता जताई।

आज स्थिति यह है कि न केवल कम उम्र की लड़कियां, बल्कि चार-चार बच्चों की माताएं भी अपने प्रेमियों के साथ घर छोड़ रही हैं। यह समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

पुलिस और कानून की लाचारी

विधायक ने भावुक होते हुए कहा कि जब पुलिस ऐसी लड़कियों या महिलाओं को दस्तयाब (बरामद) करती है, तो कई बार वे कोर्ट या थाने में अपने ही माता-पिता को पहचानने से इनकार कर देती हैं। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसी घटनाओं के कारण पिता आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठा रहे हैं।

बुडानिया ने स्पष्ट किया कि यह किसी एक दल की समस्या नहीं है। उन्होंने केंद्र सरकार के नियमों और सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के दायरे में रहकर इस पर ठोस सामाजिक और कानूनी समाधान खोजने की अपील की।

पकड़ा गया आईएसआई जासूस 5 दिन के रिमांड पर

पाकिस्तानी हसीना ने मीठी-मीठी बातों से जाल में फंसाया

जयपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। जैसलमेर के पोकरण में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार झबराराम को राजस्थान पुलिस की सीआईडी इंटेलिजेंस ने शनिवार को जयपुर की कोर्ट में पेश किया। जहां से आईएसआई जासूस को 5 दिन के रिमांड पर भेज दिया है। अब सीआईडी इंटेलिजेंस और आईबी की टीमें जासूस से पूछताछ करेगी।

बता दें कि राजस्थान पुलिस की इंटेलिजेंस विंग ने सरहदी जिले जैसलमेर के पोकरण क्षेत्र झबराराम निवासी नेवार को 25 जनवरी को हिरासत में लिया था। इसके बाद आरोपी से कई दिनों तक चली पूछताछ में कई बड़े खुलासे हुए। जिस पर राजस्थान इंटेलिजेंस ने झबराराम को गिरफ्तार किया था।

पाकिस्तानी हैंडलर्स ने हनीट्रैप के जाल में फंसाया

पूछताछ में सामने आया है कि पाकिस्तानी हसीना ने झबराराम से पहले मीठी-मीठी बातें करना शुरू किया और फिर हनीट्रैप के जाल में फंसाया था। इसके बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई एजेंट ने उसे मोटी रकम का लालच दिया और पैसे के बदले भारतीय सेना से जुड़ी कई जानकारी हासिल की।

मोबाइल में मिले कई अहम सबूत

आरोपी के मोबाइल में आईएसआई हैंडलर्स से चैट और कई सबूत मिले है। उसे सेना से जुड़े एक सबूत भेजने पर 5-10 हजार रुपए मिलते थे। जांच में सामने आया था कि वह सोशल मीडिया के जरिए लगातार पाक जासूसी एजेंसी के हैंडलर्स के संपर्क में था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने अपनी सिम पर आए ओटीपी पाकिस्तानी हेंडलर्स के साथ साझा किए थे। इसके बाद झबराराम का वॉट्सऐप पाकिस्तानी हैंडलर्स चला रहे थे।

कौन है झबराराम?

जासूसी के आरोप में पकड़ा गया झबराराम पोकरण तहसील के नेवार गांव का रहने वाला है। वह ई-मित्र संचालक है और टीचर भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहा था। वह करीब 2 साल से लालच में आकर भारतीय सेना की गुप्त सूचनाएं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को शेयर कर रहा था।

बड़ा बदलाव, ईवीएम से नहीं होंगे पंच-सरपंच के चुनाव

बांसवाड़ा, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी पंचायती राज चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने बड़ा बदलाव किया है। इस बदलाव के तहत अब पंच और सरपंच के चुनाव में मतदान ईवीएम से नहीं और बैलट पेपर से कराए जाने का निर्णय लिया है। इसको लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश के सभी जिला कलक्टर को गाइडलाइन भी जारी कर दी है। आदेशों के जारी होने के साथ ही जिला निर्वाचन कार्यालय ने बरसों भण्डार में जंग खा रही लोहे की मतपेटियों की सार-संभार शुरू कर दी हैं।

हालांकि, पंचायती राज चुनाव के तहत जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव ईवीएम से ही होंगे। दोहरी मतदान प्रक्रिया को लेकर निर्वाचन कार्यालय की मुश्किलें और अधिक बढ़ गई हैं। गौरतलब है कि पंचायत पुनर्गठन प्रक्रिया के बाद अब जिले में 13 पंचायत समितियों में 547 सरपंच बनेंगे।

बैलेट-पेपर व बॉक्स को प्राथमिकता

राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी गाइड लाइन के अनुसार पंच और सरपंच के चुनाव मत पत्र एवं मत पेटियों के माध्यम से कराए जाने तय किए हैं। ऐसे में सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को भी सुनिश्चित करने को कहा है। वहीं, जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव ईवीएम से होंगे। आदेशों में उल्लेख किया है कि यदि किसी जगह ईवीएम कम पडेगी या किसी तरह की कोई अव्यवस्था होती है, तो वहां भी बैलेट पेपर और बैलेट बॉक्स के माध्यम से ही मतदान प्रक्रिया होगी।

3 बार से ईवीएम से हो रहे थे चुनाव

राजस्थान में गत तीन पंचायती राज चुनावों से पंच, सरपंच, पंचायत समिति और जिला परिषद सदस्यों सहित सभी पदों के चुनाव ईवीएम के माध्यम से ही हो रहे थे। गत पंचायती राज चुनाव भी ईवीएम से ही हुए थे। पर, पर डेढ़ दशक के बाद पंच और सरपंच चुनावों में बैलेट प्रणाली की वापसी हो रही है।

सुविधा भी उलझन भी

प्रशासनिक दृष्टि से विधानसभा, लोकसभा, नगर निकाय एवं पंचायती राज चुनाव में सबसे जटिल चुनाव पंचायती राज चुनाव माने जाते हैं। इसमें मतदाता सीधे अपने गांव की सरकार चुनते हैं। ऐसे में छोटी-मोटी घटनाएं भी आम बात होती है। कई बार कार्यकर्ताओं में प्रचार-प्रसार के दौरान झड़पे भी हो जाती है।

अब तक ईवीएम से मतदान होने पर परिणाम तुरंत एवं सटीक निकल जाता था।

पर, अब बैलट पेपर से चुनाव होने से मतगणना दौरान चुनाव में तैनात होने वाले कार्मिकों को खासी परेशानी होगी। मतगणना बार-बार करवाए जाने का दबाव रहेगा। वहीं, प्रशासन को भी मतदान एवं मतगणना दौरान अतिरिक्त पुलिस जाब्ते के बंदोबस्त करने होंगे।

राज्य निर्वाचन आयोग से प्राप्त हुए निर्देश

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश प्राप्त हो गए हैं। इसके अनुसार प्रारम्भिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। पंचायती राज चुनाव आयोग की तय गाइडलाइन के अनुसार करवाए जाएंगे।

जयपुर कूच पर लगा ब्रेक, आधी रात के बाद खत्म हुआ नरेश मीणा का आंदोलन, प्रशासन से बनी बात

टोंक, 31 जनवरी (एजेंसियां)। टोंक से 12 सूत्री मांगों को लेकर जयपुर कूच पर निकले भगत सिंह सेना सुप्रीमो और किसान नेता नरेश मीणा तथा जिला प्रशासन के बीच मध्यरात्रि बाद सहमति बन गई।

एडीएम रामरतन सौकरिया और एएसपी रतनलाल भार्गव की मौजूदगी में संभागीय आयुक्त से मिले आश्वासन के बाद नरेश मीणा ने धरना समाप्त करने और जयपुर कूच स्थगित करने की घोषणा की। यह सहमति टोंक-सवाई माधोपुर नेशनल हाईवे पर आमली मोड़ के पास देर रात बनी।

देवली-उनियारा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर नरेश मीणा ने पहले मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा था। मांगें पूरी नहीं होने पर उन्होंने 30 जनवरी से जन आंदोलन की चेतावनी दी थी। मौके पर एक और मांग जोड़ते हुए समरावता की जर्जर स्कूल इमारत को गिराकर नया भवन बनाने की मांग शामिल की गई। इसके तहत उनियारा क्षेत्र के कोटड़ी मोड़ से सभा कर आंदोलन की शुरुआत की गई। सभा के दौरान नरेश मीणा ने मंच से 12 सूत्रीय मांगों को लेकर जयपुर कूच का ऐलान किया। ऐलान के करीब दस मिनट बाद ही वे कार में सवार होकर हजारों समर्थकों के साथ जयपुर की ओर रवाना हो गए। प्रशासन और पुलिस ने अलीगढ़ कस्बे से करीब चार किलोमीटर दूर टोंक-सवाई माधोपुर नेशनल हाईवे पर आमली मोड़ स्थित सर्विस रोड पर बैरिकेड्स लगाकर काफिला रोक दिया। इसके बाद नरेश मीणा कार के ऊपर बैठ गए और वहीं भोजन किया। इसके बाद समर्थकों ने अलाव जलाकर नारेबाजी शुरू कर दी। मौके पर पहुंचे एडीएम रामरतन सौकरिया ने नरेश मीणा की मोबाइल पर जिला कलेक्टर और संभागीय आयुक्त से बात करवाई। जयपुर स्तर से सकारात्मक आश्वासन मिलने के बाद नरेश मीणा धरना समाप्त करने पर सहमत हुए और जयपुर कूच स्थगित कर दिया गया।

रिश्वत की राशि झाड़ियों में पत्थर के नीचे दबाई थी, एसीबी ने की बरामद

डूंगरपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो डूंगरपुर ने रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल से रिश्वत की राशि को बरामद कर ली है।

पुलिस उपाधीक्षक रतनलाल राजपुरोहित ने बताया कि हेड कांस्टेबल अशोक कुमार पटेल व कांस्टेबल प्रकाशचंद्र पटेल दोनों को उदयपुर एसीबी न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने दोनों आरोपियों को पुलिस रिमाण्ड पर सौंपा। रिमाण्ड में पूछताछ के दौरान आरोपियों ने रिश्वत की राशि दोवड़ा हवाई पट्टी के समीप झाड़ियों में पत्थर के नीचे छुपाना बताया।

रिश्वत के डेढ़ लाख रुपए बरामद किए

इस पर एसीबी टीम मौके पर पहुंची और रिश्वत के डेढ़ लाख रुपए बरामद किए। दोनों आरोपियों को शनिवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

एसीबी ने दोनों को किया गिरफ्तार

गौरतलब है कि दोवड़ा थाने में नियुक्त हेडकांस्टेबल व कांस्टेबल ने एक युवक को लोकेंटो ऐप से ठगी करने के मामले में फंसाने की एवज धमकाकर दो लाख रुपए की मांग की थी, जिसके बाद सौदा डेढ़ लाख रुपए में तय हुआ था। इसकी एसीबी तक शिकायत पहुंचने के बाद सत्यापन के बाद कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार किया था।

मौसम ने फिर ली करवट

ओलावृष्टि के साथ बारिश का अलर्ट

सीकर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान समेत शेखावाटी में उत्तरी हवाएं चलने का असर लगातार दूसरे दिन भी नजर आया। सुबह कडाके की सर्दी के बाद दिनभर तल्ख धूप खिली। केन्द्रों पर दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार चौबीस घंटे में नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से शेखावाटी के तीनों जिलों सहित अजमेर, भरतपुर जयपुर संभाग में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है।

1-2-3-4 फरवरी को इन जिलों में अलर्ट

मौसम विभाग ने राजस्थान के कई हिस्सों जैसे भीलवाड़ा, राजसमंद, पाली में आज ओलावृष्टि और गरज चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जिसमें अजमेर, कोटा, जयपुर, भरतपुर संभाग सहित शेखावाटी क्षेत्र के जिले शामिल है।

वहीं 1 और 2 फरवरी को भी अजमेर, कोटा, जयपुर और भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश (मावठ) का दौर जारी रहेगा। वहीं 1 अलवर, भरतपुर, दौसा, डीग, धौलपुर, जयपुर, झुंझुनूं, करौली, खैरथल-तिजारा, टोंक, कोटा, बूंदी, बारां कोटपूतली-बहरोड़, सीकर, हनुमानगढ़ और चूरू में मेघगर्जन-वज्रपात का येलो अलर्ट भी जारी किया है।

जिसके बाद 3 और 4 फरवरी को राजस्थान के मैदानी इलाकों में ठिठुराने वाली सर्दी का असर रहने की संभावना है। इस दौरान जोधपुर, बीकानेर संभाग के अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा।

रणथंभौर टाइगर रिजर्व में मोबाइल पर प्रतिबंध, गाइड के पास जमा करना होगा फोन

सवाई माधोपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के सवाई माधोपुर में स्थित रणथंभौर टाइगर रिजर्व में अब टाइगर सफारी के दौरान पर्यटक मोबाइल फोन का उपयोग नहीं कर सकेंगे। रणथंभौर वन विभाग ने पार्क भ्रमण के दौरान मोबाइल फोन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस की पालना में लिया गया है।

क्यों लिया गया यह फैसला?

रणथंभौर बाघ परियोजना के उपवन संरक्षक (पर्यटन) संजीव शर्मा ने बताया कि यह कदम वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, उनके प्राकृतिक व्यवहार में हस्तक्षेप रोकने और जंगल के शांत वातावरण को बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या दिया था आदेश?

डीएफओ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश हैं कि सफारी के दौरान रील, वीडियो और सेल्फी बनाने के लिए शोर-शराबा करने तथा जानवरों के अत्यधिक नजदीक जाने जैसी गतिविधियों पर रोक लगाई जाए। मोबाइल फोन के कारण पर्यटक फोटो और रील बनाने के चक्कर में वन्यजीवों के करीब पहुंच जाते हैं, जिससे सफारी वाहन एक ही स्थान पर एकत्रित हो जाते हैं और वन्यजीवों को परेशानी होती है।

आदेश की अवहेलना करने पर होगी सख्त कार्रवाई

रणथंभौर के पर्यटन डीएफओ द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पर्यटकों के मोबाइल फोन सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी गाइडों को सौंपी गई है।

22 राज्यों में फैले साइबर ठग गिरोह का पर्दाफाश, 2 आरोपियों को दबोचा

टोंक, 31 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में टोंक पुलिस की जिला स्पेशल टीम ने दूनी थाना क्षेत्र में राज्य स्तरीय साइबर ठग गिरोह को पकड़ा है। टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने अब तक 10 से 12 करोड़ रुपए की साइबर ठगी को अंजाम दिया है।

गिरफ्तार आरोपी दूनी थाना क्षेत्र के रामअवतार उर्फ राज पुत्र बद्रीलाल तथा हंसराज पुत्र रतनलाल है। दोनों की उम्र 26 और 28 साल है। आरोपी लोगों को फर्जी ट्रेडिंग लिंक भेजकर निवेश के नाम पर झांसे में लेते थे और फिर उनके खातों से रकम साफ कर देते थे। उनके खिलाफ देशभर में 404 शिकायतें साइबर ठगी की दर्ज है। इनमें साइबर ठगी की कुल राशि 2 करोड़ 49 लाख रुपए है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीणा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा पुष्पेन्द्र सिंह के निर्देशन, देवली के पुलिस उपाधीक्षक हेमराज के सुपरविजन में गठित जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश के नेतृत्व में टीम ने की है। टीम ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक लाख रुपए नकद, एक कार और करीब पांच लाख रुपए की लागत के पांच मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों के खिलाफ नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर पहले से ही 404 शिकायतें दर्ज हैं। अब तक करीब 2 करोड़ 49 लाख रुपए की ठगी की पुष्टि हो चुकी है। जबकि पुलिस पूछताछ और मोबाइल के माध्यम से हुई ट्रांजेक्शन के आधार पर आरोपियों ने 10 से 12 करोड़ रुपए तक की साइबर ठगी करना स्वीकार किया है। गिरोह ने देश के 22 राज्यों में सैकड़ों लोगों को अपना शिकार बनाया है।

जोधपुर जेल में बंद सोनम वांगचुक की बिगड़ी तबियत

एम्स में हुआ मेडिकल चेकअप

जोधपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। लेह में हुई हिंसा के मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद प्रख्यात पर्यावरणविद् और सुधारक सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह कड़े सुरक्षा घेरे में जोधपुर एम्स लाया गया। सुप्रीम कोर्ट के कड़े आदेशों के बाद जेल प्रशासन ने उनके स्वास्थ्य की गहन जांच करवाई है। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आगमो ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर जेल में उनके पति के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंता जताई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि जेल में दूषित पानी और उचित सुविधाओं के अभाव के कारण वांगचुक की सेहत बिगड़ रही है। इस पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च अदालत ने जेल प्रशासन को निर्देशित किया था कि वे तुरंत विशेषज्ञ डॉक्टरों से वांगचुक की जांच कराएं और उसकी विस्तृत रिपोर्ट अदालत में पेश करें।

साइबर ठगों का नया कारनामा, केंद्रीय मंत्रियों के फर्जी वीडियो दिखाकर 10 लाख से ज्यादा की ठगी

बांसवाड़ा, 31 जनवरी (एजेंसियां)। फेसबुक पर निवेश का विज्ञापन दिखाकर एवं प्रतिमाह 40 से 45 हजार रुपए की कमाई का सपना दिखाकर जिले के एक व्यक्ति से साइबर ठगों ने दस लाख रुपए से अधिक की ठगी कर ली। पीड़ित ने साइबर थाना बांसवाड़ा में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

साइबर थाने में दी रिपोर्ट में प्रेमप्रकाश नायक पुत्र मन्साराम नायक निवासी मोटाटाण्डा ने बताया कि उसने फेसबुक पर एक विज्ञापन देखा, जिसमें केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण और गृहमंत्री अमित शाह के वीडियो दिखाकर निवेश योजना का प्रचार किया गया था। विज्ञापन में दावा किया था कि 22 हजार रुपए के निवेश करने पर प्रतिमाह 40 से 45 हजार रुपए की आय होगी। सरकारी योजना समझकर प्रेमप्रकाश ने अपनी जानकारी भर दी। इसके बाद उन्हें एक मोबाइल से कॉल आया और निवेश के लिए प्रेरित किया।

कॉल करने वाले ने खुद को कंपनी का वरिष्ठ मैनेजर बताया और विदेशी अनुभव की जानकारी देकर भरोसा दिया। इस पर प्रेमप्रकाश ने 14 अक्टूबर को 21 हजार 933 रुपए ऑनलाइन जमा कराए। इसके बाद अलग-अलग मोबाइल नंबरों से लगातार कॉल आते रहे और क्रिप्टो करेंसी, गोल्ड व स्टॉक में निवेश करने के लिए प्रलोभन दिया गया। प्रेमप्रकाश ने 12 नवंबर को बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा मोटागांव के अपने खाते से सीपी दिल्ली के खाते में 9 लाख 99 हजार 989 रुपए जमा करवाए।

ठगों ने प्रेमप्रकाश को 10 हजार डॉलर दिखाकर और अधिक निवेश करने के लिए दबाव बनाया। रुपए निकालने की कोशिश करने पर टैक्स और होल्डिंग चार्ज के नाम पर टाल दिया।

अज्ञात आरोपियों ने फेसबुक पर फर्जी विज्ञापन और झूठे वीडियो दिखाकर कुल 10 लाख 43 हजार 905 रुपए की राशि ऑनलाइन और आरटीजीएस के माध्यम से हड़प ली। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को लिखित रिपोर्ट प्रस्तुत कर अभियुक्तों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साइबर थाना पुलिस मामले में जांच कर रही है।

पिता की बेरहमी से हत्या कर शव घर से बाहर फेंका

फिर रातभर चैन से सोई बेटी; 6 साल बाद उम्रकैद

अजमेर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर शहर के आदर्श नगर थाना क्षेत्र में 6 साल पहले पिता की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में एससी-एसटी कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए अभियुक्त बेटी को उम्र कैद की सजा सुनाई है। न्यायाधीश अक्क्षी कंसल ने 30 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

एफएसएल रिपोर्ट में आरोपी बेटी की पेंट पर पिता के खून के निशान मिलने की पुष्टि हुई। जिसके आधार पर न्यायालय ने यह सजा सुनाई। विशिष्ट लोक अभियोजक पंकज जैन के अनुसार 3 फरवरी 2020 को विज्ञान नगर निवासी अशोक कुमार दुबे (62) की पीट-पीटकर हत्या की गई थी।

हत्या उसकी छोटी बेटी रागिनी दुबे (31) ने लात घूसों से पीटकर की। हत्या के बाद पिता का शव घर से घसीट कर बाहर फेंक दिया और बहन यामिनी दुबे को पिता की फोटो भेज कर कहा की पिता बाहर सड़क पर नशे की हालत में बेहोश पड़े हैं।

इसके बाद आरोपी बेटी खुद घर में जाकर चैन से सो गई। मामले में बड़ी बेटी यामिनी की ओर से 4 फरवरी को मुकदमा दर्ज करवाया गया था। आदर्श नगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छोटी बेटी रागिनी को गिरफ्तार कर लिया था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक पिता के शरीर पर करीब 19 चोट के निशान मिले। एफएसएल रिपोर्ट में आरोपी बेटी रागिनी की पेंट पर मृतक पिता के खून के निशान मिले थे। जांच में मृतक की शर्ट और बेटी की पेंट पर मिला खून एक होने की पुष्टि हुई। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी बेटी ने पिता को मारने के बाद घर में से खून साफ कर दिया।

हाईटेक मल्टी-लेवल पार्किंग सुविधा का मंत्री ने किया उद्घाटन

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने शनिवार को नामपल्ली जंक्शन पर निर्मित अत्याधुनिक मल्टी-लेवल पार्किंग सुविधा का उद्घाटन किया। यह परियोजना हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड (एचएमआरएल) और नोवाम कंपनी द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत विकसित की गई है।

उद्घाटन समारोह में मंत्री अजहरुद्दीन, जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोथे श्रीलता शोभन रेड्डी, एचएमआरएल के सलाहकार एन. वी. एस. रेड्डी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि यह पार्किंग सुविधा हैदराबाद शहर में बढ़ती पार्किंग और यातायात समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से स्थापित की गई है।

एचएमआरएल द्वारा उपलब्ध कराई गई 2,000 वर्ग गज भूमि पर 102 करोड़ की लागत से निर्मित यह परियोजना 50 वर्षों के समझौते के तहत नोवाम द्वारा संचालित की जाएगी। 15 मंजिला इस भवन में 10 मंजिलें पार्किंग के लिए आरक्षित हैं, जिनमें 200 कारों और 200 दोपहिया वाहनों की पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है।

]\शेष मंजिलों में वाणिज्यिक परिसर विकसित किए जाएंगे। पूरी तरह स्वचालित जर्मन तकनीक से सुसज्जित इस पार्किंग प्रणाली में मानव हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। वाहन चालक टर्नटेबल प्रणाली के माध्यम से वाहन पार्क कर सकते हैं और स्वाइप कार्ड की सहायता से वाहन पुनः प्राप्त कर सकते हैं। मंत्री ने इसे देश की पहली ऐसी हाईटेक पार्किंग सुविधा बताते हुए कहा कि इससे नामपल्ली जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलेगी और किफायती दरों पर सुरक्षित पार्किंग उपलब्ध होगी।

केंद्र बजट में तेलंगाना की अनदेखी न करे : मंत्री पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि रविवार को पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट में तेलंगाना की उपेक्षा न की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के साथ लगातार भेदभाव किया जा रहा है। शनिवार को गांधी भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री पोन्नम ने कहा कि यदि बजट में किसी प्रकार का पक्षपात किया गया तो इसकी जिम्मेदारी तेलंगाना से चुने गए भाजपा सांसदों पर होगी। उन्होंने कहा कि यह देखना होगा कि रविवार की पूर्णिमा तेलंगाना के लिए रोशनी लाएगी या अंधकार, क्योंकि अब तक केंद्रीय आवंटनों में राज्य के साथ अन्याय होता रहा है। मंत्री ने कहा कि इस बार तेलंगाना को कम से कम बुनियादी न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तेलंगाना राज्य गठन और आंदोलन के प्रति नकारात्मक रवैया रखने का आरोप लगाया। पोन्नम प्रभाकर ने केंद्र से आउटर रिंग रोड, मेट्रो रेल विस्तार और मूसी नदी पुनर्जीवन परियोजना सहित महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख अपनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह केंद्र और भाजपा के लिए अंतिम स्मरण है। उन्होंने सवाल उठाया कि तेलंगाना से आठ भाजपा सांसद होने के बावजूद राज्य की लगातार अनदेखी क्यों की जा रही है। साथ ही उन्होंने राज्य में शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना के लिए भी केंद्र के सहयोग की मांग की। मंत्री ने स्पष्ट किया कि वे पड़ोसी राज्यों को आवंटन दिए जाने के विरोध में नहीं हैं, बल्कि तेलंगाना के साथ समान और न्यायसंगत व्यवहार की मांग कर रहे हैं।

ईरान के 7 शहरों में धमाकों की खबर, 5 मौतें,14 लोग घायल

अमेरिका-इजराइल बोले- इसमें हमारा कोई रोल नहीं

तेहरान, 31 जनवरी (एजेंसियां) ईरान के कम से कम 7 शहरों में धमाकों की खबर है। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शनिवार को राजधानी तेहरान, परंद, तबरीज, कोम, अहवाज, नंताज और बंदर अब्बास में विस्फोट हुए। तुर्किये की न्यूज एजेंसी अनादोलु के अनुसार धमाकों में कम से कम 5 लोगों की मौत हुई है और 14 घायल हैं।

हालांकि, अभी ईरान सरकार की तरफ से इसकी पुष्टि नहीं की गई है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यह विस्फोट अमेरिकी सेना की किसी कार्रवाई से जुड़ा नहीं है। वहीं, एक इजराइली अधिकारी ने भी कहा कि इजराइल का इस घटना से कोई संबंध नहीं है। ईरानी समाचार एजेंसी तसनीम ने सोशल मीडिया पर चल रही उन खबरों को गलत बताया है, जिनमें कहा जा रहा था कि रिवोल्यूशनरी गार्ड के नौसेना कमांडर को निशाना बनाया गया था।

भारत ने 46 रन से जीता पांचवां टी-20

ईशान का शतक, अर्शदीप ने 5 विकेट लिए; न्यूजीलैंड को 4-1 से सीरीज हराई

तिरुवनंतपुरम, 31 जनवरी (एजेंसियां) भारत ने न्यूजीलैंड को 46 रन से पांचवां टी-20 हराकर सीरीज 4-1 से जीत ली। शनिवार को तिरुवनंतपुरम में भारत ने बैटिंग चुनी और न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर बना दिया। ईशान ने 42 गेंद पर सेंचुरी लगाई और टीम ने 271 रन का स्कोर खड़ा कर दिया।

न्यूजीलैंड ने फाइट दिखाई, लेकिन टीम 225 रन ही बना सकी। फिन एलन ने 38 गेंद पर 80 रन बनाए।

भारत से गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने 5 विकेट लिए। अक्षर पटेल को 3 विकेट मिले। वरुण चक्रवर्ती और रिंकू सिंह ने 1-1 विकेट लिया।

श्री देवनारायण भगवान मंदिर का प्रथम वार्षिकोत्सव आयोजित :

(देव भक्तों का उमड़ा जन सैलाब)

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अब्दुलापुरमेट देवधाम कवाड़पल्ली स्थित श्री देवनारायण भगवान मंदिर के प्रथम वार्षिकोत्सव श्री देवनारायण वीर गुर्जर समाज ट्रस्ट हैदराबाद तेलंगाना समाज बन्धुओं के सानिध्य मे दो दिवसीय कार्यक्रम 30 एवं 31 जनवरी को पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ, कलश यात्रा व जागरण भव्यरुप से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति मे अध्यक्ष देवीदत्त कोली ने बताया कि तेलंगाना की पावन धरा पर श्री देवनारायण भगवान मंदिर के प्रथम वार्षिकोत्सव समाज बन्धुओ के सानिध्य मे भव्यरुप से आयोजित किया गया । शुक्रवार 30 जनवरी प्रातःवेला मे मंदिर को विशष फूलो व लाईटिंग से सजाकर, शाम 7.15 बजे ज्योत प्रज्वलितकर पधारे समाज बन्धुओफ्ल के लिए भोजन-प्रसादी व रात्रि 9.15 बजे से भव्य जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें मरुधरा की भूमि से पधारे भजन सम्राट राजू रावल, भूपेन्द्र खटाना ने देवनारायण भगवान के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित किये एवं डाँसर पलक व पूजा राजस्थानी ने रंगारंग सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया । जिसमे हजारो की संख्या मे पधारे समाज बन्धुओफ्ल ने देर रात तक नाचते गाते हुए लाभ लिया। कार्यक्रम मे पधारे सम्मानित अतिथियोफ्ल, विभिन्न संस्थाओफ्ल के पदाधिकारियोफ्ल व कार्यक्रम के लाभार्थी परिवारोफ्ल का समाज के पदाधिकारियो ने राजस्थानी परमपरा से विशेष सम्मान किया गया। शनिवार 31 जनवरी प्रातः वेला मे पंडित के मंत्रोच्चारण से पूजा-अर्चना, कलश यात्रा व हवन-यज्ञ कार्यक्रम मे समाज बन्धुओफ्ल ने श्री देवनारायण भगवान की तस्वीर पर पुष्प-हार, प्रसाद व श्रीफल भेंटकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए लिए प्रातः 11.15 बजे से भोजन-प्रसादी का सपरिवार लाभ लिया।

सम्बोधन भाषण मे अध्यक्ष देवीदत्त कोली ने विष्णु अवतार गुर्जर समाज के अराध्र्यदेव भगवान श्री देवनारायण भगवान मंदिर के प्रथम वार्षिकोत्सव में पधारे समाज बन्धुओं को शुभकामनाएँ देते हुए बताया कि प्रथम वार्षिकोत्सव मे तेलंगाना की पावन भूमि से गुर्जर समाज बन्धुओफ्ल का सपरिवार पधारना बहुत ही खुशी की बात है । मंदिर का निर्माण सभी के सहयोग से ही संभव हुआ है । मंदिर प्रांगण मे भवन निर्माण का कार्य अभी बाकि है। उन्होने समाज बन्धुओफ्ल से निवेदन किया है कि इस कार्य मे तन-मन-धन से सहयोग करे ।

कार्यक्रम के सफल आयोजन मे अध्यक्ष देवीदत्त कोली, मंदिर प्रभारी नाथुराम गीड़, कमेटी मेम्बर बहादुर कालश, भीकाराम चांदिला, भुण्डाराम बजाड़, बाबुलाल भावला, छोटुसिंह मोटर, पप्पूराम फामड़ा, हरदयाल बेसला, महावीर अलगर, श्यामलाल चोपड़ा, समाज के युवा कार्यकर्ताओफ्ल व समाज बन्धुओ का विशेष सहयोग रहा । कार्यक्रम का विशेष कवरेज पत्रकार परबत सोलंकी व मंच का संचालन चेनाराम गुर्जर ने किया। अध्यक्ष देवीदत्त कोली के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

कर्ज और अवैध संबंध के विवाद में महिला की हत्या

कुमराम भीम आसिफाबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दाहेगांव मंडल के रल्लागुडा गांव में एक महिला की कथित हत्या के मामले में पुलिस ने शुक्रवार शाम एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गांव के किसान वागड़े बदराम के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, बदराम पर बढ़ई संतोष की पत्नी आत्माकुरी कलावती (40) की गला घोंटकर हत्या करने का आरोप है। बताया गया कि आरोपी ने 40,000 रुपये का कर्ज न चुका पाने के विवाद में पहले महिला को मोटरसाइकिल से टक्कर मारी और बाद में उसकी गला घोंटकर हत्या कर शव को कपास के खेत में फेंक दिया।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि वह घटना के समय शराब के नशे में था। उसने कहा कि कर्ज की वसूली को लेकर विवाद बढ़ गया था और महिला द्वारा उनके कथित अवैध संबंध का खुलासा करने की धमकी दिए जाने से वह नाराज था। पुलिस ने आरोपी को बेल्लमपल्ली की अदालत में पेश किया।

श्री विश्वकर्मा जयंती का तेरहवां विशाल जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता) शमशाबाद हमीदुल्ला नगर स्थित श्री जाट समाज तेलंगाना सर्वे नंबर 49/1 के तत्वावधान विश्वकर्मा जयंती मारवाड़ी समिति हाईटेक सिटी, गच्चीबावली द्वारा विश्वकर्मा जयंती समारोह का आयोजन किया गया।

गणेशाराम ढाका , रामनिवास गोरछिया , ओमप्रकाश सिंवर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शुक्रवार 30 जनवरी को सायं 7 बजे पूजा-अर्चना व महाप्रसादी का कार्यक्रम रखा गया। पंडाल को फूलों व लाइट से सजाया गया। ज्योत प्रज्वलन के बाद रात्रि में जागरण में राजस्थान के भजन गायक दिनेश नागौरी एंड पार्टी म्युजिकल ग्रुप द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी गई।

डांसर अनु सोलंकी, मटकी डांसर मैना राजस्थानी, डांसर पूजा चौधरी ने नृत्य प्रस्तुत किया। अवसर पर सर्व समाज ने अध्यक्ष व सचिव एवं अतिथियों का राजस्थानी साफा पहनाकर सम्मान किया। समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। समस्त कार्यकारणी सदस्यों ने समाज बन्धुओं को विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा भगवान को ब्रह्मांड का पहला वास्तुकार माना जाता है, जिन्हें महादेव के त्रिशूल, कृष्ण भगवान के सुदर्शन चक्र व अस्त्र-शस्त्र बनाने के लिए जाना जाता था। जयंती पर्व को विश्व भर में कारीगर, बढ़ई, शिल्पकार, लोहार, श्रमिक हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। आयोजन में गणेशाराम ढाका, रामनिवास गोरछिया , ओमप्रकाश सिंवर, दामोदर लोछब, हनुमाननाथ सिद्ध, गोपालराम जाखड़, भंवरसिंह सिसोदिया, हुकमीचन्द्र जाट , कोजाराम नैण, रामप्रताप जाखड़,आणंद सिंह, नेमाराम सियाग झबरसिंह , सुरजाराम कुकणा, गजेन्द्र सिंह, लिखमाराम , पुनिया, मांगीलाल सिरडिया, चतरसिंह, टिकुराम सारण हजारिराम गोदारा,हनुमानराम कुम्हार, सुरेश बाडियासरा, ओमप्रकाश बाडियासरा, हुनमानराम मैंया, मुकराम सुथार व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा।

नालगोंडा में महिला को जिंदा जलाया गया

पांच माह का बच्चा गंभीर

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नालगोंडा जिले में शनिवार को एक सनसनीखेज और भयावह घटना सामने आई, जहां एक महिला को दूसरी महिला ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। नामपल्ली मंडल के केतिपल्ली गांव में हुई इस घटना में 25 वर्षीय ममता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पांच महीने का बच्चा गंभीर रूप से झुलस गया। खबरों के मुताबिक, ममता की शादी नागेश से हुई थी और उनका एक बच्चा भी था। आरोप है कि नागेश का उसी गांव की रहने वाली वी सुजाता के साथ विवाहेतर संबंध था। ममता ने इस संबंध को लेकर सुजाता को चेतावनी दी थी और नागेश से दूर रहने को कहा था, लेकिन सुजाता नहीं मानी।

बताया गया है कि इसी रंजिश के चलते सुजाता ने कथित तौर पर उस समय ममता पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी, जब वह घर पर अपने बच्चे को दूध पिला रही थी। आग की लपटों में घिरी ममता की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

दक्षिण मध्य रेलवे के जीएम ने विजयवाड़ा मंडल का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार को विजयवाड़ा मंडल का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेल सुरक्षा, यात्रियों की सुविधाओं और अमृत स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। महाप्रबंधक के साथ मंडल रेल प्रबंधक मोहित सोनकिया और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। निरीक्षण की शुरुआत तनुकू से की गई, जहां उन्होंने प्वाइंट नंबर 103बी और लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 151 पर ट्रैक सुरक्षा की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने नरसापुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं, सर्कुलेटिंग एरिया, कोच डिपो, यार्ड और अमृत स्टेशन योजना के तहत चल रहे पुनर्विकास कार्यों का जायजा लिया। श्रीवास्तव ने भीमावरम यार्ड में कर्व नंबर 32 पर ट्रैक रखरखाव और सुरक्षा का निरीक्षण किया तथा भीमावरम टाउन रेलवे स्टेशन का दौरा किया। उन्होंने लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 95 और उप्पुटेरु ब्रिज पर सुविधाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गुडिवाड़ा के पास ट्रैक्शन सब-स्टेशन का भी दौरा किया और गुडिवाड़ा रेलवे स्टेशन पर हाल ही में नवीनीकृत यात्री सुविधाओं का आकलन किया। मछलीपट्टनम रेलवे स्टेशन पर उन्होंने यात्री सुविधाओं, स्टेशन मास्टर कार्यालय और सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण करते हुए अमृत स्टेशन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण स्थलों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने और निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

ट्रेन के सामने कूदकर मां और दो बच्चों ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन के पास एक परिवार के तीन सदस्यों ने आत्महत्या कर ली। शवों को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के शवगृह भेजा गया है।

पुलिस और रेलवे अधिकारी मामले की जांच में जुटे हैं, जबकि आत्महत्या के कारण अभी स्पष्ट नहीं हुए हैं। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस के इंपेक्टर बी साईश्वर गौड़ के अनुसार यह घटना 31 जनवरी को चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन के बाहरी इलाके में केएम नंबर 207/2 एमएमटीएस लाइन पर हुई। प्राथमिक जांच में यह मामला आत्महत्या का बताया जा रहा है।

जांच के समय घटनास्थल सत्यापन करने पर मृतकों की पहचान पी. विजया (38), पत्नी पी. सुरेंद्र रेड्डी पेशा, प्राइवेट कर्मचारी (सॉफ्टवेयर) और उनकी बेटी पी. चेतना रेड्डी (18), पुत्री पी. सुरेंद्र रेड्डी , बेटा विशाल रेड्डी (17), पुत्र सुरेंद्र रेड्डी निवासी हरितावनम कॉलोनी, चांगिचेरला, बोडुप्पल, हैदराबाद के रूप में हुई। उन्होंने गुड्स बोस्ट ट्रेन के नीचे आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जाना रहा है।

गद्दर की आवाज़ एक आंदोलन थी, सिर्फ संगीत नहीं : महेश गौड़

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। क्रांतिकारी कवि और जनगायक गद्दार की जयंती के अवसर पर टीपीसीसी अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सामाजिक न्याय और समानता के लिए गद्दर के आजीवन संघर्ष को याद किया।महेश गौड़ ने कहा कि गद्दार के सशक्त गीतों ने शोषितों की आवाज़ को मुखर किया और तेलंगाना आंदोलन के दौरान जनता में साहस और चेतना का संचार किया। उन्होंने गद्दर को लोकतांत्रिक प्रतिरोध का प्रतीक बताते हुए कहा कि उनके प्रत्येक गीत में जागरण का संदेश था।

आगामी 15 फरवरी को रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा आयोजित जन्म शताब्दी महोत्सव मे भाग लेने माली समाज अध्यक्ष रामवल्लभ भाटी, नेमीचंद भाटी, तेलंगाना आंध्र प्रदेशीक महेश्वरी समाज अध्यक्ष कैलाश डालीया, श्रीकांत डालीया, हैदराबाद सिंकद्राबाद माहेश्वरी सभा अध्यक्ष भगवान पसारी, मंत्री राजेश मालपानी, समाजसेवी जुगलकिशोर जाजु, नवलकिशोर जाजु, रवि हेडा को निमंत्रीत करते हुए जीवराम पटेल, जसमत पटेल, मुन्ना जोशी, हसमुख पटेल एवं अन्य।

श्री विश्वकर्मा जयंती समारोह कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुतबुलापुर जे.के.नगर श्री विश्वकर्मा भवन स्थित श्री राजस्थानी विश्वकर्मा संघ ट्रस्ट हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के तत्वावधान में दो दिवसीय अराध्र्य देव श्री विश्वकर्मा जयंती समारोह शुक्रवार 30 जनवरी रात्रि जागरण व शनिवार 31 जनवरी पूजा-अर्चना, सम्मान समारोह व महाप्रसादी कार्यक्रम भव्यरुप से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष नेमीचन्द जांगिड़ ने बताया कि हर वर्ष की भांति श्री विश्वकर्मा भवन में वास्तुकला कौशल में सर्वश्रेष्ठ, निर्माण व सृजन के देवता एवं सृष्टि के शिल्पकार रचियता भगवान श्री विश्वकर्माजी की जयंती भव्यरुप से आयोजित की गयी । विश्वकर्माजी के मंदिर को विशेष फूलों व लाईटिंग से सजाकर शुक्रवार 30 जनवरी रात्रि 8.15 बजे ज्योत प्रज्वलितकर महाआरती के पश्चात भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें संत रामरतन महाराज रामस्नेही, रमेश प्रजापत, मनीषा सीरवी ने भजनों के पुष्प अर्पित किये । कार्यक्रम मे पधारे महाराज श्री बजरंगदास व सम्मानित अतिथियोफ्ल का विशेष सम्मानकर समाज बन्धुओं ने नाचते-गाते हुए लाभ लिया । शनिवार 31 जनवरी को प्रातः वेला समाज बन्धुओं ने श्री विश्वकर्माजी महाराज की पूजा-अर्चना, श्रद्धा के पुष्प व श्रीफल भेंटकर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की। स्वागत समारोह कार्यक्रम में कार्यक्रम के लाभार्थी, मंदिर निर्माण मे दिये गये सहयोग के भामाशाहो, पत्रकार परबत सोलंकी, रामदेव मित्र मंडल के महेन्द्र आगलेचा का राजस्थानी साफे, मोतीयोफ्ल की माला व दुपट्टे से विशेष सम्मान किया गया । समाज बन्धुओं ने विश्वकर्माजी के मंदिर निर्माण में बढचढ कर सहयोग राशी की घोषनाएँ की एवं विश्वकर्माजी के जयकारों के साथ भव्य मंदिर बनाने का संकल्प लिया । पधारे समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी । सम्बोधन भाषण में अध्यक्ष नेमीचन्द जांगिड़ ने समाज बन्धुओं को विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएँ देते हुए भरोसा दिलाया कि समाज बन्धुओं के सहयोग से तेलंगाना की पावन धरा पर प्रथम विश्वकर्माजी के मंदिर का कार्य आगामी विश्वकर्मा जयंती तक पूर्ण कराकर प्राण-प्रतिष्ठा कराना उनकी प्रथम प्राथमिक्ता रहेगी । उन्होने समाज बन्धुओफ्ल से निवेदन किया कि मंदिर निर्माण कार्यो मे तन-मन-धन से सहयोग करावे ।

27 वर्षो तक समाज के अध्यक्ष पद पर रहते हुए समाज का जो सहयोग उन्हे मिला वे सभी के आभारी है । कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष नेमीचंद जांगिड़, सियाराम, देवकरण, नारायणराम, सागरराम, तेजराज, सी एल शर्मा, रामनारायण, लूणकरण, शंकरलाल, गोविंदराम, धर्माराम, सुखदेव, मानकराम, मदनलाल, मांगीलाल, आईदाराम, दिलीप शर्मा, जवेरीलाल, मिश्रीलाल, गोपाल जांगिड़, सवाईराम, कालूराम खोखा, परमेश्वर जांगिड़, ताराचंद, पारसराम, गोविंदराम, सरवनराम, नारायणराम, ओमप्रकाश, शांतिलाल सुथार व तेलंगाना में बसे समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा । यूट्यूब पर सीधा प्रसारण बी.आर.एस.राजस्थानी व राठौड़ साउण्ड द्वारा की गयी । कार्यक्रम का विशेष कवरेज पत्रकार परबत सोलंकी एवं मंच संचालन जेठुसिंह राजपुरोहित व तिलोक सुथार ने किया । अध्यक्ष नेमीचन्द जांगिड़ के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ ।

दक्षिण मध्य रेलवे

@SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट www.scr.indianrailways.gov.in

शुद्धिपत्र निविदा सं. सी-सीआर-एसजी-पीआरएस-एम-25-26-एसएनटी-2, दि.29-12-2025 हेतु

उपरोक्त निविदा सूचना के संदर्भ में, बोली प्रस्तुति की नियत तिथि को दि.06-02-2026 तक बढाया गया है। निविदा की अन्य सभी नियम व शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

उप मुख्य सिग्नल & दूरसंचार अभियंता/ पीआरएस/सिकंदराबाद

A2343

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पूर्वोत्तर रेलवे निविदा सूचना संख्या 49 दिनांक 30.01.2026

Website : www.ner.indianrailways.gov.in E-mail : cos@ner.railnet.gov.in

ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा आमंत्रण

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर-273012 कृते भारत के राष्ट्रपति तथा उनकी ओर से ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का पूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्तें वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रम सं.	निविदा संख्या	खुलने की तिथि	सामग्री का विवरण	मात्रा
1.	22261232	04.03.26	सेकेण्डरी स्प्रिंग ईनर फार फिएट बोगी ईटीसी	356 Nos.
2.	24251563	02.03.26	सस्पेंशन ट्यूब बेअरिंग फॉर डब्लूएजी-9/ डब्लूएपी-7 लोको इत्यादि	85 Sets
3.	26250665A	25.02.26	पीवीसी फ्लोरिंग रोल 2x1850x14000 एमएम इत्यादि	907 Nos.
4.	26255171	23.02.26	मैनुफैक्चरर एण्ड सप्लाई आफ 10125 एमएम, इत्यादि	100 Sets
5.	29255129A	18.02.26	सप्लाई आफ 5 वाट वीएचएफ डिजिटल वाकी टाकी सेट ईटीसी	2047 Sets
6.	24251074	17.02.26	सब किट एओएच-1 फार टैप चेंजर एन-32 ईटीसी	97 Sets
7.	26255103A	16.02.26	इलास्टिक रेल क्लिप एमके-वी विथ फ्लैट ईटीसी	954552 Nos.
8.	26255071B	16.02.26	मैनुफैक्चरर एण्ड सप्लाई आफ 6.2 एमएम, इत्यादि	1759744 Nos.

मुजाधि/एस-79 प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaartha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

अंडर 19 वर्ल्ड कप : सचिन तेंदुलकर ने भारतीय खिलाड़ियों को दिए सफलता के मंत्र

आज भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला

खेल डेस्क, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान से मैच हो तो उस पर सचिन तेंदुलकर से बेहतर बताने वाला भला और कौन हो सकता है. अंडर 19 वर्ल्ड कप 2026 में 1 फरवरी को होने वाले पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले भारतीय खिलाड़ियों ने भी अलग एक्सपीरियंस किया, जब उन्हें मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर का वीडियो कॉल आया. सचिन ने जब जिम्बाब्वे में मौजूद टीम इंडिया के खिलाड़ियों को वीडियो कॉल लगाया तो वो सभी उन्हें सुनने के लिए, उनसे बात करने के लिए एक साथ इकट्ठे हुए. 27 मार्च को 15 साल के होने जा रहे वैभव सूर्यवंशी सचिन को सुनने के लिए सबसे अगली लाइन में बैठे दिखे. सचिन तेंदुलकर ने वीडियो कॉल पर अपने एक्सपीरियंस को

अंडर 19 टीम के खिलाड़ियों के साथ साझा किया. उन्होंने उनसे सफलता हासिल करने और अपने खेल को बेहतर बनाने के तरीकों पर बात की. सचिन ने खिलाड़ियों संग खेल के टेक्निकल चीजों पर तो बात की ही, उसके अलावा उन्होंने उन्हें अनुशासन का महत्व भी बताया. मास्टर ब्लास्टर ने उन्हें बताया कि कैसे वो अपने मन को शांत और एकाग्र बनाए रख सकते हैं. वीडियो कॉल पर हुई बातचीत के बाद खिलाड़ियों ने सचिन के साथ एक सेल्फी भी ली.

खिलाड़ियों में जीत की भूख- वीवीएस लक्ष्मण

भारत की अंडर 19 टीम के लिए पाकिस्तान के खिलाफ वर्ल्ड कप में होने वाले मैच से पहले अच्छी बात ये भी है कि वीवीएस लक्ष्मण उसके साथ जुड़े हैं. वीवीएस लक्ष्मण ने खिलाड़ियों के साथ जिम्बाब्वे में घनघोर ट्रेनिंग की. उन्होंने बताया कि वो सभी जीत को कितने भूखे और नया सीखने को बेताब हैं. भारत और पाकिस्तान अंडर 19 वनडे वर्ल्ड कप में 11वीं बार आमने-सामने होंगे. इससे पहले हुई 10 भिड़ंत में दोनों टीमों ने 5-5 मुकाबले जीते हैं. इससे पता चलता है कि मुकाबला कितना कड़ा रहने वाला है.

टी20 विश्व कप के लिए आईसीसी ने जारी किया थीम सॉन्ग

फैंस में दिखा 'फील द थ्रिल' का क्रेज

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। आईसीसी की तरफ से 7 फरवरी से शुरू हो रहे टी 20 विश्व कप के लिए थीम सॉन्ग लॉन्च कर दिया गया है. इस बार विश्व कप भारत और श्रीलंका में हो रहा है तो ऐसे में गाने की थीम को उसी आधार पर तैयार किया गया है. क्रिकेट फैंस को ये गाना काफी पसंद आ रहा है. आपको बताते हैं कि इस गाने को किसने गाया है.

टी 20 विश्व कप 2026 के लिए काउंटडाउन शुरू हो चुका है. 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका इसकी मेजबानी करते हुए नजर आएंगे. इस बार विश्व कप में पहली बार 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं और सभी टीमों को 4 ग्रुप में बांटा गया है. सभी टीमें टूर्नामेंट की तैयारियों में जुटी हुई हैं.

आईसीसी की तरफ से इस बार के विश्व कप के लिए आधिकारिक थीम सॉन्ग का ऐलान कर दिया गया है. 30 जनवरी को आईसीसी की तरफ से इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की गई है. क्रिकेट फैंस को ये गाना काफी पसंद आ रहा है और तेजी से वायरल हो रहा है.

अनिरुद्ध रविचंदर ने गाया है थीम सॉन्ग

आईसीसी की तरफ से जारी किए गए थीम सॉन्ग को गाने की जिम्मेदारी मशहूर संगीत निर्देशक, गायक और निर्माता अनिरुद्ध रविचंदर के हाथों में सौंपी गई थी. उन्होंने इस गाने को इस खूबसूरती से लिखा और गाया है कि रिलीज होने के कुछ घंटों के बाद ही हर किसी की जुबान पर नजर आ रहा है. इस गाने को 'फील द थ्रिल' नाम दिया गया है. ये थीम सॉन्ग आप हर ऑडियो प्लैटफॉर्म पर सुन सकते हैं.

अनिरुद्ध रविचंदर की तरफ से इस गाने को लेकर कहा गया, "जब क्रिकेट की बात आती है तो हर चीयर, हर खामोशी, हर एक धड़कन जुड़ जाती है. ये एक खास एहसास होता है. मुझे 'फील द थ्रिल' कैंपेन से जुड़कर काफी खुशी हो रही है. ये हमारी एक कोशिश है कि दुनिया भर के फैंस को एक साथ लाया जाए."

भारत और श्रीलंका में खेले जाएंगे मैच

टी20 विश्व कप 2026 के सभी मुकाबले भारत और श्रीलंका के मैदानों पर खेले जाएंगे. सभी मैचों के लिए कुल 8 मैदानों को चुना गया है. इसमें से 5 मैदान भारत के होंगे तो वहीं 3 मैदान श्रीलंका के होंगे. भारत में अरुण जेटली स्टेडियम (दिल्ली), ईडन गार्डन्स (कोलकाता), एमए चिदम्बरम स्टेडियम (चेन्नई), नरेंद्र मोदी स्टेडियम (अहमदाबाद) और वानखेड़े स्टेडियम (मुंबई) में मुकाबले होंगे तो वहीं श्रीलंका के पालेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम (कैंडी), आर प्रेमदासा स्टेडियम (कोलंबो) और सिंहली स्पोर्ट्स क्लब (कोलंबो) में मैच होंगे.

सैम करन टी-20आई में हैट्रिक लेने वाले दूसरे इंग्लिश क्रिकेटर

इंग्लैंड ने पहले मुकाबले में श्रीलंका को हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

कैंडी, 31 जनवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने श्रीलंका को पहले टी-20 मुकाबले में डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 11 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लिश टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। बारिश के कारण मुकाबला तय समय पर शुरू नहीं हो सका, जिसके चलते ओवरों में कटौती कर इसे 17-17 ओवर का मैच कर दिया गया।

पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लिश गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 133 रन पर ऑलआउट कर दिया। जवाब में इंग्लैंड ने 15

ओवर में 4 विकेट पर 125 रन बना लिए थे, तभी बारिश ने फिर से खलल डाल दिया और आगे का खेल संभव नहीं हो सका।

डकवर्थ-लुईस नियम के अनुसार इंग्लैंड उस समय टारगेट से आगे था, जिसके चलते मुकाबला इंग्लैंड के नाम रहा। गेंदबाजी में सैम करन और आदिल रशीद ने अहम भूमिका निभाई, जिसमें करन ने हैट्रिक ली।

सैम करन की हैट्रिक

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जिसके बाद श्रीलंका की टीम 16.2 ओवरों में 133 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका की ओर से कुसल मेंडिस ने 37 जबकि पाथुम निसांका ने 23 रन बनाए। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसमें आदिल रशीद और सैम करन ने तीन-तीन विकेट चटकाए।

सैम करन ने श्रीलंका की पारी के 16वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर दासुन शनाका, महीश तीक्षणा और माथीश पथिराना को आउट करते हुए हैट्रिक पूरी की। वे टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इंग्लैंड के लिए हैट्रिक लेने वाले दूसरे गेंदबाज बने। इससे पहले क्रिस जॉर्डन ने 2024 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

वहीं, आदिल रशीद ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 19 रन देकर 3 विकेट झटके और इसी शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके अलावा जेमी ओवरटन और लियाम डॉसन को भी दो-दो सफलता मिली।

सॉल्ट ने 46 रन बनाए

इंग्लैंड के लिए ओपनर फिलिप सॉल्ट ने 35 गेंदों में 46 रन, वहीं टॉम बैंटन ने 15 गेंदों में 29 रन की पारी खेली। श्रीलंका के लिए ईशान मलिंगा ने 2 विकेट, महीश तीक्षणा और कप्तान दसुन शनाका ने 1-1 विकेट लिया। सीरीज का दूसरा मुकाबला 1 फरवरी को पल्लेकेले में ही खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, पैट कमिंस और मैथ्यू शॉर्ट टी20 वर्ल्ड कप से बाहर

मेलबर्न, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में 7 फरवरी से शुरू हो रहे टी20 वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया को बहुत बड़ा झटका लग चुका है। दरअसल, टीम के तेज गेंदबाज पैट कमिंस इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। पैट कमिंस लंबे समय से चोटिल हैं और अब टूर्नामेंट शुरू होने से करीब एक हफ्ते पहले तक उनके फिट होने की उम्मीदें ना के बराबर हैं इसीलिए टीम मैनेजमेंट ने कमिंस को टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर किया है।

ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप के आगाज से करीब एक हफ्ता पहले टीम में दो बदलाव करके अपना फाइनल स्क्वाड जारी कर दिया है। एक तो पैट कमिंस पीठ की चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा टॉप-ऑर्डर बैट्समैन मैथ्यू

शॉर्ट भी अंतिम 15 खिलाड़ियों की सूची से बाहर हैं। कमिंस और शॉर्ट के बाहर होने के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बेन ड्वारशुइस और मैथ्यू रेनशॉ को टीम में जगह दी है।

पैट कमिंस लंबे समय से इंजरी से जूझ रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप से पहले पैट कमिंस एक और आईसीसी टूर्नामेंट को मिस कर चुके हैं। वह इंजरी के कारण ही चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में नहीं खेल पाए थे। फिर इंजरी के चलते ही उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज भी मिस की और अब वह टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। हालांकि उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी शुरुआती टीम में जगह दी थी। पैट कमिंस के अब आईपीएल तक फिट होने की संभावना है।

पैट कमिंस और मैथ्यू शॉर्ट के बाहर होने के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ की अनदेखी की है। बैटिंग लाइनअप में स्मिथ की जगह नहीं बन पाना हैरान करने वाला है। स्मिथ ने हाल ही में बीबीएल शानदार प्रदर्शन भी किया, लेकिन इसके बावजूद उन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई है। बिग बैश लीग (बीबीएल) के छह मैचों में स्मिथ ने 167 के जबरदस्त स्ट्राइक-रेट से 299 रन बनाए।

नोवाक जोकोविच 11वीं बार ऑस्ट्रेलिया ओपन के फाइनल में

वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्काराज से होगा मुकाबला

सिनर को 3-6, 6-3, 4-6, 6-4, 6-4 से हराया

मेलबर्न, 31 जनवरी (एजेंसियां)। सर्बिया के दिग्गज टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने साल के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। जहां उसका सामना वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्काराज से एक फरवरी को दोपहर 2 बजे से होगा।

38 साल के जोकोविच ने मेंस सिंगल्स कैटेगरी के सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर को 3-6, 6-3, 4-6, 6-4, 6-4 से हराया। वे ओपन एरा में इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने हैं। जोकोविच ने 11वीं बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। वे 2023 के बाद खिताबी दौर में पहुंचे हैं। इससे पहले उन्होंने 10 फाइनल खेले और सभी जीते हैं। जोकोविच अपने करियर के 25वें ग्रैंड स्लैम और 11वें ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल से एक जीत दूर हैं। फिलहाल वे मार्गरेट कोर्ट के 24 ग्रैंड स्लैम

रिकॉर्ड की बराबरी पर हैं।

अल्काराज पहली बार फाइनल में पहुंचे

वर्ल्ड नंबर-1 स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। चोट से जूझ रहे अल्काराज ने सेमीफाइनल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को पांच सेटों तक चले मुकाबले में मात दी। मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेला गया यह मैच 5 घंटे 27 मिनट तक चला, जिसमें अल्काराज ने ज्वेरेव को 6-4, 7-6, 6-7, 6-7, 7-5 से हराया।

अल्काराज बोले- मुझे खुद पर बेहद गर्व है

जीत के बाद अल्काराज ने कहा- मैं हमेशा कहता हूं कि हालात चाहे जैसे भी हों, खुद पर भरोसा रखना बेहद जरूरी है। तीसरे सेट में मैं संघर्ष कर रहा था। शारीरिक रूप से यह मेरे करियर के सबसे कठिन मुकाबलों में से एक था।

उन्होंने कहा- 'मैं पहले भी ऐसे मैच खेल चुका हूं, इसलिए मुझे पता था कि मुझे क्या करना है। मुझे इसमें दिल-जान लगा देनी थी। मैंने ऐसा ही किया और आखिरी गेंद तक लड़ता रहा। पांचवें सेट में जिस तरह से मैंने वापसी की, उस पर मुझे खुद पर बेहद गर्व है।'

अल्काराज के पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने का मौका

अल्काराज के ट्रॉफी कैबिनेट में अब तक का एकमात्र ग्रैंड स्लैम खिताब ऑस्ट्रेलियन ओपन ही बचा है। अगर वह इस साल मेलबर्न में जीत हासिल करते हैं, तो वह करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के मेंस प्लेयर बन जाएंगे।

करियर ग्रैंड स्लैम का मतलब है कि किसी खिलाड़ी ने अपने पूरे करियर के दौरान चारों ग्रैंड स्लैम कम से कम एक बार जीती हों। इन्हें एक ही कैलेंडर ईयर में जीतना जरुरी नहीं है।

एलिना रयबाकिना बनीं ऑस्ट्रेलियन ओपन की विजेता

फाइनल में विश्व की नंबर एक सबालेंका को हराया

मेलबर्न, 31 जनवरी (एजेंसियां)। एलिना रयबाकिना ने महिला एकल वर्ग के फाइनल में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका को हराकर वर्ष का पहला ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम किया। रयबाकिना ने फाइनल में सबालेंका को दो घंटे 18 मिनट तक चले मैच में 6-4, 4-6, 6-4 से हराया। 26 साल की रयबाकिना ने शानदार वापसी करते हुए पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम किया। यह उनके करियर का दूसरा ग्रैंडस्लैम है। इससे पहले, उन्होंने 2022 में यूएस ओपन का खिताब जीता था।

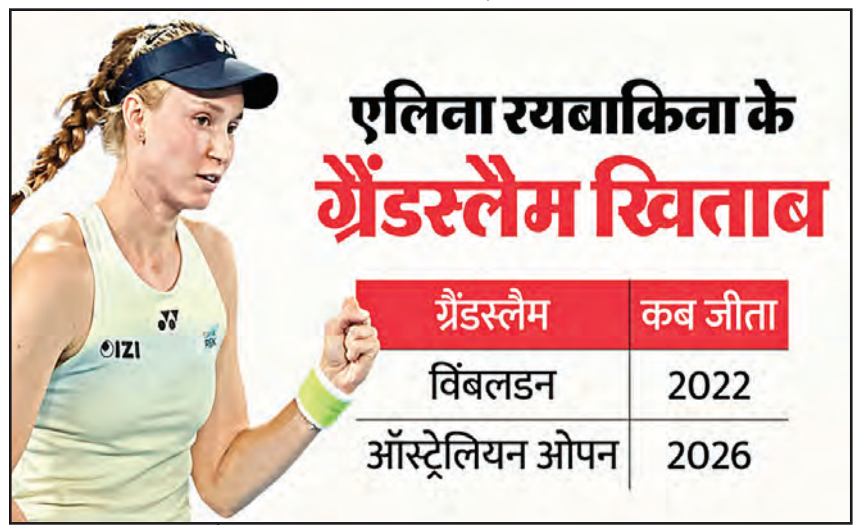

लगातार दूसरी बार चूकीं सबालेंका

सबालेंका को लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में हार मिली है। इससे पहले उन्हें मैडिसन कीज ने हराया था। सबालेंका ने अपने करियर में अब तक चार ग्रैंडस्लैम जीते हैं। वह 2023 और 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुकी हैं, लेकिन दो बार से वह यहां करीब आकर खिताब अपने नाम करने से चूक रही हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन के अलावा उन्होंने 2024 और 2025 में यूएस ओपन भी जीता था

किस तरह जीत दर्ज करने में सफल रहीं रयबाकिना

कजाखस्तान की रयबाकिना ने फाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही दबाव बनाया और पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया।

दूसरे सेट में रयबाकिना को सबालेंका से कड़ी टक्कर मिली और एक समय स्कोर 3-3 की बराबरी पर था। सबालेंका ने अच्छी वापसी की और दूसरा सेट 6-4 से जीता।

तीसरे सेट में सबालेंका ने 3-0 की बढ़त बनाई, लेकिन चौथे गेम को जीतकर रयबाकिना ने वापसी की। उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर स्कोर 3-3 कर दिया।

सबालेंका भी हार मानने के लिए तैयार नहीं थीं और उन्होंने स्कोर 4-5 कर दिया। रयबाकिना ने फिर एस लगाकर बढ़त ली और तीसरा सेट 6-4 से जीतकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया।

मैच की बात करें तो रयबाकिना ने छह एस लगाए, जबकि सबालेंका ने पांच एस लगाए। रयबाकिना ने तीन और सबालेंका ने दो डबल फॉल्ट किए। रयबाकिना की तुलना में सबालेंका ने अधिक विनर्स लगाए, लेकिन सबालेंका ने कजाखस्तान की खिलाड़ी की तुलना में एक बेजां भूलें ज्यादा की।

हरियाणा कबड्डी लीग : पानीपत पैंथर्स का गुरुग्राम पर दबदबा

रोहतक रॉयल्स ने हिसार हीरोज को 40–28 से हराया

सोनीपत, 31 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, राई (सोनीपत) में खेले गए लीग के डे-6 ने कबड्डी प्रेमियों को जबरदस्त रोमांच दिया। एक्शन, रणनीति और जोश से भरपूर इस लीग नाइट में खेले गए डबल-हेडर मुकाबलों ने न सिर्फ दर्शकों को सीट से बांधे रखा, बल्कि अंक तालिका की तस्वीर भी बदल दी। पहले मुकाबले में पानीपत पैंथर्स ने गुरुग्राम गुरुस पर एकतरफा दबदबा दिखाया, वहीं दूसरे मैच में रोहतक रॉयल्स ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर हिसार हीरोज़ की अपराजेय यात्रा पर ब्रेक लगा दिया। दोनों मुकाबलों में आक्रामक रेडिंग और सख्त डिफेंस का बेहतरीन संतुलन देखने को मिला।

शाम की शुरुआत पानीपत पैंथर्स के दमदार प्रदर्शन के साथ हुई, जिन्होंने गुरुग्राम गुरुस को 42–27 से करारी शिकस्त दी। शुरुआती मिनटों में दोनों टीमों के बीच अंक के लिए संघर्ष देखने को मिला, लेकिन जल्द ही पानीपत ने मैच पर नियंत्रण कर लिया। रेडिंग और डिफेंस दोनों विभागों में पैंथर्स पूरी तरह हावी नजर आए। पानीपत की जीत के नायक रहे मीतू शर्मा, जिन्होंने लगातार सफल रेड करते हुए अपना सुपर 10 पूरा किया। उन्होंने गुरुग्राम के डिफेंस को बार-बार छकाया और

टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई। उनके साथ नरेंद्र कंडोला ने भी अहम मौकों पर अंक जुटाकर टीम की लय बनाए रखी।

डिफेंस में अंकित जगलान, दीपांशु खत्री और आशीष नरवाल की तिकड़ी ने गुरुग्राम गुरुस पर जबरदस्त दबाव बनाया। अंकित जगलान ने हाई 5 पूरा करते हुए बैकलाइन को मजबूती दी। पानीपत ने मैच के दौरान कई ऑल-आउट दिलाए, जिनमें दूसरे हाफ की शुरुआत में मिला अहम ऑल-आउट शामिल रहा, जिसने नौ अंकों की निर्णायक बढ़त दिला दी। मैच 11 – पानीपत पैंथर्स बनाम गुरुग्राम गुरुसबेस्ट रेडरः मीतू शर्मा (पानीपत पैंथर्स)बेस्ट डिफेंडरः अंकित जगलान (पानीपत पैंथर्स)नीरज नरवाल की कुछ झलकियों के बावजूद गुरुग्राम गुरुस जीत की राह नहीं तलाश सका।

रोहतक रॉयल्स ने हिसार हीरोज़ की अपराजेय यात्रा रोकी

दूसरे मुकाबले में रोहतक रॉयल्स ने अनुशासित और आक्रामक खेल का शानदार नमूना पेश करते हुए हिसार हीरोज़ को 40–28 से हराया। यह हिसार की टूर्नामेंट में पहली हार रही। शुरुआती पलों में हिसार ने कुछ सफल टैकल्स के साथ बढ़त बनाने की कोशिश की, लेकिन रोहतक ने जल्द ही मैच की कमान संभाल ली।

रोहतक की जीत की मजबूत नींव डिफेंस ने रखी। कप्तान संदीप नरवाल ने हाई 5 पूरा करते हुए हिसार के स्टार रेडर अशु मलिक को कई बार मैट पर रोका। मजबूत टैकल्स के दम पर रोहतक ने दो ऑल-आउट दिलाए और हाफटाइम तक निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। रेडिंग में विजय मलिक ने सुपर रेड समेत लगातार अंक जुटाकर शानदार प्रदर्शन किया। नवीन और अंकित राणा ने भी उनका भरपूर साथ दिया। दूसरे हाफ में रोहतक ने अपनी बढ़त को और मजबूत किया और पूरे नियंत्रण के साथ मैच को अपने नाम किया।

श्रीलंका के पूर्व ऑलराउंडर शेहान अमेरिका के लिए करेंगे डेब्यू

वाशिंगटन, 31 जनवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। 15 सदस्यीय स्क्वाड में श्रीलंका के पूर्व ऑलराउंडर शेहान जयसूर्या को जगह मिली है। 34 साल के जयसूर्या पहली बार अमेरिका के लिए खेलते हुए नजर आएंगे। 7 फरवरी से शुरू हो रहे टी20 वर्ल्ड कप में जयसूर्या का अमेरिका के लिए डेब्यू होगा। शेहान के अलावा पेशावर में जन्मे 29 साल के ऑलराउंडर मोहम्मद मोहसिन भी वर्ल्ड कप में अमेरिका के लिए डेब्यू करेंगे।

श्रीलंका के लिए 2015 में डेब्यू करने वाले शेहान जयसूर्या 2020 तक उस देश के लिए खेले हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज और स्पिनर शेहान जयसूर्या ने आखिरी इंटरनेशनल मैच मार्च 2020 में

वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। श्रीलंका के लिए खेलते हुए उन्होंने 12 वनडे और 18 टी20 मैच खेले हैं। वनडे फॉर्मेट की 10 पारियों में उन्होंने 195 रन बनाए जबकि टी20 इंटरनेशनल की 16 पारियों में उन्होंने 241 रन बनाए हैं। शेहान जयसूर्या ने 8 जनवरी 2021 को श्रीलंका क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। जून 2021 में खिलाड़ियों के ड्राफ्ट के बाद उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका में माइनर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सेलेक्ट किया गया। 2023 में वह मेजर लीग क्रिकेट के पहले सीजन में सिएटल ऑर्कास में शामिल हुए और अब वो अमेरिका की टीम में चुने गए हैं। अमेरिका की इस टीम में 10 खिलाड़ी ऐसे शामिल हैं जो 2024 टी20 वर्ल्ड कप में अमेरिका की उस टीम का हिस्सा थे जो सुपर 8 में पहुंची थी। इनमें एंड्रीज गौस और सौरभ नेत्रवलकर शामिल हैं जो टूर्नामेंट में टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और विकेट लेने वाले खिलाड़ी थी। इनमें कप्तान मोनांक पटेल भी शामिल हैं। हालांकि इस टीम में विस्फोटक बल्लेबाज एरोन जोन्स नहीं हैं, क्योंकि उन्हें आईसीसी ने फिक्सिंग के एक मामले में सस्पेंड कर दिया है।

बुनियादी ढांचा व स्वच्छता पर विशेष फोकस : विजयलक्ष्मी

जीएचएमसी ने 11,460 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) में अपने पाँच वर्ष के कार्यकाल के दौरान बुनियादी ढांचे के विकास और स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। यह बात जीएचएमसी मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी गदवाल ने शनिवार को कही। मेयर की अध्यक्षता में आयोजित जीएचएमसी की 10वीं विशेष बजट बैठक में बजट से पूर्व संबोधन करते हुए उन्होंने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सड़कों व जंक्शनों का विकास, नागरिक सेवाओं का डिजिटलीकरण तथा जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से शहर को बेहतर सेवाएँ उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। मेयर ने बताया कि उनका तथा कॉरपोरेटरों का कार्यकाल आगामी 10 फरवरी को समाप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि परिषद सदस्यों के मार्गदर्शन, सुझाव और आलोचनाओं से प्रशासन को मजबूती मिली। विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, कॉरपोरेटरों और स्वच्छता कर्मियों की सेवाओं को उन्होंने सराहनीय बताया। मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी ने डिप्टी मेयर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी, आयुक्त आर. वी. कर्णन, पूर्व आयुक्तों और शहर की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी को राष्ट्रीय स्तर पर मिले पुरस्कार और सम्मान सामूहिक प्रयासों का परिणाम हैं। पदावधि समाप्त होने के बाद भी हैदराबाद के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता बनी रहेगी। बैठक में चंपापेट डिवीजन के कॉरपोरेटर वंगा मधुसूदन रेड्डी के आकस्मिक निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया गया। परिषद सदस्यों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

डिप्टी मेयर श्रीलता शोभन रेड्डी ने अपने संबोधन में कहा कि उनका पाँच वर्षीय कार्यकाल संतोषजनक रहा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के समन्वय से विकास योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की बात कही। जीएचएमसी आयुक्त आर. वी. कर्णन ने बताया कि 2026–27 वित्तीय वर्ष का बजट कई चुनौतियों के बीच तैयार किया गया। 27 नगरपालिकाओं के विलय के बाद उनकी परिसंपत्तियों और देनदारियों का आकलन किया गया है। प्रॉपर्टी टैक्स आकलन और संग्रहण को पूरी तरह ऑनलाइन किया गया है। जीएचएमसी परिषद ने 2026–27 के लिए 11,460 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी। बजट में 6,441 करोड़ रुपए आय, 4,057 करोड़ रुपए व्यय, 2,384 करोड़ रुपए राजस्व अधिशेष और 400 करोड़ रुपए राजस्व अनुदान का प्रावधान किया गया है। नई विलय की गई 27 नगरपालिकाओं के लिए 2,260 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जबकि उनसे 1,860 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्ति का अनुमान है।

फोन टैपिंग मामले में केसीआर को परेशान कर रही है कांग्रेस सरकार : प्रवीण कुमार

सिद्दिपेट, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के महासचिव आरएस प्रवीण कुमार ने शनिवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी राजनीतिक प्रतिशोध के तहत फोन टैपिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं। सिद्दिपेट में मीडिया से बात करते हुए प्रवीण कुमार ने एसआईटी द्वारा चंद्रशेखर राव को नंदी नगर स्थित आवास पर पूछताछ के लिए बुलाए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईटी दोहरा मापदंड अपना रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री टी हरीश राव को भी उनके हैदराबाद स्थित आवास पर नोटिस भेजा गया था, जबकि उनके चुनावी हलफनामे में सिद्दिपेट का पता दर्ज था।

उन्होंने कहा कि अब एसआईटी चंद्रशेखर राव के चुनावी शपथ पत्र का हवाला देकर उन्हें नंदी नगर स्थित आवास पर उपस्थित होने को कह रही है, यह कहते हुए कि वही उनका आधिकारिक निवास है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कांग्रेस मंत्री कोंडा सुरेखा और सीताक्का स्वयं सम्मक्का–सरलम्मा जतारा के दौरान एर्रावल्ली स्थित आवास पर पूर्व मुख्यमंत्री से मिलने गई थीं, तो अब उसी सरकार की एसआईटी उन्हें नंदी नगर बुलाने पर क्यों अड़ी हुई है। प्रवीण कुमार ने कहा कि बीआरएस शासनकाल में भी पुलिस ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को उनके हैदराबाद स्थित आवास पर नोटिस भेजे थे, जबकि उनका आधिकारिक पता कोडंगल था। उन्होंने अपने उदाहरण का भी उल्लेख किया और कहा कि उन्हें भी हैदराबाद स्थित आवास पर नोटिस भेजे गए थे, जबकि उनके चुनावी हलफनामे में सिरपुर कागज नगर का पता दर्ज था। उन्होंने कहा कि यदि एसआईटी वही मानक अपनाती, तो चंद्रशेखर राव को एर्रावल्ली स्थित आवास पर ही नोटिस भेजा जाना चाहिए था।

फोन टैपिंग के मुद्दे पर प्रवीण कुमार ने कहा कि कोई भी मुख्यमंत्री पुलिस को किसी व्यक्ति का फोन टैप करने का आदेश नहीं देता। उन्होंने बताया कि भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के तहत फोन टैपिंग को कानूनी मान्यता प्राप्त है और इसे निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही किया जाता है। उन्होंने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव, पूर्व मंत्री टी हरीश राव और पूर्व सांसद जोगिनपल्ली संतोष कुमार से की गई एसआईटी की पूछताछ पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इन नेताओं में से किसी ने भी गृह मंत्रालय का कार्यभार नहीं संभाला था, इसके बावजूद उनसे सात से नौ घंटे तक पूछताछ की गई, जबकि उन्हें केवल गवाह बताया गया।

प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि जांच से जुड़ी जानकारियां मीडिया में लीक की जा रही हैं और आपत्तिजनक थंबनेल के साथ खबरें प्रकाशित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि एसआईटी और राज्य सरकार द्वारा चंद्रशेखर राव के साथ किया जा रहा व्यवहार पूरे तेलंगाना को झकझोर रहा है। उन्होंने चंद्रशेखर राव को राज्य का सबसे सम्मानित नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने 14 वर्षों तक अलग तेलंगाना राज्य के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया और केंद्र को नया राज्य गठित करने के लिए मजबूर किया। इसके बाद अपने 10 वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने तेलंगाना को विकास का एक आदर्श मॉडल बनाया।

कोटी में दिनदहाड़े लूट, व्यापारी को गोली मारकर 6 लाख रुपये छीने

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोटी इलाके में शनिवार तड़के दो अज्ञात बदमाशों ने एक व्यवसायी को गोली मारकर 6 लाख रुपये लूट लिए। इस वारदात में व्यापारी घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नामपल्ली निवासी और मूल रूप से केरल के रहने वाले 26 वर्षीय रिनशाद सुबह करीब सात बजे कोटी स्थित एसबीआई एटीएम केंद्र में नकदी जमा कराने पहुंचे थे। उसी दौरान स्कूटर पर सवार दो बदमाश वहां पहुंचे और उन्हें धमकाकर बैग छीनने की कोशिश करने लगे।

व्यापारी द्वारा विरोध करने पर बदमाशों ने उस पर गोली चला दी। गोली उसके पैर में लगी, जिससे वह मौके पर गिर पड़ा। इसके बाद बदमाश 6 लाख रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यापारी को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। इस मामले में केस दर्ज कर लिया गया है।

बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा ही लक्ष्य : डीसीपी

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी सृजना करनम ने कहा कि साइबराबाद विमेन एंड चिल्ड्रन सेफ्टी विंग की देखरेख में इस हफ़्ते 24 जनवरी से 30 जनवरी तक महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए कई बड़े कदम उठाए जाएंगे। ऑपरेशन स्माइल - XII के तहत, साइबराबाद कमिश्नरेट में जेजे एक्ट के 110 केस दर्ज किए गए और साइबराबाद एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट द्वारा की गई खास छापेमारी में 352 बच्चों, यानी 340 लड़कों और 12 लड़कियों को सफलतापूर्वक बचाया गया। साइबराबाद शी टीम की टीमों ने इस हफ़्ते कुल 138 डिकॉय ऑपरेशन किए और 42 लोगों को सार्वजनिक जगहों पर गलत व्यवहार करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

इनमें से 47 केस दर्ज किए गए और बाकी की काउंसलिंग की गई। इसी तरह, शी टीम की टीमों को महिलाओं से 27 शिकायतें मिलीं। उन्होंने कहा कि पति-पत्नी के बीच होने वाली पारिवारिक समस्याओं को सुलझाने में फैमिली काउंसलिंग सेंटर्स /सीडीईडब्लू सेंटर्स ने अहम भूमिका निभाई है। इन सेंटर्स के ज़रिए 22 परिवारों को फिर से मिलाया गया और उनके परिवारों को जागरूक किया गया। साइबराबाद के अलग-अलग इलाकों में एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और शी टीम की टीमों ने ह्यूमन ट्रैफिकिंग, चाइल्ड ट्रैफिकिंग, बाल विवाह, बाल मजदूरी, महिलाओं का उत्पीड़न, सोशल मीडिया के ज़रिए उत्पीड़न, महिलाओं का लगातार पीछा करना, भीख मांगना, सोशल मीडिया के ज़रिए उत्पीड़न, साइबर धोखाधड़ी जैसे मुद्दों पर जागरूकता पैदा की है। कुल 5821 लोगों को जागरूक किया गया है। उन्होंने लोगों को महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, डायल 100, साइबर हेल्पलाइन के लिए 1930 जैसी सेवाओं का महत्व भी समझाया।

पूर्व आदिलाबाद जिले में नामांकन प्रक्रिया समाप्त

आदिलाबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व आदिलाबाद जिले में शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुक्रवार को अंतिम दिन समाप्त हो गई। इस दौरान एक नगर निगम और 10 नगरपालिकाओं सहित कुल 11 शहरी निकायों से 3,000 से अधिक नामांकन पत्र दाखिल किए गए। अधिकारियों के अनुसार, मंचेरियल नगर निगम (एमसीसी) के 60 डिवीजनों और बेल्लमपल्ली, चेन्नूर, क्याथनपल्ली, लक्सेट्टीपेट, आदिलाबाद, आसिफाबाद, कागजनगर, निर्मल, भैंसा और खानापुर नगरपालिकाओं के 268 वार्डों से कुल 3,393 नामांकन प्राप्त हुए। नामांकन प्रक्रिया देर शाम तक चली और आंकड़ों को संकलित करने के लिए अधिकारी आधी रात तक काम करते रहे। मंचेरियल नगर निगम में कांग्रेस, बीआरएस, भाजपा, बसपा, आप, सीपीएम समेत अन्य दलों के कुल 429 उम्मीदवारों ने 615 नामांकन पत्र दाखिल किए। इनमें बीआरएस समर्थित 159 उम्मीदवारों, भाजपा समर्थित 177 उम्मीदवारों और कांग्रेस के 150 उम्मीदवारों ने विभिन्न डिवीजनों से नामांकन प्रस्तुत किए। इसके अलावा, 44 निर्दलीय उम्मीदवारों और पंजीकृत दलों के 58 उम्मीदवारों ने भी चुनाव मैदान में उतरने के लिए नामांकन दाखिल किया। बसपा के 10 और एआईएमआईएम के चार उम्मीदवारों ने भी अपने नामांकन पत्र जमा किए हैं। वहीं, आदिलाबाद नगरपालिका के 49 वार्डों से 506 उम्मीदवारों द्वारा कुल 721 नामांकन पत्र दाखिल किए गए।

मेडाराम जतारा के आयोजन में कांग्रेस सरकार पूरी तरह विफल : वाई सतीश रेड्डी

मेदाराम (मुलुगु), 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम (टीजीआरईडीसीओ) के पूर्व अध्यक्ष वाई सतीश रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार एशिया के सबसे बड़े आदिवासी उत्सव मेदाराम सम्मक्का–सरलम्मा जतारा के सफल आयोजन में पूरी तरह नाकाम रही है। शनिवार को मेदाराम में मीडिया से बातचीत करते हुए सतीश रेड्डी ने कहा कि मंत्रियों और पुलिस अधिकारियों ने वन देवियों के पवित्र त्योहार को सुचारू रूप से संपन्न कराने पर ध्यान देने के बजाय प्रचार-प्रसार और अपनी रीलें चमकाने को प्राथमिकता दी। इसका खामियाजा लाखों श्रद्धालुओं को भुगतना पड़ रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जतारा में श्रद्धालुओं के लिए बसों की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। पीने के पानी की भारी कमी है, महिलाओं और शिशुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं नदारद हैं और मरीजों की देखभाल के लिए डॉक्टरों की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है।

आधिकारिक अव्यवस्थाओं के कारण कई किलोमीटर तक भीषण यातायात जाम लग गया। सतीश रेड्डी ने बताया कि 20 से 30 किलोमीटर की दूरी तय करने में श्रद्धालुओं को छह से सात घंटे लग रहे हैं, जिससे मेदाराम की यात्रा बेहद कष्टदायक बन गई है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने व्यापक इंतजामों का दावा किया था, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। मंत्री सीताक्का वीआईपी लोगों के स्वागत और दर्शन की व्यवस्थाओं में व्यस्त रहीं, जबकि पुलिस अधिकारियों को उनके साथ लगाए जाने के कारण आम श्रद्धालुओं की समस्याओं की अनदेखी हुई।

सतीश रेड्डी ने आरोप लगाया कि विकास कार्यों के नाम पर कांग्रेस सरकार ने श्रद्धालुओं के लिए नई परेशानियां खड़ी कर दी हैं। सुनियोजित व्यवस्था के नाम पर पूजा स्थलों तक पहुंचने के लिए केवल एक ही मार्ग छोड़ा गया, जिससे भारी अव्यवस्था फैल गई। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल में कभी ऐसी भयावह स्थिति देखने को नहीं मिली। सरकार की विफलता इस बात से भी स्पष्ट होती है कि गुस्साए श्रद्धालुओं ने मंत्री के वाहन पर हमला तक कर दिया।

सड़क दुर्घटना में छात्र की मौत, सात घायल

कोत्तागुडेम, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम जिले के पालोंचा के पास शनिवार को एक सड़क दुर्घटना में हैदराबाद के प्रथम वर्ष के डिग्री छात्र रोहित पटेल (19) की मृत्यु हो गई। इस घटना में सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, रोहित पटेल अपने दोस्तों के साथ भद्राचलम स्थित श्री सीता रामचंद्र स्वामी देवस्थानम में दर्शन कर लौट रहे थे। वे ऑटो रिक्शा में सवार थे, तभी सामने खड़ी कार से टकरा जाने के कारण ऑटो पलट गया। हादसे में रोहित पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को पालोंचा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। मृतक हैदराबाद के गौतमी डिग्री कॉलेज में पढ़ रहा था और पालोंचा मंडल के कराकागुडेम में रहने वाले एक मित्र से मिलने गया था। पालोंचा नगर पुलिस ने इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फायरिंग मामला : आरोपियों की तलाश में विशेष पुलिस टीमें गठित

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोटी इलाके में शनिवार सुबह हुई सशस्त्र लूट और गोलीबारी की घटना को गंभीरता से लेते हुए हैदराबाद सिटी पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई विशेष अपराध जांच टीमें गठित की हैं। इस संबंध में सुल्तानबाजार पुलिस थाने में एफआईआर नंबर 28/2026 दर्ज की गई है। मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 (हत्या का प्रयास) और 309 (लूट), तथा आर्म्स एक्ट 1959 की धारा 27 के तहत दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता रिंशाद पी. वी. (26) केरल के कोझिकोड से ताल्लुक रखते हैं और वर्तमान में नामपल्ली स्थित जनाथ अपार्टमेंट्स में रह रहे हैं, रेडीमेड बच्चों के कपड़ों के व्यापारी हैं। उन्होंने बताया कि वे 7 जनवरी को देवान देवड़ी में थोक खरीदारी के लिए 6 लाख नकद लेकर हैदराबाद आए थे। खरीदारी नहीं हो पाने पर उनके चचेरे भाई मिशबान ने पैसे बैंक में जमा करने की सलाह दी। 31 जनवरी को सुबह करीब 7 बजे वे अपने मित्र अमीर के वाहन से कोटी स्थित बैंक स्ट्रीट में एसबीआई मुख्य शाखा के एटीएम पहुंचे। जब वे नकद जमा कर रहे थे, तभी पीछे से आए दो अज्ञात व्यक्तियों ने बंदूक तानकर उन्हें धमकाया। आरोपियों ने दो गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली शिकायतकर्ता के दाहिने पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया।

इसके बाद आरोपी नकदी से भरा बैग और वाहन की चाबियां छीनकर फरार हो गए। आरोपी चादरघाट सिग्नल होते हुए निम्बोलीअड्डा, काचिगुड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने वाहन छोड़ दिया। कपड़े बदलने के बाद वे पैदल ही काचिगुड़ा एक्स रोड्स की ओर फरार हो गए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच, तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण और पड़ोसी इलाकों के साथ समन्वय कर आरोपियों को शीघ्र पकड़ने के प्रयास में जुटी है। पुलिस ने बताया कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

यादाद्री मंदिर में सिक्के गुम होने का मामला

दो अधिकारी निलंबित, दो पर आरोप पत्र

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्री श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में सोने और चांदी के सिक्कों के गुम होने से जुड़े मामले में कार्यकारी अधिकारी भवानी शंकर ने कड़ी कार्रवाई की है। अनियमितताओं के आरोप में दो अधिकारियों को निलंबित किया गया है, जबकि दो अन्य के खिलाफ आरोप पत्र जारी किए गए हैं। इस संबंध में आदेश शुक्रवार देर रात जारी किए गए। इस मामले में सहायक कार्यकारी अधिकारी रघु बाबू को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। प्रचार सामग्री अनुभाग से सोने और चांदी के सिक्के गायब होने की खबरों के बाद मंदिर प्रबंधन ने अनियमितताओं की जांच के लिए एक समिति गठित की थी। समिति ने जांच पूरी कर अपनी रिपोर्ट प्रबंधन को सौंप दी।

जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्यकारी अधिकारी ने कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में जूनियर असिस्टेंट पी रामचंद्र शेखर और रिकॉर्ड असिस्टेंट टी लक्ष्मी को निलंबित करने के आदेश दिए।

वहीं, अधीक्षक के नटराज और के सीतारामाचार्युलु के खिलाफ खराब पर्यवेक्षण के लिए आरोप पत्र जारी किए गए हैं। सोने के सिक्कों के गुम होने की घटना को लेकर विभिन्न वर्गों में रोष देखा जा रहा है। लोगों ने इस मामले में शामिल सभी जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। खबरों के अनुसार, मंदिर से 18 सोने के सिक्के और 48 चांदी के सिक्के गायब पाए गए हैं।

यह मामला तब उजागर हुआ जब लेखा विभाग ने अभिलेखों में दर्ज सिक्कों की संख्या और प्रचार विभाग में उपलब्ध वास्तविक सिक्कों की संख्या में अंतर पाया। मंदिर प्रबंधन ने लापता सिक्कों की बरामदगी के लिए आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के चेरलापल्ली इलाके में शनिवार सुबह एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतकों की पहचान सुरेंद्र रेड्डी, पी विजया और पी चैतना के रूप में हुई है। तीनों बोडुप्पल की हरिथा कॉलोनी में रहते थे और आपस में एक ही परिवार के सदस्य थे। बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह तीनों ने चेरलापल्ली क्षेत्र में एमएमटीएस ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जान दे दी। घटना की सूचना मिलते ही सरकारी रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया है। मामले में केस दर्ज कर लिया गया है और आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

बाघ का आतंक, ग्रामीण और वन अधिकारी सतर्क

हैदराबाद, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यादद्री भुवनिगिरी जिले के तुरकापल्ली मंडल में एक बाघ ग्रामीणों और वन अधिकारियों के लिए लगातार तनाव का कारण बन रहा है। बाघ अब कीसारा–यादद्री गुट्टा राजमार्ग के पास स्थित चिन्ना लक्ष्मापुर गांव की ओर बढ़ गया है।

शनिवार सुबह, स्थानीय ग्रामीणों ने कुएं के पास बाघ के पदचिह्न देखे और वन अधिकारियों को सूचित किया। वन अधिकारियों की टीम, बाघ ट्रैकर्स के साथ, गांव पहुंची और पदचिह्नों का विवरण दर्ज किया।

पिछली रात, एक लॉरी चालक ने तिरुमलपुरम–तुर्कपल्ली मार्ग के वासलमरी गांव के पास बाघ को देखा, जब वह मुख्य सड़क के पास ढाबे के पास एक जंगली सूअर का पीछा कर रहा था। चालक ने तुरंत स्थानीय लोगों को सूचना दी। सुबह बाघ ट्रैकर और वन अधिकारी मौके पर पहुंचे और बाघ के मार्ग का नक्शा तैयार किया।

इसी दौरान चिन्ना लक्ष्मापुर में बाघ की गतिविधि की सूचना मिली। वन अधिकारियों ने गांव में पदचिह्न एकत्र किए और ग्रामीणों से सतर्क रहने और बाघ को नुकसान न पहुंचाने का अनुरोध किया। चिन्ना लक्ष्मापुर के सरपंच कोमातिरेड्डी संतोष भास्कररेड्डी ने कहा कि वे वन अधिकारियों के सहयोग में जुटे हैं और बाघ के आरक्षित वन क्षेत्र में चले जाने की आशंका है।

वन अधिकारियों के अनुसार, बाघ दो सप्ताह पहले जिले में प्रवेश किया था और तब से इधर-उधर घूम रहा है। इस दौरान उसने तीन अलग-अलग गांवों में छह मवेशियों को मार डाला, हालांकि सोमवार से मवेशियों पर कोई नया हमला नहीं हुआ। बाघ की निगरानी के लिए वन विभाग ने विभिन्न स्थानों पर कैमरा ट्रैप लगाए हैं, पिंजरे स्थापित किए हैं और थर्मल ड्रोन कैमरों का उपयोग कर उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

दुर्घटना में हैदराबाद के छात्र की मौत, सात घायल

कोत्तागुडेम, 31 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम जिले के पालोंचा के पास शनिवार को एक सड़क दुर्घटना में हैदराबाद के प्रथम वर्ष के डिग्री छात्र रोहित पटेल (19) की मृत्यु हो गई। इस घटना में सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, रोहित पटेल अपने दोस्तों के साथ भद्राचलम स्थित श्री सीता रामचंद्र स्वामी देवस्थानम में दर्शन कर लौट रहे थे। वे ऑटो रिक्शा में सवार थे, तभी सामने खड़ी कार से टकरा जाने के कारण ऑटो पलट गया। हादसे में रोहित पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को पालोंचा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। मृतक हैदराबाद के गौतमी डिग्री कॉलेज में पढ़ रहा था और पालोंचा मंडल के कराकागुडेम में रहने वाले एक मित्र से मिलने गया था। पालोंचा नगर पुलिस ने इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence [illegible], Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.